फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 28 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 29 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

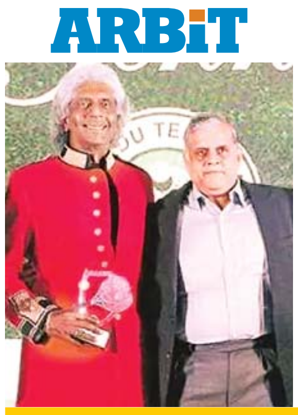

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Almost Not So Sporting Davis Cup Amritraj summed up India's dilemma when he told reporters: "As soon as we beat Argentina, everybody thought there was no way the tie against Israel was going to be played. It was kind of disheartening"

Trailblazer in the Sky

Not Today-Some Other Day

हाईकोर्ट ने वो कर दिखाया जो सरकार नहीं कर पाई : एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 रद्द की

हाईकोर्ट ने आदेश दिए कि एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में जारी विज्ञप्ति के अनुसार ही पुनः आयोजित की जाए

- हाईकोर्ट के आदेशानुसार पुनः आयोजित परीक्षा में सभी उम्मीदवारों को आयु सम्बन्धी योग्यता में रियायत दी जाए, साथ ही सभी योग्य अभ्यर्थियों को 2021 में मिल रहे आरक्षणों व अधिकारों को भी सुरक्षित रखा जाए।
- अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व की सरकारी सेवा को छोड़ा था और फिर एस.आई. भर्ती परीक्षा में चयनित हुए थे।
- न्यायाधीश समीर जैन ने अपने आदेश में तत्कालीन आर.पी.एस.सी. अध्यक्ष संजय श्रोतिया समेत अन्य सदस्य, जिनमें बाबूलाल कटारा, रामूराम रायका, मंजू शर्मा, संगीता आर्या और जसवंत राठी पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा है कि इन अफसरों ने व्यापक पेपर लीक को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई और आर.पी.एस.सी. की विश्वसनीयता को छलनी किया।

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 28 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने व्यापक पेपर लीक और नकलबाजी के आरोपों को सही मानते हुए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.) द्वारा एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द कर, महाधिवक्ता की राय के अनुसार 2021 की विज्ञप्ति में संशोधन कर पुनः आयोजित करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार जुलाई 2025 में जारी नई विज्ञप्ति में भी संशोधन कर वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर 2021 की भर्तियों को भरने का प्रावधान कर सकती है।

हाईकोर्ट के आदेशानुसार पुनः आयोजित परीक्षा में सभी उम्मीदवारों को आयु सम्बन्धी योग्यता में रियायत दी जाए, साथ ही सभी योग्य अभ्यर्थियों को 2021 में मिल रहे आरक्षण व अधिकारों को भी सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व की सरकारी सेवा का छोड़ा था और फिर एस.आई. भर्ती परीक्षा में चयनित हुए थे, उन्हें पुनः मूल पद पर बहाल किया जाए। अदालत ने कहा कि परीक्षा आयोजित करने के लिए 8 सितम्बर 2025 तक योग्य अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार किए जाए।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने इस आदेश से वो कर दिखाया है जो पिछले डेढ़ वर्ष से राज्य सरकार करने से हिचकिचा रही थी, क्योंकि, जैसा कि विदित है कि इस मामले में राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वी.के. सिंह, की देखरेख में विस्तृत जांच कर रिपोर्ट दायर करी थी कि एस.आई. भर्ती-2021 में अपराधिक गिरोह शामिल थे, जिन्होंने आर.पी.एस.सी. के अध्यक्ष सहित छह सदस्यों के साथ मिलकर व्यापक पेपर लीक के षड्यंत्र को अंजाम दिया था और फिर चयनित अभ्यर्थियों से 'इंटरव्यू' में घूस के लिए अच्छे अंक देने का भी षड्यंत्र रचा था।

बताया जा रहा है कि इस मामले की शुरूआती जांच के दौरान स्वयं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिनेश पटनायक कैनडा में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

नयी दिल्ली, 28 अगस्त। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी दिनेश के. पटनायक को कैनडा में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उनके शीघ्र ही पद भार ग्रहण करने की संभावना है।

पटनायक भारतीय विदेश सेवा के 1990 बैच के अधिकारी हैं और वह स्पेन में भारत के राजदूत की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

- दो वर्ष पहले ट्रूडो के शासनकाल में दोनों देशों में भारी तनाव के कारण कूटनीतिक रिश्ते खत्म कर दिए गए थे।

उल्लेखनीय है कि कैनडा में भारत के उच्चायुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच गत जून में जी-7 की आउटरीच बैठक के दौरान हुई मुलाकात में संबंधों को सुधारने पर बनी सहमति के बाद की गयी है। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने दिल्ली और ओटावा में उच्चायुक्तों की बहाली का निर्णय लिया था।

खालिस्तानी संगठन से जुड़े हरदीप सिंह निज्जर की दो वर्ष पहले हुई हत्या को लेकर जस्टिन ट्रूडो सरकार ने इसमें भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। भारत ने इससे साफ इंकार किया था

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैंने कभी नहीं कहा मैं 75 साल में रिटायर हो जाऊंगा या किसी और को हो जाना चाहिए'

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 75 साल की आयु में रिटायर होने के विवाद पर यह टिप्पणी की

- संघ प्रमुख भागवत के इस बयान को प्रधानमंत्री मोदी के संदर्भ में देखा जा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को और मोहन भागवत 11 सितम्बर को 75 साल के हो रहे हैं।
- संघ प्रमुख ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के सम्बंध में दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह भी कहा कि भाजपा व आरएसएस के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकता है पर मनभेद नहीं है। हमें एक-दूसरे पर विश्वास है।

नई दिल्ली, 28 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के 100 साल पूरा होने के मौके पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान मोहन भागवत से जब पूछा गया कि 75 साल के बाद क्या राजनीति से सेवानिवृत हो जाना चाहिए? तो मोहन भागवत ने कहा कि, मैंने कभी नहीं कहा कि मैं सेवानिवृत्त हो जाऊंगा या किसी और को 75 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आगे कहा कि मैंने यह बात संघ के वरिष्ठ प्रचारक दिवंगत मोरोपंत पिंगलेजी के बयान का हवाला देते हुए उनके विचार रखे थे। मैंने यह नहीं कहा कि मैं रिटायर हो जाऊंगा या किसी और को रिटायर हो जाना चाहिए। हम जिंदगी में किसी भी समय रिटायर होने के लिए तैयार हैं और संघ हमसे जिस भी समय तक काम कराना चाहेगा, हम संघ के लिए उस समय तक काम करने के लिए भी तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि हमें नौकरी दी जाती है, हम चाहें या न चाहें। अगर मैं 80 साल का हूं और संघ कहता है कि जाओ और शाखा चलाओ, तो मुझे करना ही होगा। संघ जो भी कहता है, हम करते हैं। यह किसी की सेवानिवृत्ति के लिए नहीं है। हम सेवानिवृत्त होने या काम करने के लिए तैयार हैं। जब तक संघ चाहता है।

उन्होंने कहा कि मैं शाखा चलाने में माहिर हूं, भाजपा सरकार चलाने में माहिर है, हम एक-दूसरे को सिर्फ सुझाव दे सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम फैसला नहीं करते, अगर हमें फैसला करना होता तो क्या इसमें इतना समय लगता।

भाजपा और आरएसएस के बीच मतभेद के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि मतभेद के कोई मुद्दे नहीं होते। हमारे यहां मतभेद के विचार कुछ हो सकते हैं लेकिन मनभेद बिल्कुल नहीं है। एक दूसरे पर विश्वास है...क्या भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री मोदी की सतही विदेश नीति का देश को नुकसान ही हुआ'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने आरोप लगाया कि, सरकार की मुस्कान, गले मिलने और ''सेल्फी'' लेने पर आधारित विदेश नीति, देश के हितों की सुरक्षा नहीं कर सकी

- खड़गे ने इसी संदर्भ में यह भी कहा, कि ''ट्रेड डील'' (व्यापारिक समझौता) नहीं होने से 10 सैक्टरों में ही 2.17 लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा।
- भारत के ''टैक्सटाइल उद्योग'' में ही 5,00,000 नौकरियां खत्म हो जायेंगी। जैम्स व ज्वैलरी क्षेत्र में 1,50,000 से 2,00,000 नौकरियां कम हो जायेंगी, हीरे की कटिंग व पॉलिशिंग उद्योग में भी एक लाख वर्कर बेरोजगार हो जायेंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि सरकार देश की रक्षा करने में विफल रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी.टी.आर.आई.) की रिपोर्ट में बताया गया है कि लगभग एक प्रतिशत जीडीपी पर असर पड़ सकता है और इसका फायदा चीन को मिलेगा।

बुधवार से अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त शुल्क लागू होने के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यापार समझौता न कर पाने और देश की रक्षा न कर पाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने चेतावनी दी कि टैरिफ की पहली मार में कम से कम10 सेक्टरों को 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि विदेश नीति के दिखावटी कार्यक्रम, मुस्कानें, गले लगना और सैल्फी, ने राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुँचाया है।

खड़गे ने कहा, ''आपके प्यारे दोस्त ''अबकी बार, ट्रंप सरकार'' ने आज से भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। हमारे किसान, खासकर कपास के किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपने कहा था कि आप उनकी रक्षा करने के लिए कोई भी ''निजी कीमत'' चुकाने को तैयार हैं, लेकिन आपने उनके नुकसान को कम करने और आजीविका बचाने के लिए कुछ नहीं किया।''

उन्होंने कहा कि कई निर्यात-आधारित अहम सेक्टर, खासकर एमएसएमई, में बड़े पैमाने पर नौकरियों का नुकसान होगा।

खड़गे ने कहा कि ''भारतीय वस्त्र निर्यात क्षेत्र में लगभग 5 लाख नौकरियों का नुकसान हो सकता है, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार शामिल हैं।''

उन्होंने बताया कि अगर शुल्क जारी रहा तो रत्न और आभूषण सेक्टर में भी 1,50,000 से 2,00,000 नौकरियों पर खतरा है। उन्होंने कहा, सौराष्ट्र क्षेत्र में हीरे काटने और पॉलिश करने वाले करीब 1,00,000 मजदूरों की नौकरियां अप्रैल से ही जा चुकी हैं, जब अमेरिका ने 10 प्रतिशत बेस टैरिफ लगाया था।

जयपुर महिलाओं के लिए असुरक्षित शहर

नई दिल्ली, 28 अगस्त। राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट और महिला सुरक्षा सूचकांक (एनएआरआई) 2025 के अनुसार, कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई महिलाओं के लिए देश के सबसे सुरक्षित शहरों के रूप में

- राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट व महिला सुरक्षा सूचकांक 2025, के अनुसार जयपुर के साथ दिल्ली, पटना व कोलकाता महिलाओं के लिए सर्वाधिक असुरक्षित शहर हैं, वहीं, मुम्बई, कोहिमा, इटानगर आइज़ोल और भुवनेश्वर सर्वाधिक सुरक्षित माने गए हैं।

उभरे हैं, जबकि पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची सबसे निचले स्थान पर हैं।

गुरुवार को जारी राष्ट्रव्यापी सूचकांक में, 31 शहरों की 12,770

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वैश्विक नेताओं से निजी रिश्ते बनाने की मोदी की नीति के कारण भारत-अमेरिका सम्बंधों में संकट आया है'

एक पूर्व राजनयिक ने इसके साथ यह भी कहा कि मोदी को लगता था अमेरिका ही भारत की ग्रोथ का आधार है, मात्र अमेरिका पर निर्भरता का खामियाजा भुगत रहा है भारत

- अमेरिका क्यों हाथ धोकर भारत के पीछे पड़ा है इस पर एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा, रुस से तेल खरीदने का मुद्दा तो बहाना मात्र है असली कारण अर्थव्यवस्था है। अमेरिका भारत के कृषि बाजार में घुसना चाहता है, और भारत सरकार ऐसा नहीं करेगी क्योंकि यह देश के किसानों के लिए घातक होगा।
- वाइट हाउस के ट्रैज़री सैक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने भी इस बात की पुष्टि यह कहकर कर दी, कि विवाद सिर्फ ''रुसी तेल'' के कारण नहीं है। वॉशिंगटन की टैरिफ गन का निशाना तो भारत की ''ट्रेड'' सम्बंधी बाधाएं हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा मोदी सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनाए गए कठोर रवैये से उत्साहित होकर, वाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवैरो ने एक बार फिर भारत पर हमला बोलते हुए यह आरोप लगाया है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष ''मोदी की जंग'' है।

मोदी सरकार को अमेरिकी फरमानों के आगे झुकाने की स्पष्ट कोशिश करते हुए नवैरो दिल्ली पर दबाव बना रहे हैं। दिल्ली पर पहले से ही कई मोर्चे से दबाव पड़ रहा है। एच वन-बी वीज़ा कार्यक्रम को लेकर धमकियों से लेकर पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम लागू करने के बार-बार किए जा रहे दावों तक।

अनुभवी विदेश नीति विश्लेषकों का मानना है कि मोदी की अत्यधिक व्यक्तिगत विदेश नीति शैली और विश्व नेताओं से हरेक से एक निजी संबंध बनाने की उनकी इच्छा ने भारत-अमेरिका संबंधों में मौजूदा संकट को जन्म दिया है। एक पूर्व राजनयिक ने बताया कि मोदी और भाजपा इस विश्वास में थे कि अमेरिका भारत की प्रगति की कुंजी है, और इसलिए वॉशिंगटन के साथ रिश्तों पर ही सारा ध्यान केंद्रित किया गया, लेकिन जब सारे उम्मीदें एक पर ही टिका दी जाए, तो खतरा बढ़ जाता है।

ब्लूमबर्ग को बुधवार को दिए इंटरव्यू में नवैरो ने कहा, ''भारत जो कर रहा है, उससे अमेरिका में हर कोई हार रहा है। उपभोक्ता, व्यवसाय, सब को नुकसान हो रहा है। नौकरियां जा रही हैं, फैक्ट्रियाँ बंद हो रही हैं, आमदनी और मजदूरी पर असर पड़ रहा है। और फिर टैक्स देने वालों को नुकसान हो रहा है, क्योंकि हमें मोदी की जंग के लिए फंड देना पड़ रहा है।''जब उनसे पूछा गया कि क्या वे ''पुतिन की जंग'' कह रहे हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी जापान और चीन यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली, 28 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जापान और चीन के पांच दिवसीय दौरे रवाना हो गए। पीएम मोदी के दौरे का मुख्य एजेंडा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करना है। अमेरिकी टैरिफ

- प्र.मंत्री मोदी पहले जापान जाएंगे, जहां वे दो दिन रहेंगे, इसके बाद वे शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन की शिखर वार्ता में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे।

विवाद के बीच हो रही पीएम मोदी की यह यात्रा काफी महत्वपूर्ण समझी जा रही है। पीएम मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे। जहां वहशंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने ट्रंप की ''टैरिफ दादागिरी'' के जवाब में गिड़गिड़ाने की नहीं सामना करने की नीति फाइनल की

इस नीति के तहत भारत कोई अर्ज़ी नहीं देगा कुछ रियायत करने की, और न ही इन्तज़ार करेगा ट्रंप में हृदय परिवर्तन होने का

- भारत के नीतिकारों का मानना है, ''डॉमैस्टिक कंज़ंप्शन'' (देश की घरेलू डिमान्ड) का आज भी योगदान, जी.डी.पी. के आंकड़े में 61 प्रतिशत है, और कुछ और टैक्स आदि की रियायतें देकर भारत की ''घरेलू डिमान्ड'', को और अधिक बढ़ाने की काफी गुंजाइश (स्कोप) है।
- इसी दिशा में बढ़ते हुए, हाल ही में जी.एस.टी. का सरलीकरण करने की घोषणा की गई है, तथा दो ही ''स्लैब'' (वर्ग), 12 प्रतिशत व 18 प्रतिशत रह जायेंगे।
- भारत का यह इतिहास रहा है कि जब भी विदेशी दवाब पड़ा है, भारत दबाव के आगे झुका नहीं। पं. नेहरु पर भारी दबाव था शीत युद्ध के जमाने में, अमेरिका का खेमा या रुस का खेमा जॉइन करने का, पर, उन्होंने ''नॉन एलाइन्ड'' (निर्गुट) रहने का निर्णय लिया। इंदिरा गांधी भी, 1971 के संकट के समय अमेरिका के दबाव में कतई नहीं आईं तथा 1998 में एन.डी.ए. की सरकार ने ''न्युक्लियर टेस्ट'' करने का फैसला किया, पाश्चात्य देशों द्वारा प्रतिबंध लगाने के बावजूद।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 28 अगस्त। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ झटके के प्रति भारत ने झुकने की बजाय खुला विरोध कर सीधे मुकाबला करने का रास्ता चुना है। न तो किसी छूट के लिए याचिका दायर की जाएगी, न ही वॉशिंगटन के रुख में बदलाव का धैर्यपूर्वक इंतजार किया जाएगा। इसके बजाय, नई दिल्ली ने तीन-स्तरीय प्रतिकार रणनीति अपनाई है - अमेरिका पर निर्भरता कम करने के लिए निर्यात बाजारों में विविधता लाना, कर सुधारों के माध्यम से घरेलू मांग को प्रोत्साहित करना, और अगली पीढ़ी के नीतिगत परिवर्तनों में तेजी लाना।

यह रुख भारत की उस ऐतिहासिक प्रवृत्ति के अनुरूप है जिसमें वह महाशक्तियों के दबाव का प्रतिकार करता आया है। नेहरू द्वारा शीत युद्ध के गुटों में शामिल होने से इनकार करने से लेकर इंदिरा गांधी द्वारा1971 संकट के दौरान विरोध जताने और 1998 में पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद परमाणु परीक्षणों को आगे बढ़ाने तक, यह प्रवृति जानी पहचानी रही है। हर बार, भारत ने बाहरी दबाव को आत्मनिर्भरता जताने और दीर्घकालिक रणनीति को फिर से गढ़ने का अवसर बनाया है।

इसी भावना के तहत, मोदी सरकार इस टैरिफ वृद्धि को कोई गंभीर झटका नहीं बल्कि एक उत्प्रेरक के रूप में ले रही है। अमेरिकी व्यापार आदेशों को बाध्यकारी न मानकर भारत यह संकेत दे रहा है कि वह अल्पकालिक कठिनाइयों को सहने को तैयार है, ताकि एक अधिक लचीली अर्थव्यवस्था बनाई जा सके - जो घरेलू मांग पर आधारित हो और जिसकी वैश्विक साझेदारियों में विविधता हो।

बुधवार से प्रभावी हुए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अमेरिका को होने वाले भारत के 45 अरब डॉलर के निर्यात पर पड़ेगा, जिसमें केवल दवाएं, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स को छोड़ दिया गया है। वस्त्र, रत्न, झींगा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों के लिए यह वृद्धि कमजोर होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ के सुकमा में भारी बाढ़

सुकमा, 28 अगस्त । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में लगातार बारिश से उफान पर आई शबरी नदी और नालों के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर गीदम नाला के पास 48 घंटे से फंसी बस में सवार यात्रियों को जिला प्रशासन और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की

- राष्ट्रीय राजमार्ग पर 48 घंटे से फंसी बस के यात्रियों को बचाया गया। अब तक 2000 नागरिकों का पुनर्वास किया जा चुका है।

टीमों ने नाव की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके साथ ही यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था भी की गई।

जिला प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज़ कर दिए हैं। अब तक जिले के विभिन्न प्रभावित इलाकों में 22 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहाँ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

केवल आत्मज्ञान ही हृदयात्मा को सच्चा आनंद प्रदान करता है। –रामतीर्थ

चुनाव के हेतु मतदाता सूची चुनाव आयोग के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण में संविधान के अनुच्छेद 324, 325, 326, 327 व 328 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार बनाई जाती है

सटीक मतदाता सूची, लोकतंत्र का प्राण है। मतदाता सूचियों की शुचिता की पूर्ण जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। समय-2 पर मतदाता सूचियों का परीक्षण भी आवश्यक प्रतिक्रिया है। इस प्रक्रिया के द्वारा पिछली मतदाता सूची की तुलना में पाई जाने वाली विसंगतियों और बदलाव को चिन्हित किया जाकर, मतदाता सूचियों को शुद्ध किया जाता है। बिहार में इस समय वोटर लिस्ट की गहन समीक्षा का कार्य SIR (एसआईआर) चल रहा है। बिहार में 1.56 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेन्ट नियुक्त किये गये हैं। सभी दलों ने अपने अपने एजेन्ट नियुक्त किये हैं। वार्ड के निवासी वांछित जानकारी उपलबध कराते हैं। फार्मस् को अपलोड किया जाता है। आपत्तियां ली जाती हैं। सुनवाई की जाती है। विशेष गठित टीम सुपरवाईज करती है। प्राप्त डोकूमेन्ट्स का परीक्षण होता है। अपील का भी प्रावधान है।

संविधान में अनुच्छेद 324 के द्वारा निर्वाचन के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के पूर्ण अधिकार चुनाव आयोग को दिये हैं। यह एक संवैधानिक संस्था है यह देश की एक मात्र संवैधानिक संस्था है जिसे निर्वाचन के सम्बन्ध में कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा विधान निर्मात्री के अधिकार प्राप्त हैं। अनुच्छेद 325 में इस संस्था को मतदाता सूची बनाने का अधिकार है, पात्र व्यक्ति को सूची में शामिल करने का अधिकार है। अनुच्छेद 326 स्पष्ट निर्देश देता है कि प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है उसे वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव में मतदान का अधिकार होगा। अनुच्छेद 327 में यह निर्देश है कि इस संविधान के उपबन्धों के अधीन रहते हुये समय-2 पर विधि द्वारा संसद के प्रत्येक सदन, राज्य के विधान मंडल तथा विधान मंडल के सदस्यों के लिये निर्वाचन (मतदान) सूची तैयार कराना आदि सभी विषय हैं, उपबन्ध कर सकेगी। अनुच्छेद 329 में निर्वाचन सम्बन्धित मामलों में न्यायालयों का हस्तक्षेप वर्जित किया गया है। इस प्रकार यह स्पष्ट निर्देश है कि चुनाव आयोग की शक्तियों के अधीन संसद का कानून है।

संविधान की उपरोक्त समीक्षा के अनुसार यह स्पष्ट है कि संविधान का अनुच्छेद 324, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 कानूनी और संवैधानिक बाध्यतायें निश्चित करते हैं और मतदाता सूचियों के मामलों में चुनाव आयोग को पूर्ण अधिकार है, यहां तक संविधान को न्यायालय का कोई दखल भी स्वीकार नहीं है।

इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि परम शक्ति प्राप्त देश का चुनाव आयोग है और देश का नागरिक ही केवल मतदान करने का अधिकारी है।

बिहार में SIR (एसआईआर) को लेकर मतदाता सूचियों में कई विसंगतियों को चिन्हित करते हुये प्रश्न उठाये हैं और ड्राफ्ट मतदाता सूची को चुनौती है। सर्वोच्च न्यायालय की खण्डपीठ इस सम्बन्ध में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार 65 लाख मतदाताओं की लिस्ट जारी की गई है, उनके नाम प्रकाशित किये हैं जो अब पुनः फार्म भरकर देंगे और चुनाव आयोग के अधिकारी उन पर विचार कर अपना निर्णय देंगे कि कितने नाम मतदाता सूची में जोड़े जावेंगे और कितनों के नाम काटे जावेंगे। अभी तक 12 राजनीतिक पार्टियों में से एक ने 12 आपत्तियां पेश की हैं। दिनांक 8 सितम्बर को पुनः सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होगी।

विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में मतदाता सूचियों की विसंगतियों को लेकर चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग, केन्द्र सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है और वह गलत रूप से मतदाताओं के नामों को काट रहा है और उसका यह कार्य वोट चोरी कहा जा रहा है। वोट चोरी के आरोप संसद में, संसद के बाहर और सड़कों पर तथा अब तो यात्रा के आयोजनों में लगाये जा रहे हैं। विपक्ष के सभी नेता, जो राहुल गांधी के साथ में अपने को बता रहे हैं वे भी केन्द्र सरकार व चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने के गम्भीर आरोप लगा रहे हैं। देश का माहौल बिगड़ा हुआ है। नारों में शालीनता व सभ्यता कहीं खो गई है। चुनाव आयोग को कटघड़े में खड़ा किया गया है। विपक्ष संवैधानिक संस्था को सम्मान देना भूल गया है वह भूल गया है कि संविधान के अनुच्छेद 51क में जो देश के प्रत्येक नागरिक के कर्त्तव्य निर्धारित किये हैं उनमें एक कर्त्तव्य यह भी है कि प्रत्येक नागरिक संवैधानिक संस्थाओं का आदर करेगा।

वस्तुतः विपक्ष नेता राहुल गांधी का केस है कि केन्द्र सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में गडबडी की है, सही मतदाताओं के नाम काटे हैं जीवित व्यक्तियों को मृतक बना दिया है। दो-दो स्थानों पर नाम दर्ज किये हैं आदि। इस कार्यवाही को वे वोटों की चोरी की संज्ञा दे रहे हैं, जबकि यह केस चोरी का नहीं है। उन्होंने इस हेराफेरी का न तो कोई सबूत दिया और न कोई शहादत दी जिससे वे आरोपों को साबित कर सकें।

चुनाव आयोग ने कुछ दिन पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी, उसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश्वर कुमार ने राहुल गांधी से कहा है कि वे एक सप्ताह में शपथ पत्र देकर और प्रमाण देवें कि वोट चोरी के आरोपों का आधार क्या है, यानी वोटर लिस्ट की कौनसी विसंगति का वोट चोरी से सम्बन्ध है। चुनाव आयोग के मुख्य आयुक्त ने स्पष्ट उल्लेख किया है कि या तो वे शपथ पत्र प्रस्तुत करें अथवा वे अपने आरोप के लिये जनता से माफी मांगे। यहाँ यह उल्लेख करना उचित है कि राहुल गांधी के अरोप बिहार तक सीमित नहीं हैं अपितु वे महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि अन्य राज्यों में पहले हो चुके चुनावों के बाबत भी हैं। यह भी उल्लेखनीय है और प्रासांगिक भी राहुल गांधी इनमें से किसी राज्य के मतदाता नहीं हैं।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से जो शपथ पत्र सबूतों सहित पेश करने को कहा है उसका आधार मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 का नियम 20(3)(बी) है। जिसमें उल्लेख है कि जो व्यक्ति चुनाव राज्य की मतदाता सूची में मतदाता पंजीकृत नहीं है, यदि वह व्यक्ति चुनाव की मतदाता सूची की वैधता को विसंगतियों के आधार पार चुनौती देता है तो उसे शपथ पत्र सबूतों के साथ देना चाहिये। नोटिस की अवधि समाप्त हो चुकी है, किन्तु अभी तक राहुल गांधी ने कोई उत्तर नहीं दिया है, उनमें यह व्यवस्था है कि यदि कोई व्यक्ति (नोटिस देने वाला) उत्तर नहीं देता है तो यह माना जावेगा कि उसके आरोप गलत हैं।

पाठकों का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि उक्त नियमों के अनुसार कोई व्यक्ति यदि विसंगतियों पर झूठे आरोपों का प्रचार करता है और मतदाताओं की भावनाओं को भड़काता है तो उसे 3 वर्ष तक की सजा हो सकती है।

संविधान के अनुच्छेद 191 में विधानसभा की सदस्यता लिये निरर्हतायों (Disqualifications) का उल्लेख है, उसके उप प्रावधान (1)(ई) में उल्लेख है कि यदि वह संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा निरर्हित कर दिया गया हो। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान है कि मतदाता सूचियों के मामलों में जो व्यक्ति अपराध करता है और उसे 2 साल या अधिक की सजा होती है तो वह अयोग्य घोषित होगा, तथा यदि वह अयोग्य घोषित कर दिया जाता है तो स्वतः विधानसभा की सीट संविधान के अनुच्छेद 190 के अनुसार रिक्त घोषित मान ली जावेगी।

वस्तुतः विपक्ष नेता राहुल गांधी का केस है कि केन्द्र सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में गडबडी की है, सही मतदाताओं के नाम काटे हैं जीवित व्यक्तियों को मृतक बना दिया है। दो-दो स्थानों पर नाम दर्ज किये हैं आदि। इस कार्यवाही को वे वोटों की चोरी की संज्ञा दे रहे हैं, जबकि यह केस चोरी का नहीं है। उन्होंने इस हेराफेरी का न तो कोई सबूत दिया और न कोई शहादत दी जिससे वे आरोपों को साबित कर सकें। इस कारण से राहुल जी से चुनाव आयोग ने रूल 20(3)(बी) के अनुसार शपथ-पत्र देने को कहा था और उन्होंने न तो शपथ-पत्र दिया और न सबूत और मिथ्या प्रचार कर रहे हैं। अतः चुनाव आयोग ने कहा कि उनके आरोप आधार रहित हैं। प्रश्न है चुनाव आयोग अब क्या कदम उठाता है, यह हमें देखना है। हमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

लेखक का अपना विचार है, कि चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव कमीशनर को कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं है। जनता को स्वंय सोचना है कि क्या वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं का अपमान राजनैतिक कारणों से इसी प्रकार होते देखती रहेगी? क्या देश की चुनी हुई सरकार के प्रधानमंत्री को चौकीदार चोर है, वोटों की चोरी कर जीतने वाला व्यक्ति कहेंगे, या चुनाव आयोग केन्द्र से मिलकर चोरी कर रहा है ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग करेंगे तो प्रत्यक्षतः अपमान जनक है।

लेखक का अपना विचार है कि संसद को एक कानून बनाना चाहिए, जिसमें प्रावधान हो कि यदि कोई देश का नागरिक संवैधानिक कर्त्तव्यों की पालना नहीं कर रहा है तो उसे चुनाव में खड़े होने के हेतु क्पुनंसपलि (अयोग्य) करार दिया जावे। अनुच्छेद 51क स्पष्ट करता है भारत के नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह संविधान की पालना करे उसकी संस्थाओं, राष्ट्रध्वज़ और राष्ट्रगान का आदर करे। प्राणी मात्र के प्रति दया (करूणा भाव) रखे और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे। हिंसा से दूर रहे। क्या चुने हुये सांसदों का यह कर्त्तव्य नहीं है कि वे संसद को अपना कर्त्तव्य निभाने दें। गत दिनों संसद में जो हुआ है, क्या ऐसा करने के हेतु हमने अपने सांसद चुनकर भेजे हैं। देश हम सबका है, केवल विपक्ष का नहीं है। देश कभी भी बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिक को जो देश में घुस आये हैं, अवैध प्रवासी हैं, उन्हें एक व्यक्ति एक चुनाव के नारे से मतदान में भाग नहीं लेने दे सकता है। मतदाता तो वही होगा जो अनुच्छेद 326 के अनुसार देश का नागरिक है। उसे ही वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव में मतदान करने का अधिकार है।

सबको सन्मति दे भगवान्!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

“एक पेड़ माँ के नाम-2.0 अभियान” शिक्षा विभाग ने 4.15 करोड़ पौधे लगाये

विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का हो रहा विकास

डॉ. अमृता कटारा

जयपुर, 27 अगस्त। राजस्थान की रेतीली धरती को हरी चादर ओढ़ाने का संकल्प लिए हरियालो राजस्थान अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। यह सिर्फ पौधारोपण तक सीमित नहीं, बल्कि हरियाली के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी निरंतर प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल करने के बाद अब अब लक्ष्य रखा है कि आने वाले वर्षों में पौधारोपण को और अधिक संगठित और वैज्ञानिक ढंग से किया जाए। इसके तहत पौधों की जियो-टैगिंग, नमी संरक्षण के लिए गड्ढों में जल संरचना और ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक अपनाई जा रही है । स्कूल, कॉलेज और पंचायत स्तर तक पौधारोपण को उत्सव की तरह मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हरियालो राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य में शिक्षा विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा पौधारोपण लक्ष्यों की प्राप्ति में 4.15 करोड़ पौधों का पौधारोपण कर प्रथम स्थान हासिल किया गया है। राज्य में शिक्षा विभाग विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों से जोड़ने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान शिक्षा विभाग के मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में पूरे राज्य में सफलतापूर्वक संचालित किया गया। यह पहल शिक्षा और पर्यावरण को साथ लाकर भविष्य की पीढ़ी को संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई।

राज्य सरकार के प्रयासों के साथ-साथ आमजन की भागीदारी को अभियान का सबसे बड़ा आधार बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने अब अगले पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसके लिए पौधारोपण को संगठित, तकनीकी और दीर्घकालिक स्वरूप देने पर जोर है। विद्यालयों के साथ महिलाओं के स्वयं सहायता समूह, युवा संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएँ और उद्योग जगत भी इस पहल से जुड़ रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि राजस्थान जैसे मरुस्थलीय प्रदेश में वृक्ष ही जीवनरेखा हैं। इनसे न सिर्फ मिट्टी का कटाव रुकेगा बल्कि भूमिगत जलस्तर भी सुधरेगा। साथ ही यह जैव-विविधता और वन्यजीव संरक्षण में भी अहम योगदान देंगे। हरियालो राजस्थान अभियान से प्रदेश को आर्थिक मजबूती भी मिलेगी। पौधों से होने वाले औषधीय, औद्योगिक और फल-फूल उत्पादन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इससे रोजगार सृजन भी होगा और ग्रामीण क्षेत्र आत्मनिर्भर बनेंगे।

हरियालो राजस्थान अभियान के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य हुआ पार- मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत कि इस साल हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है और अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। श्री शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का हो रहा विकास- स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने इस अवसर पर सभी अध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ''हरियालो राजस्थान'' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और भविष्य से किया गया वादा है। जिस प्रकार 4.15 करोड़ पौधारोपण का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल हुआ है, उसी तरह यदि हर नागरिक एक पौधे को जीवनभर संजोने का संकल्प ले, तो राजस्थान निश्चित ही हरियाली की नई मिसाल बनेगा। उन्होंने अपील कर कहा कि हम सब मिलकर यह प्रण लें - एक पेड़ मां के नाम, एक पेड़ आने वाली पीढ़ी के नाम लगाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत न केवल विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना का विकास होगा बल्कि शिक्षा विभाग और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से राजस्थान में हरित आवरण में भी वृद्धि होगी, वहीं तकनीक आधारित पारदर्शी रिपोर्टिंग और सामुदायिक भागीदारी भी सुनिश्चित होगी।

गौरतलब है कि इस अभियान के तहत सभी पौधों को जिओ टैगिंग के माध्यम से हरियालो राजस्थान ऐप पर दर्ज किया जा रहा है ताकि पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में भी सतत प्रयास किये जा सकें, साथ ही ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आंकड़ों की पारदर्शिता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। प्रत्येक स्कूल की अभियान से जुड़ी गतिविधियों की रिपोर्टिंग शाला दर्पण एप के माध्यम से की जा रही है। वहीं विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय स्तर की भागीदारी को सुनिश्चित कर विद्यालय-वार पौधारोपण प्रगति की डिजिटल ट्रैकिंग भी निरंतर की जा रही है। ''एक पेड़ माँ के नाम 2.0'' के तहत शिक्षा विभाग द्वारा पौधारोपण ऐसी पहल है, जो शिक्षा को केवल कक्षा तक सीमित नहीं रखती बल्कि प्रकृति और समाज से भी जोड़ती है। अभियान के तहत विद्यालयों, विद्यार्थियों और अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और राजस्थान को हरित राजस्थान बनाने में योगदान दें।

–डॉ. अमृता कटारा,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
डीआईपीआर, जयपुर

आत्मा के स्वाभाविक धर्म : दशलक्षण धर्म विश्वशांति का उद्घोषक

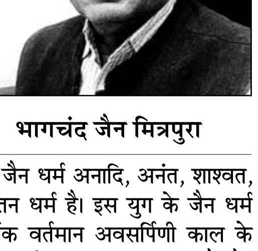

भागचंद जैन मित्रपुरा

जैन धर्म अनादि, अनंत, शाश्वत, सनातन धर्म है। इस युग के जैन धर्म प्रवर्तक वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान है। जैन धर्म के तीन प्रमुख पर्व वर्ष में तीन बार मनाए जाते है। 1) षोढश कारण भावना पर्व का पालन करने से तीर्थंकर प्रकृति का आश्रव (बंधन) होता है। 2) अष्टान्हिका पर्व सिद्धों की भक्ति का पर्व मनाने से आत्म शुद्धि होती है एवं 3) - दशलक्षण पर्व- इस पर्व को बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है। भाद्रपद में आने वाले इस पर्व के दौरान आत्मा के दस धर्मों की विशेष आराधना करते है। दस धर्मों का पालन करना साधकों, तपस्वियों के मूल गुण है। श्रावकगण भी आत्म कल्याण के दस धर्मो का पालन करने की चेष्टा करते है। दशलक्षण पर्व आत्मानुभूति का मार्ग प्रशस्त करता है, इसको पर्वराज भी कहा जाता है। जैन धर्म में इस पर्व का महत्वपूर्ण स्थान है।

दशलक्षण धर्म पर्व, जैसा कि नाम से ही ज्ञात होता है, में दस धर्मो की पूजा, आराधना एवं पालना की जाती है, वे दस धर्म इस प्रकार है:

1) उत्तम क्षमा: दूसरों को क्षमा करना और स्वयं की गलती के लिए दूसरों से क्षमा मांगना।

2) उत्तम मार्दव : विनयशील, विनम्र, कोमल भाव रखना।

3) उत्तम आर्जव: मन की शुद्धता, सरलता बनाए रखना एवं छल-कपट से दूर रहना।

4) उत्तम शौच : पवित्र भावना एवं मन, वचन और शरीर की शुद्धि रखना।

5) उत्तम सत्य : सच बोलना और सच का पालन करना ही सत्य धर्म नहीं है। आत्मा से जो शांति स्वरुप वीतरागता उत्पन्न होती है, वहीं सत्य धर्म है।

6) उत्तम संयम : अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण अर्थात आत्म नियंत्रण प्राप्त करना।

7) उत्तम तप: आंतरिक एवं बाह्य 12 प्रकार के तप धारण कर कर्मों का नाश करना।

8) उत्तम त्याग : वास्तविकता में त्याग से प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है, देने के सुख का अनुभव होता है।

9) उत्तम अकिंचन: वस्तुओं और व्यक्तियों से आसक्ति न रखना।

10) उत्तम ब्रह्मचर्य: अपने आत्म स्वरूप में रमण करना।

इन दस धर्म में से प्रथम तीन लक्षण भाव धर्म, आगे के पांच लक्षण मोक्ष मार्ग प्राप्ति के उपाय एवं अंतिम दो लक्षण धर्म का सार है।

इनकी पालना कर आत्म शुद्धि की जाती है एवं आत्मानुशासन की ओर अठासर होते है। इन सभी धर्मों के अंतर्गुण नाम से ही स्वतः स्पष्ट है। ये सभी धर्म एक दूसरे के पूरक है। किसी भी एक धर्म की पालना, साधना करने से शेष सभी धर्म आत्मसात हो जाते है एवं साधक के जीवन का अंग बन जाते है। उत्तम शब्द सम्यक दर्शन के साथ इन गुणों को प्राप्त करने के अर्थ में लिया गया है। आत्मा के शुद्ध स्वरूप को प्रकट करने के कारण उत्तम धर्म कहा जाता है एवं उत्तम धर्म ही मोक्ष प्राप्ति में सहायक होता है। यह पर्व जिन मंदिरों में विशेष पूजा के साथ बड़े ही भक्तिभाव से मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान जैन धर्मावलंबी सामान्यतः व्यापार एवं नौकरी से अवकाश पर रहते है। इन दस दिनों में जिन अभिषेक, शांतिधारा, पूजा, पाठ, स्वाध्याय यथावत करते है। प्रतिदिन नित्य नियम पूजा के साथ सभी दस धर्मो की पूजा विधान है, किंतु महत्ता की दृष्टि से प्रत्येक दिन क्रमशः अलग अलग धर्म के गुणों का विशेष वर्णन सूक्ष्मतम रूप में पूजा करने के साथ आत्मसात् किया जाता है।

इस पर्व में जैन धर्मावलंबी साधना के मार्ग को अपनाते हुए व्रत, उपवास रखते है एवं कई भक्त दस दिनों तक अन्न जल ग्रहण ही नहीं करते है एवं इस पर्व में भोजन करने वाले सात्विक भोजन ही सीमित मात्रा एवं आवृति में ग्रहण करते है।

श्रावकगण इस समय का सदुपयोग त्याग, तपस्या, आराधना, साधना का मार्ग अपना कर करते है। यह पर्व अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण, आत्मशुद्धि एवं कर्मों का क्षय कर मोक्ष मार्ग प्रशस्त करने के लिए मनाया जाता है। यह पर्व यथाशक्ति दान देने की प्रेरणा भी देता है। इस पर्व के अंत में जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है।

जीवन को सर्वोत्तम तरीके से जीने की कला सिखाने वाले दस धर्मो को व्यवहार में उतारने का पर्व दशलक्षण महा पर्व है। उल्लेखनीय है कि इन दस धर्मों पर जैन धर्मावलंबियों का एकाधिकार नहीं है, कोई भी इन्हें अपनाकर मोक्षमार्ग प्रशस्त कर सकता है। दस धर्मो में आत्मिक शांति के साथ वैश्विक शांति निहित है। अपनाकर तो देखिए। श्वेतांबर संप्रदाय में यह पर्युषण पर्व के नाम से आठ दिन के लिए मनाया जाता है, जो इस वर्ष 20/08/25 से 27/08/25 तक मनाया गया है।

दस धर्म की पालना क्यों ? : भारतीय संस्कृति विश्व में निराली है। यहां हर धर्म समाज में सद्भावना बनी रहती है। यहां के त्यौहार तार्किक आधार पर मनाए जाते है। उनको अपनाने में प्राणी मात्र के साथ समाज एवं राष्ट्र कल्याण निहित होता है। जीवन किसी भी प्रकार से जिया जा सकता है, लड़ाई झगड़ा करके, सामंजस्य के साथ या सद्भावना यानी एक दूसरे का मंतव्य समझते हुए। भाद्रपद मास में आने वाला दशलक्षण पर्व में भी बहुत सारे संदेश छिपे हुए है। दस दिन तक लगातार जब व्यक्ति भक्ति, पूजा पाठ, स्वाध्याय एवं नियमित रूप से आत्म चिंतन, ध्यान करता है, शुद्ध एवं सात्विक भोजन वह भी सीमित मात्रा में ग्रहण करता है तो इसका दीर्घकालीन प्रभाव पड़ता है। आध्यात्मिकता जीने की एक कला है। इस दौरान मुनिसंघों के सानिध्य में विभिन्न स्थानों पर आध्यात्मिक, ध्यान शिविर लगाए जाते है। शिविरार्थी इस दौरान उसी स्थान पर रहते है। इन शिविरों में सात्विक नियमों का पालन करने वाला कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। इस पर्व में सभी दश धर्म की विवेचना एवं पालना की जाती है। कोई भी नास्तिक या किसी भी धर्म का मानने वाला आस्तिक भी इन धर्मों से विमुख नहीं हो सकता है। तात्पर्य यह है कि ये धर्म शाश्वत है, सर्व कालीन है।

किसी भी राष्ट्र की उन्नित, शांतिपूर्ण वातावरण से ही संभव है, जो दस धर्म में निहित है। इसे वैश्विक स्तर पर अपनाने से विश्व शांति संभव है। सद्भाव और सामंजस्य, अहिंसा और दया का प्रसार, नैतिक मूल्यों का विकास, माया - कपट और ढोंग का त्याग करने और निष्कपट आचरण करने की शिक्षा, आत्म-चिंतन और आत्म-निरीक्षण का अवसर, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए प्रेरित आदि इन सद्गुणों का जब समाज में लोग पालन करते हैं, तो विवाद और संघर्ष कम होते हैं, जिससे सामाजिक शांति और स्थिरता बढ़ती है।

व्याप्त समस्याएं : एक दूसरे से अवांछित होड़ में परिवार में कई समस्याएं जन्म लेने लगती है। बोल चाल बंद होना, सामंजस्य का आभाव, आर्थिक तंगी, नशा करना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ, हिंसा, विवाह विच्छेद, बच्चों के पालन-पोषण से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह समाज को भी निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, जनसंख्या वृद्धि असमानता, आतंकवाद, मादक पदार्थों का सेवन, पर्यावरण प्रदूषण बाल विवाह व दहेज प्रथा आदि समस्याएँ समाज के एक बड़े वर्ग को प्रभावित करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त प्रमुख समस्याओं में सीमा विवाद, आतंकवाद, टैरिफ वार, वर्चस्व स्थापित - महाशक्ति बनने का जुनून, जलवायु परिवर्तन, महामारी, आर्थिक असमानता, ऋण संकट आदि से जूझ रहा है।

कल्याणकारी राज्य की स्थापना

दस धर्म प्रत्येक व्यक्ति को अपने आत्मिक विकास का अवसर प्रदान करता है। प्रत्यके व्यक्ति द्वारा इन धर्मों की पालना करना कठिन नहीं है। धर्म का अर्थ है धारण करने योग्य, जिनसे हमारे कर्मों की निर्जरा होती है एवं हमारी आत्मा परम पवित्र बनती है। इन्हें अपनाने से हमारा आत्म विश्वास जागृत होता है क्यों हम किसी के भी प्रति बदले की भावना नहीं रखते है, ज्यादा पाने की इच्छा नहीं रहती है, करुणा के भाव के कारण हम एक दूसरे का सहयोग करते है। ऐसे विचारों से मानसिक स्थिति सुदृढ़ बनती है एवं काया भी निरोगी बनी रहती है, जो हमे सुख की अनुभूति देता है। इस पर्व के दौरान विभिन्न संस्थाओं द्वारा आध्यात्मिक शिविर लगाया जाता है, जिनमें लाखों व्यक्ति सम्मिलित होकर सुख की अनुभूति करते है।

दस दिन तक एक व्यक्ति स्वयं में व्याप्त सद्गुणों को अपना लेता है तो ये गुण परिवार से समाज में एवं समाज से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक इनका फैलाव हो जाता है। परिवर्तन एवं सुधार के लिए मात्र एक व्यक्ति की आवश्यकता होती है। एक परिवार में, समाज में एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त विरोधाभास मात्र एक व्यक्ति द्वारा दूर हो सकता है। अपने समय में एक तीर्थंकर द्वारा ही सबका उद्धार हो जाता है। अहिंसक एवं क्षमा की प्रवृति दो देशों के बीच हजारों वर्षों से चली आ रही दुश्मनी दूर कर देती है। यूक्रेन - रूस, इजराइल -लेबनान, गाजापट्टी के बीच शांति का वातावरण तैयार हो रहा है। संवेदन शीलता पनप रही है। करुणा का भाव रखकर एक दूसरे के दुख दर्द को समझने लगे है।प्रकृति के अनुसार जीवन जीने की ओर बढ़ने लगे है। अध्यात्म ही हमे जीवन मरण से छुटकारा दिलाकर मोक्ष मार्ग की ओर ले जाता है। इन सबसे अपराधों का ग्राफ नीचे की ओर जाना शुरू हो जाएगा। सबमें भाईचारे की भावना विकसित होगी। आपस में सामंजस्य का अवसर मिलेगा। एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना होगी।

संकलन--भागचंद जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर

राशिफल शुक्रवार 29 अगस्त, 2025

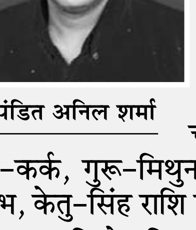

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र दिन 11:39 तक, ब्रह्म योग दिन 2:13 तक, कौलव करण प्रातः 7:09 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 11:39 तक है। कुमार योग दिन 11:39 से रात्रि 8:22 तक रहेगा। आज सूर्य षष्ठि व्रत, कार्तिक स्वामी दर्शन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:43 तक, लाभ-अमृत 7:43 से 10:53 तक, शुभ 12:28 से 2:03 तक, चर 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:47

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

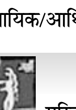

वृष

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

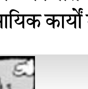

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

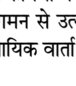

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रगति होगी।

तुला

व्यावसायिक व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

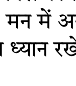

वृश्चिक

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

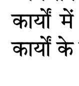

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन ठीक नहीं है।

राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश, निवेशक राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें : मुख्यमंत्री

बिजली-पानी-रोजगार क्षेत्र में हमने लिए हैं अभूतपूर्व निर्णय : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि समृद्ध, सशक्त और सर्वापरि राज्य बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने उद्यमियों से आव्हान किया कि उद्यमी अधिक से अधिक निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें। शर्मा गुरूवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित किया।

> ■ "राइजिंग राजस्थान समिट में राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है।"

उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई। शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देशभर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

देश के कुल खनिज ब्लॉक आवंटन का 20 प्रतिशत अकेले राजस्थान से हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने विजन डॉक्यूमेंट-2047 को मंजूरी दी है। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुनहरे भविष्य का खाका है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक राजस्थान 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 सौर परियोजनाओं को मंजूरी, नई भूमि आवंटन नीति, पंच गौरव जैसे नवाचारों एवं निर्णयों से ऊर्जा एवं उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर-पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है।

राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। अक्षय ऊर्जा तथा ट्रांसमिशन तंत्र को विकसित करने से इस क्षेत्र में बहुत तेजी से कार्य हो रहा है। हमारा संकल्प है कि हम किसान को 2027 तक दिन में बिजली देंगे।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के सदस्य प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कहा कि राजस्थान सरकार सुशासन का पर्याय बन चुकी है। वर्तमान सरकार जिम्मेदारी, जवाबदेही और उत्तरदायित्व के साथ कार्य कर रही है। यह पहला ऐसा राज्य है, जिसने अपने कार्यकाल के शुरूआत में ही निवेश समिट का आयोजन किया, साथ ही राजस्थान सरकार द्वारा सतत् विकास को बढ़ावा देते हुए हरियालो राजस्थान, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे नवाचार भी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार चार गुना शक्ति के साथ राजस्थान को आगे ले जा रही है। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी अडानी गैस सुरेश पी. मंगलानी, निदेशक एवं सहसंस्थापक एस.ए.ई.एल. इंडस्ट्रीज लि. सुखबीर आवला सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने समिट में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग अजिताभ शर्मा सहित बड़ी संख्या में उद्यमी और गणमान्य मौजूद रहे।

'नेता प्रतिपक्ष जूली की सहमति से 29 के बजाय 28 को रखी सर्वदलीय बैठक, फिर भी कांग्रेस ने किया बहिष्कार'

विधानसभा के मानसून सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को बुलाई थी यह सर्वदलीय बैठक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा का मानसून सत्र सुचारू रूप से चलने के लिए गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सर्दलीय बैठक बुलाई थी। कांग्रेस ने यह कहते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया कि यहां एक तरफा फैसला लिए जाते हैं।

> ■ सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि, "नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अचानक सूचना दी कि वे और उनके सचेतक बैठक में नहीं आएंगे। ऐसा करना मैदान छोड़ने वाली बात हुई। मुझे लगता है कि कांग्रेस की आपस की लडाई, "डोटासरा वर्सेस जूली" की वजह से ये सब कुछ हो रहा है।"

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक 2 सितंबर को होगी, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल होंगे।

वहीं दूसरी ओर बैठक के बहिष्कार पर सत्ता पक्ष ने कहा कि, विपक्षी मैदान छोड़कर भाग रहे हैं। बहिष्कार करना दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सर्वदलीय बैठक से पहले सभी पक्षों से सहमती ली जाती है। आज की डेट टीकाराम जूली से पूछकर ही तय की गई थी। वे 29 अगस्त को आने में असमर्थ थे, इसलिए जूली के कहने पर 28 अगस्त डेट तय की गई। अचानक उन्होंने सूचना दी कि वे और उनके सचेतक भी नहीं आएंगे। ऐसा करना मैदान छोड़ने वाली बात हुई। गर्ग ने कहा कि जानबूझकर बहिष्कार किया है। इसके कारण अभी तक हमको समझ में नहीं आया, लेकिन मुझे लगता है कि कांग्रेस की आपस की लडाई, डोटासरा वर्सेस जूली की वजह से ये सब कुछ हो रहा है।

गर्ग ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, इसकी निंदा करते है। जूली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि विधानसभा को लेकर शुरुआत से ही भाजपा सरकार की मंशा अच्छी नहीं रही है। विधानसभा अध्यक्ष चाह रहे हैं कि सत्र लम्बा चले, लेकिन सरकार चाह रही है कि कुछ दिन में ही विधानसभा सत्र खत्म हो जाए, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित न हो सके। विधानसभा में भी कई वाकये ऐसे हुए हैं जो एक पक्षीय रहे। हमारे विधायक नरेन्द्र बुढ़ानिया को विशेषाधिकार समिति का अध्यक्ष बनाया, लेकिन अचानक से उन्हें कुछ दिन में ही हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ सदस्य के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। जूली ने कहा कि

विधानसभा में सवालों के जवाब पहले जनता के लिए पोर्टल पर अपलोड होते थे, वो इस बार अपलोड नहीं किए गए। क्या सरकार को कोई डर है? जूली ने कहा कि इसी प्रकार जिलों में हमारे प्रधानों, प्रमुखों, चेरयमैनों को चुन-चुनकर हटाया जा रहा है। सरकार के एक विधायक ने जनता के बीच कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में सभी प्रधानों को हटाकर भाजपा के प्रधान बनाए हैं। यानी इनका लोकतंत्र में कोई भरोसा नहीं है। यही कारण है कि संवैधानिक बाध्यताओं के बावजूद राज्य में पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय के चुनाव भी सरकार नहीं करवा रही और हाईकोर्ट से स्टे लेकर आ रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारी सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मई 2020 में सभी 200 विधायकों और 25 सांसदों की बैठक लेकर उनकी बात सुनी थी। यहां केवल भाजपा विधायकों, सांसदों और जिनको जनता ने नकार दिया उन हारे हुए प्रत्याशियों से बात की जा रही है, लेकिन विपक्ष की आवाज को नहीं सुना जा रहा है। ऐसी एकतरफा अप्रोच के कारण आज कांग्रेस पार्टी ने इस बैठक का बहिष्कार किया है। हम सदन की पहले दिन की बैठक में भाग लेंगे। 2 सितंबर को हमारे विधायक दल की बैठक है जिसमें हमारे प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री समेत सभी वरिष्ठ नेता होंगे और वहां आगे का निर्णय लिया जाएगा।

बीकानेर के नाथूसरबास निवासी 3 वर्षीया निधि नागल पुत्री मधुसूदन नागल ने अपनी मां के साथ इको-फ्रेंडली मिट्टी का गणपति बनाया है। अपने गणपति के साथ निधि।

उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने एसआई भर्ती परीक्षा - 2021 को रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। क्योंकि करीब 500 लोग नकल माफिया के साथ सौदा कर परीक्षा में पास हुए। ये लोग पुलिस जैसे संवेदनशील विभाग में एसआई बनकर जनता के साथ क्या न्याय करते एवं कैसे कानून व्यवस्था बनाने में सहयोग देते। मैंने पहले दिन से ही एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग की थी, क्योंकि मेरे पास एसआई पेपर लीक होने के पक्के सबूत थे। मैंने पूर्ववर्ती सरकार के समय एसओजी को ये सभी सबूत दिए। मैंने जैसे ही सबूत दिए वे सही निकलते गये, जिसके लिए आंदोलन किए, लेकिन पूर्व सरकार की नकल माफिया से सांठगांठ थी।

'आर.जी.एच.एस. में 350 अस्पतालों ने जारी रखीं सेवाएं, 38 हजार रोगियों को मिला उपचार'

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि राज्य सरकार राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम के सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। रोगियों को योजना का लाभ लेने में किसी तरह की बाधा नहीं आए, इस दिशा में हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना में जरूरी बदलाव कर इसे बेहतर बनाया जाए, ताकि लाभार्थियों को सुगमता से उपचार मिले। इसके लिए फुल प्रूफ सिस्टम विकसित किया जा रहा है।

> ■ राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल का कहना है कि, "जिन अस्पतालों ने आर.जी.एच.एस. में उपचार बंद कर रखा है, उनके प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद जारी है। हमारा प्रयास है कि सभी अस्पताल योजना के तहत सेवाएं उपलब्ध करवाएं।"

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि गुरूवार को भी प्रदेश के ज्यादातर निजी अस्पतालों में आरजीएचएस योजना के तहत सुचारू रूप से उपचार मिला। उन्होंने बताया कि करीब 350 अस्पतालों में ओपीडी, डे केयर एवं आईपीडी में रोगियों ने उपचार प्राप्त किया। प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों में आरजीएचएस योजना के तहत उपचार मिल रहा है।

राठौड़ ने कहा कि निजी अस्पतालों के साथ-साथ राजकीय चिकित्सा संस्थानों में भी योजना के तहत उपचार के लिए सभी माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि जहां भी निजी अस्पतालों में उपचार बंद हों, वहां राजकीय चिकित्सा संस्थानों में रोगी सुगमता से उपचार प्राप्त कर सकें। विगत 4 दिवस में करीब 38 हजार रोगियों ने आरजीएचएस योजना के तहत उपचार प्राप्त किया है।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि जिन अस्पतालों ने उपचार बंद कर रखा है, उनके प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद जारी है।

हमारा प्रयास है कि सभी अस्पताल योजना के तहत सेवाएं उपलब्ध करवाएं। निजी अस्पतालों व सभी हितधारकों से चर्चा कर योजना में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं। गड़बड़ी पर अंकुश लगाकर योजना का निर्बाध संचालन विभाग की प्राथमिकता है।

जेल में फिर मिला मोबाइल और सिम

जयपुर। राजधानी जयपुर की सेंट्रल जेल में मोबाइल और सिम मिलने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। अब एक बार फिर जेल में मोबाइल और सिम मिलने से हड़कंप मच गया। जेल में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान मोबाइल और सिम लावारिस हालत में मिले हैं। इस संबंध में जेल प्रशासन की ओर से लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया हैं। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। थानाधिकारी बन्नालाल ने जेल अधीक्षक की ओर से मामला दर्ज करवाया है कि 27 अगस्त को जेल प्रशासन की ओर से सघन तलाशी अभियान चलाया गया था। इस दौरान दो नंबर वार्ड के बैरक नंबर 2 में टॉयलेट के पास एक सिल्वर कलर का छोटा कीपैड मोबाइल और सिम मिली है। इस पर जेल कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दीं।

जवाहर कला केन्द्र में "चित्रायण: जर्नी थ्रू आर्ट" का शुभारंभ

जयपुर। जयपुर के जवाहर कला केन्द्र स्थित अलंकार आर्ट गैलरी में संयुक्त कला प्रदर्शनी "चित्रायण: जर्नी थ्रू आर्ट" का भव्य शुभारंभ हुआ। यह प्रदर्शनी चार प्रतिभाशाली महिला कलाकारों - निधि चौधरी, निकिता टाटेर, पारिधि जैन और शगुन अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी का उद्घाटन वन मंत्री संजय शर्मा द्वारा किया गया।

> ■ चार प्रतिभाशाली महिला कलाकारों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन

चार प्रतिभाशाली महिला कलाकारों निधि चौधरी, निकिता टाटेर, पारिधि जैन और शगुन अग्रवाल की ओर से जवाहर कला केन्द्र में संयुक्त कला प्रदर्शनी "चित्रायण: जर्नी थ्रू आर्ट" प्रदर्शित की गई है।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों और कला प्रेमियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी राजस्थान की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हुई है, साथ ही विश्वभर की यात्राओं से मिली प्रेरणाओं को भी दर्शाती है।

शगुन अग्रवाल, जो मनोविज्ञान में प्रशिक्षित हैं और बचपन से कला से जुड़ी रही हैं, अपनी पेंटिंग्स के माध्यम से बदलते मानसिक परिदृश्यों को अभिव्यक्त करती हैं। उनकी कला श्रृंखला ए जर्नी इन्वॉर्ड आत्मान्वेषण और आत्मसंवाद की गहरी झलक देती है। शगुन अपने पॉडकास्ट 'शेरदिल्ली' के जरिये भी व्यक्तिगत और सामाजिक अनुभवों को जोड़ने का कार्य करती हैं। यह प्रदर्शनी 31 अगस्त 2025 तक प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक कला प्रेमियों के लिए खुली रहेगी।

शाही ठाठ-बाट के साथ जयपुर भ्रमण पर निकले गणेशजी महाराज

मोतीडूंगरी मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा में 50 से अधिक झांकियां शामिल हुईं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मोती डूंगरी गणेश जी मंदिर से श्री गणेश जन्मोत्सव के अंतर्गत गज पूजन के साथ 38वीं शोभायात्रा की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आरती कर शोभायात्रा को रवाना किया। यह पारंपरिक शोभायात्रा गढ़ गणेशजी मंदिर तक निकाली जाती है।

> ■ ऑपरेशन सिंदूर एस 400 मिसाइल की तर्ज पर निकाली गई शोभायात्रा रही आकर्षण का केन्द्र

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा को रवाना किया। इस दौरान "ऑपरेशन सिंदूर" थीम पर सजाई गई झांकी आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

शोभायात्रा में चित्रस्वरूप भगवान श्री गणेश की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी श्री गणेश मंदिर में दर्शन भी किए। जहां महंत कैलाश शर्मा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शोभायात्रा में आगे ध्वज लिए हाथी को रवाना किया गया। इसके साथ ही शोभायात्रा में 4 हाथी, 11 ऊंट और 21 घोड़े लवाजमे में शामिल हुए। शोभायात्रा की थीम ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित थी। इसी के साथ शोभायात्रा में 50 से अधिक झांकियों का संचालन किया गया। भव्य शोभायात्रा में राम मंदिर में गणेशजी का तांडव नृत्य, रामलला के दर्शन, राम-रावण युद्ध, महाभारत का लेखन, शिव-पार्वती के प्रसंग, माता वैष्णो देवी दरबार की झांकी बनाई गई। यह शोभायात्रा गुरुवार शाम चार बजे मोती डूंगरी से रवाना हुई जो मोती डूंगरी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार से गणगौरी बाजार होते हुए ब्रह्मपुरी से नाहरगढ़ की पहाड़ी पर विराजमान गढ़ गणेश मंदिर पर समाप्त हुई। इस शोभायात्रा के साथ मोती डूंगरी मंदिर के नौ दिन के गणेश जन्मोत्सव का समापन हुआ।

शोभायात्रा के संयोजक भानु प्रताप ने बताया कि गुलाबी नगरी की यह परंपरा हर साल भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है। इस बार शोभायात्रा में भक्तों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दोनों अनुभव मिलता है। शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी पर गामा पहलवान निशान ध्वज लेकर मौजूद रहे। इसके पीछे ऊंट-घोड़े और बैंड बाजे के साथ चलते रहे।

इस बार शोभायात्रा में 50 से अधिक झांकियां शामिल हुईं। पारंपरिक हाथी-घोड़े-ऊंट के लवाजमे से लेकर धार्मिक, ऐतिहासिक और समकालीन प्रसंगों को दर्शाती झांकियां सजाई गईं। इसमें ऑपरेशन सिंदूर और एस-400 मिसाइल की झांकी भी शामिल हुई। झांकियों में भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों के साथ-साथ अयोध्या राम मंदिर में रामलला के दर्शन, राम-रावण युद्ध, महाभारत का लेखन, शिव-पार्वती के प्रसंग, माता वैष्णो देवी दरबार, महाकाल, छत्रपति शंभाजी महाराज, केदारनाथ धाम, शेखावाटी की सांस्कृतिक झलक और संत परंपराओं को भी प्रदर्शित किया गया। मंदिर समिति के अनुसार, भगवान गणेश की झांकियां स्वचालित तकनीक से भी सजाई गईं।

इनमें गणेशजी का तांडव नृत्य, रिद्धि-सिद्धि संग नृत्य, मूषक पर सवारी, महाकाल रूप, और मोबाइल की लत से दूर रहने का संदेश जैसी झलकियां प्रमुख रहीं। एक झांकी में भगवान शंकर की पीठ पर गणेश जी सवारी करते हुए दिखाए गए। काशी की प्रसिद्ध मसाने की होली की झांकी भी सजाई गई। गणेश जी के महाभारत लिखने की झांकी सजाई गई। इस झांकी में आदि शिव को भी दिखाया गया है। शोभायात्रा समिति के संयोजक भानु प्रताप ने बताया- इस बार बहुत विशेष झांकियों का आयोजन किया गया है। इसमें ऑपरेशन सिंदूर की झांकी और मिसाइल एस 400 भी शामिल है।

यह वही मिसाइल है, जिसने पाकिस्तान में जाकर तबाही मचाई। इसके अलावा राजस्थान की संस्कृति को दिखाती हुई झांकी भी शामिल की गई है। इसमें त्रिपोलिया गेट से निकलने वाली तीज माता की सवारी की झांकी भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने किसान हित में लिया निर्णय

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय किया है। अब पीएम कुसुम योजना के तहत स्थापित विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्रों से जुड़े 33/11 केवी सब स्टेशन क्षेत्रों में अलग से प्राथमिकता के आधार पर तत्काल कृषि कनेक्शन जारी किए जा सकेंगे। इसके लिए कृषि कनेक्शन नीति-2017 में संशोधन को भी मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी है। प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

> ■ विकेन्द्रित सौर संयंत्रों से संबद्ध फीडरों में तुरन्त जारी होंगे कृषि कनेक्शन

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के पश्चात अब ऐसे सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता के अनुसार 33/11 केवी से निकलने वाले फीडरों पर कृषि कनेक्शन के लिए आवेदकों को पृथक से प्राथमिकता से मांग पत्र जारी किए जा सकेंगे। मांग पत्र जमा होने के बाद आवेदकों को तुरंत प्राथमिकता से कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे।

मौजूदा समय में कृषि कनेक्शन नीति-2017 के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के कृषि कनेक्शन के आवेदकों को राज्य सरकार द्वारा घोषित निर्धारित अंतिम तिथि (कट ऑफ डेट) के अनुसार डिमांड नोट जारी किए जाते हैं। मांग पत्र जमा होने के बाद कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मूल आवेदन तिथि के अनुसार संधारित की जाती है। वहीं अन्य श्रेणी-ड्रिप, डिग्गी अथवा शहरी क्षेत्र के आवेदकों के मांग पत्र तुरन्त प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाते हैं। इन आवेदकों के लिए कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मांग पत्र जमा करवाने की तिथि के अनुसार संधारित की जाती है।

वर्तमान में 22 फरवरी 2022 तक की कट ऑफ डेट के अनुसार सामान्य श्रेणी के आवेदकों को कनेक्शन देय हैं। राज्य में फिलहाल 78 हजार 498 कृषि कनेक्शन लंबित हैं, जिनमें डिमाण्ड नोट जमा किए जा चुके हैं।

डीजीजीआई टीम ने भीलवाड़ा में दस से अधिक स्थानों पर दबिश दी

छापेमारी की मुख्य कार्रवाई निखिल डाड, जो पूर्व भाजपा ज़िलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड के पुत्र हैं, के ठिकानों पर भी की गई

भीलवाड़ा, (निसं)। जीएसटी कर अपवंचन की जांच को आगे बढ़ाते हुए महानिदेशालय जीएसटी इंटेलिजेंस, जयपुर जोनल यूनिट की टीमों ने गुरुवार को भीलवाड़ा में दस से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

जयपुर से आई कई विशेष टीमों ने भीलवाड़ा में फैले विभिन्न प्रोसेस हाउस और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ दबिश दी। यह कार्रवाई जीएसटी चोरी एवं फर्जी बिलिंग के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने के उद्देश्य से की जा रही है। छापेमारी की मुख्य कार्रवाई निखिल डाड, जो पूर्व भाजपा ज़िलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड के पुत्र हैं, के ठिकानों पर भी की गई। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान तलाशी में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ और डिजिटल रिकॉर्ड्स बरामद हुए हैं, जिनका विभागीय स्तर पर विश्लेषण किया जाएगा। डीजीजीआई की यह समन्वित कार्रवाई राज्य में चल रहे जीएसटी कर चोरी के मामलों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

डीजीजीआई जयपुर की टीम ने भीलवाड़ा में दस से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

अब तक दस्तावेजों की जांच में 10 करोड़ से अधिक की जीएसटी कर चोरी सामने आई है, साथ ही माहेश्वरी केमिकल से अनुज सोमानी का भी नाम सामने आया है, जिसके ठिकानों पर भी जांच में जुटी है। इधर, निखिल डाड केमिकल, कोयला, प्रॉपर्टी और फाइनेंस का कारोबारी है। भीलवाड़ा के कई नामचीन व्यक्तियों की पार्टनरशिप इसके अलग अलग धंधों में बताई जा रही है। इस कंपनी के क्लाइंट बड़े-बड़े प्रोसेस हाउस है।

- **जयपुर से आई कई विशेष टीमों ने भीलवाड़ा में फैले विभिन्न प्रोसेस हाउस और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ दबिश दी**
- **यह कार्रवाई जीएसटी चोरी एवं फर्जी बिलिंग के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने के उद्देश्य से की जा रही है**
- **अब तक दस्तावेजों की जांच में 10 करोड़ से अधिक की जीएसटी कर चोरी सामने आई, साथ ही माहेश्वरी केमिकल से अनुज सोमानी का भी नाम सामने आया**

गौरतलब है कि हाल के दिनों में डीजीजीआई की कार्रवाइयां भीलवाड़ा में बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार जयपुर में महावीर ट्रेडिंग कंपनी सिंडिकेट के खिलाफ 706 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी की मामला सामने आया था। यहां तक कि सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें जीएसटी नंबर, नकली बिल, हवाला ट्रांजेक्शन और बिना ई-वे बिल के माल परिवहन जैसी गंभीर अनियमिताएं मिली थी। उसके बाद 21 अगस्त को रत्नाकर ग्रुप के ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई थी। इस दौरान 50 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी की बात सामने आई थी। इस कार्रवाई के अंतिम दौर में रत्नाकर ग्रुप की ओर से करीब 20 करोड़ रुपए टैक्स पैनल्टी के रूप में जमा कराए थे।

पत्नी के तानों से परेशान पति ने सुसाइड किया

सुसाइड नोट में लिखा कि पत्नी ने फर्जी तरीके से सरकारी नौकरी ली

बीकानेर, (निसं)। पत्नी के तानों से परेशान आकर युवक ने सुसाइड कर लिया। युवक ने सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें पत्नी पर परेशान करने और अवैध संबंधों के बारे में लिखा है। मामला जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र का है। युवक ने जहर पीकर जान दी थी। इसके बाद चचेरे भाई की ओर से अब मामला दर्ज किया है। सुसाइड नोट में पति ने पत्नी के फर्जी तरीके से सरकारी नौकरी लेने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि मृतक के चचेरे भाई ने उसकी पत्नी समेत 4 लोगों पर सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। एफआईआर में बताया कि मृतक की पत्नी ने फर्जी तरीके से सरकारी नौकरी ली। इतना ही नहीं शादीशुदा होने के बाद भी खुद को अविवाहित बताते हुए शादी की थी। वो पहले खाजूवाला के सिंचाई विभाग में थी लेकिन अब बाद में हनुमानगढ़ ट्रांसफर करवा लिया। युवक ने स्प्रे पीकर सुसाइड कर लिया था। मृतक के चचेरे भाई का आरोप है कि युवक की पत्नी और उसके भाई, मां व कुछ रिश्तेदार लगातार युवक को फोन करके उकसा रहे थे। धमकी भी दे रहे थे। इसी से परेशान होकर उसने स्प्रे पीकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करोड़ों की हेरोइन पकड़ी

बीकानेर, (निसं)। यहां बीएसएफ की इंटेलिजेंस ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुये एक घर से 2.7 किलो हेरोइन बरामद की है। इसके साथ ही घर में मौजूद एक तस्कर और मकान मालिक को पकड़ा है। इस ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में करीब 13 करोड़ आंकी गई है। बीएसएफ को सूचना मिली थी कि पाकिस्तान की ओर से भारी मात्रा में ड्रग्स आ रही है। ऐसे में सर्च अभियान चलाया गया था। इस दौरान तस्कर लाभा सिंह उर्फ लवप्रीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है।

राज्य होटल प्रबंध संस्थान, झालावाड़
(पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार)
पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के पास, झालरापाटन, झालावाड (राज.) 326023
e-mail: sihmjhalawar@rajasthan.gov.in, Mobile No. 9829383057 Phone 07432-294998
Ref: SIHMJWAR/2025-26/Bid-15@182 Dated 26.08.2025

E-Bid Notice

SIHM Jhalawar under Department of Tourism,. Govt. of Rajasthan invites e-Bid for the purchase of equipment and Furniture and other items for the Institute for FY 2025-26

Bid Reference Number:		SIHMJWR/2025-26/130 to 134/1-5		
Bid Submission End Date & Time 8.9.2025, 2.00PM	Bid opening Date & Time 8.9.2025, 2.00PM	Approx. Bid value	Bid Document Fee	NIB Details/ UBN No.
Name of Work				
Supply, Installation and Maintenance of Kitchen, Restaurant Equipment & Furniture (SS & MS)		75 Lakhs	Rs. 2000/-	TOU2526 A0025
Supply of Light Equipments for Kitchen, Restaurant & Other Laboratories		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0026
Supply and installation of Housekeeping Heavy & Light Equipments with Linen and furnishing items		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0027
Supply and Installation Maintenance of Furnitures for Classrooms, Offices and other Laboratories		30 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0028
Supply, Installation & Maintenance of Computers, Networking, CCTV and other appliances		40 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0029

Interested bidders eligible as per qualification criteria may submit their response to the Bid through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in. The other details of tenders may be downloaded from official website of tourism department i.e. www.tourism.rajasthan.gov.in and for further enquiries contact on above address.

DIPR/C/12310/2025 Principal/Member Secretary

कपिल सरोवर में डूबने से युवक की मौत

- **जयपुर से बीकानेर होकर रामदेवरा जा रही बस का यात्री था, रास्ते में नहाने उतरा था**

बीकानेर, (निसं)। जयपुर से बीकानेर होकर रामदेवरा जा रहे एक यात्री की कपिल सरोवर में डूबने से मौत हो गई। वो सरोवर में स्नान करने के लिए उतरा था, लेकिन पैर फिसलने के कारण सरोवर में डूब गया। एसडीआरएफ टीम ने सरोवर से निकालकर युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

कोलायत एसआई लखवीर सिंह के अनुसार बस से गोविंदगढ़ (जयपुर) से रामदेवरा जाने वाला संघ कपिल सरोवर के गौ घाट पर स्नान कर रहा था। ये संघ बस में जयपुर से बीकानेर और बीकानेर से कोलायत होकर रामदेवरा जा रहा था। इस दौरान संघ में शामिल रिंकू बिदावत का पैर फिसल गया और वह सरोवर में डूब गया। सूचना मिलने पर कोलायत पुलिस व एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची तथा युवक को ढूंढने का प्रयास किया। करीब एक घंटे बाद एसडीआरएफ टीम द्वारा शव को बरामद कर लिया गया। कोलायत पुलिस थाने में अब तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई गई है। मर्ग के आधार पर ही पुलिस जांच करेगी। एसडीआरएफ टीम में एसडीआरएफ टीम में हेड कॉन्स्टेबल रामेश्वर लाल, बाबूलाल, केशाराम, भंवरदान, पप्पूराम, प्रेमाराम, लालचंद, श्रवण, नरेन्द्र, शशिकांत, नरेश, विजेंद्र आदि मौजूद थे।

बाड़मेर में तीन मादक पदार्थ तस्करों की 2.50 करोड़ की संपत्ति फ्रीज़

कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर गोरधनराम जाट, श्याम सुंदर सांवरिया, जसवंत उर्फ जसराज उर्फ जसू की संपत्ति फ्रीज़ की

जयपुर/बाड़मेर। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बाड़मेर पुलिस ने एक बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पहली बार पुलिस ने एक साथ तीन कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों की अवैध रूप से अर्जित की गई 2.50 करोड़ की संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(2) के तहत फ्रीज कर दिया है। इस बड़ी कार्रवाई में तीन आलीशान आवासीय भवन, दो प्लॉट और चार लग्जरी वाहन जब्त किए गए हैं, जो अपराधियों की काली कमाई का सीधा प्रमाण हैं। जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना के नेतृत्व में यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय राजस्थान और महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज के निर्देशों के बाद शुरू की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हार्डकोर अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ना है।

- **कार्रवाई में तीन आलीशान आवासीय भवन, दो प्लॉट और चार लग्जरी वाहन जब्त किए**

बाड़मेर पुलिस ने तस्करों की संपत्ति फ्रीज करने की कार्रवाई की।

गोरधनराम जाट की 60 लाख की संपत्ति फ्रीज :- नागाणा पुलिस थाने का हार्डकोर अपराधी गोरधनराम पुत्र डुगराराम लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय था। उसकी अवैध कमाई पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। थानाधिकारी जमील खां के नेतृत्व में टीम ने गोरधनराम की संपत्तियों का गहनता से ब्यौरा जुटाया। यह पाया गया कि उसने अपने गांव मातासर भुरटिया में एक आलीशान भवन बनाया था। सभी दस्तावेजों को सक्षम प्राधिकारी को भेजने के बाद गोरधनराम की लगभग 60 लाख की संपत्ति को फ्रीज करने का आदेश मिला। उसके खिलाफ सात आपराधिक मामले दर्ज हैं।

श्याम सुंदर सांवरिया की 90 लाख की संपत्ति फ्रीज :- सेड़वा थाना क्षेत्र के सक्रिय तस्कर श्याम सुंदर सांवरिया पुत्र लाधुराम पर 13 मामले दर्ज हैं, उसकी भी करीब 90 लाख की संपत्ति जब्त की गई है। थानाधिकारी दीपसिंह की टीम ने सूचनाएं एकत्रित कर पाया कि श्याम सुंदर ने अपने गांव सोमारड़ी में एक भव्य आवासीय भवन और चार वाहन एक स्कॉर्पियो, एक टवेरा, एक ट्रैक्टर और एक बोलेरो कैंपर खरीदे थे। इन सभी संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश के बाद पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

जसवंत उर्फ जसराज उर्फ जसू की 1 करोड़ की संपत्ति फ्रीज :- रीको थाना के हार्डकोर अपराधी जसवंत उर्फ जसराज उर्फ जसू पुत्र रतनाराम बायतु पनजी का निवासी है और वर्तमान में बलदेव नगर में रह रहा था, उसकी 1 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। थानाधिकारी मनोज सामरिया की टीम ने पाया कि जसवंत ने बाड़मेर के बलदेव नगर में अपनी पत्नी के नाम पर एक आलीशान घर और दो रिहायशी प्लॉट खरीदे थे। जसवंत पर 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। सक्षम प्राधिकारी से आदेश मिलने के बाद पुलिस ने उसकी सभी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने कहा है कि बाड़मेर पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त सभी अपराधियों और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ ऐसी ही कड़ी कार्रवाई जारी रखेगी।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)
फोन न.07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website - WWW.npkarauli.in
क्रमांक : 2313 दिनांक : 25.08.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली परिषद क्षेत्र में सीवर लाईन सफाई कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	हिण्डौन गेट स्थित पुराना गर्ल्स कॉलेज के जर्जर भवन को जमीदोंज/ध्वस्त/उतरवाने का कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	18.28 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	29.08.2025 समय 2:00 पीएम से 13.09.2025 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	13.09.2025 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त निविदा खोलने की तिथि	15.09.2025 समय 2:30 पीएम
निविदा शुल्क	1000/- रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	02 माह
UBN. -	DLB2526WSRC15782

राज.संवाद/सी/25/8902 सभापति आयुक्त

लूणी नदी में बहे लोगों में से एक का शव मिला

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के निकट लूणी नदी की रपट पार करते समय आठ श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बोलेरो बह गई। इस घटना के बाद जिला प्रशासन के निर्देशन में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और नागरिक सुरक्षा बल की टीमों ने तुरंत एक बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया। निरंतर चले इस ऑपरेशन में बचाव दल को एक बड़ी सफलता मिली। टीमों ने प्रयासों के बाद नदी से एक शव बरामद कर लिया है। हालांकि अभी भी दो अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है और बचाव अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है।

जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. गुंजन सोनी, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार और तहसीलदार गोपीकिशन पालीवाल भी लगातार मौके पर मौजूद रहकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और बचाव कार्यों का नेतृत्व कर रहे हैं।

RAJMATA VIJYARAJE SINDHIYA KRISHI UPAJ MANDI SAMITI (G) JODHPUR
E-mail Id : www.krishimandi@yahoo.in / kums.jodhpgr@rajasthan.gov.in
Tel. :- 0291-2571999 Fax :- 0291-2570754

E-Tender Invitation Notice No. 10/2025-26

Under the Rajasthan Public Procurement Transparency Act 2012 and Rules 2013, on line tender is invited through e-procurement from service providers/registered contractors/cooperative institutions/voluntary institutions/ex-servicemen cooperative institutions etc. within the approved budget for Supply of workers for computer work in Rajmata Vijayaraje Sindhiya Krishi Upaj Mandi Samiti (Grain) Jodhpur, regarding procurement of human resources services, till 10.00 am on 10-09-2025 The detailed information related to tenders can also be seen on www.sppp.rajasthan.gov.in, www.agriculture.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in. UBN : DAM2526SLOB00704

1. Supply of workers for computer work in Rajmata Vijayaraje Sindhiya Krishi Upaj Mandi Samiti (Grain) Jodhpur

Raj.Samwad/C/25/8936 Secretary, R.V.S. K.U.M.S.(G), JODHPUR

पालिका का कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

- **सूचना के अधिकार के तहत सूचना उपलब्ध कराने की एवज में रिश्वत मांगी थी**

सीकर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने कार्रवाई करते हुए नगर पालिका लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर के कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश चौमाल को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी झुंझुनूं टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि लक्ष्मणगढ़ कस्बा में गणेश जी के मन्दिर के पास मनोहर जलाशय को भूमाफिया द्वारा फर्जी पट्टे बनाकर निर्माण कार्य कर दुकाने बनाई जा रही है। परिवादी द्वारा नगर पालिका लक्ष्मणगढ़ से प्यार की जगह पर निर्माण स्वीकृति के संबंध में सम्पूर्ण पत्रावली की प्रमाणित प्रति चाहने के लिए नगर पालिका लक्ष्मणगढ़ में 12 अगस्त को सूचना के अधिकार के तहत सूचना मांगी थी। नगर पालिका के कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश ने सूचना के अधिकार की सूचना उपलब्ध कराने की एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर 26 अगस्त को एसीबी की ओर से रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश ने परिवादी से स्वयं व अधिशासी अधिकारी के लिए पांच-छह हजार रुपये की रिश्वत की मांग करना पाया गया। जिस पर रिश्वत मांग के अनुसरण में ट्रेप का आयोजन कर कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश ने रिश्वत परिवादी से अपनी टेबल पर रखे कम्प्यूटर माउस पैड के नीचे रखवा दी। जिस पर एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए रिश्वत सहित आरोपित कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश चौमाल को गिरफ्तार किया गया है।

बनास नदी में दो बालिकाएं डूबी

भीलवाड़ा, (निसं)। बड़लियास थाना क्षेत्र में बनास नदी में दो बालिकाओं के डूब जाने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि हादसा आकोला और नाहरगढ़ के बीच नदी के गहरे पानी में हुआ है। गुरुवार को नाहरगढ़ निवासी अंशु कंवर और तन्नु सेन बनास नदी में नहाने गई थी। इस दौरान नदी में बहाव तेज हो जाने की वजह से बालिकाएं बह गई। बताया जा रहा है कि मातृकुंडिया बांध से छोड़ा गया पानी नदी के इस हिस्से में पहुंचा था जिससे जलस्तर बढ़ गया और हादसा हो गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा जिला धौलपुर
क्रमांक-613-26 दिनांक-11.08.2025

निविदा सूचना संख्या- 08/2025-26
NIB CODE-PWD2526A2544 and UBN is: PWD2526WSOB09431, PWD2526WSOB09435, PWD2526WSOB09438

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड राजाखेडा जिला धौलपुर में सडक एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए", "ए" "बी" "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "ए" "बी" "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग क माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.eproc.dipronlineorg" पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड राजाखेडा
1	निविदा का कार्य	तत्कालिक अस्थाई मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 132.00 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.(5)/वित्त/ साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्राम चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-(02) (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 12.08.2025 प्रात 09.30 बजे दिनांक 01.09.2025 सायं 6.00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 12.08.2025 प्रात 09.30 बजे दिनांक 01.09.2025 सायं 6.00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 03.09.2025 दोपहर 03.00 बजे

(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा
DIPR/C/12341/2025

राजस्थान सरकार
प्रधानाचार्य, सरदार पटेल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
मेडिकल कॉलज रोड, बीकानेर 334001 फोन-0151-2226300
Email-principal spmc bknr@rajasthan.gov.in
क्रमांक-प...(क्रयअनुभाग)सपआम/Tender/2025-26/696 दिनांक-15.08.2025

ई-बोली संख्या 03 (2025-26)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा R.T.P.P. Act 2012 तथा R.T.P.P. Rules 2013 नियम के तहत सरदार पटेल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय व संबंध चिकित्सालय हेतु Hospital Management information System and Tele-Consultaions योजनान्तर्गत कम्प्यूटर लेपटॉप, टैबलेट, प्रिंटर स्कैनर क्रय एवं स्थापित करने के लिए खुली प्रतियोगिता बोली (द्वि भाग बोली तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से (as per Bid Documents) ई-बोली आमंत्रण सूचना जारी की जाती है। जिसमें इच्छुक बोलीदाता द्वारा ई-प्रोक के माध्यम से बिड डॉक्यूमेंट एवं अन्य दस्तावेज डाउनलोड कर ई-बोली के दस्तावेजों अनुसार ऑनलाईन अपलोड कर ई-बोली में भाग ले सकते है।
बोली से संबंधित विस्तृत विवरण DIPR की वेब साईट एवं sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in पर एवं कार्यालय वेब साईट पर नांटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।
NIB CODE- MCB2526A0090, UBN NO.- MCB2526GLOB00114

प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक
सरदार पटेल आयुर्विज्ञान महाविद्यालय
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर
DIPR/C/12221/2025

सूकड़ी नदी में डूबे दो युवकों के शव बरामद

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थानाक्षेत्र के आसाणा गांव में दो सगे भाइयों समेत छह युवकों के नदी में डूबने के तीसरे दिन गुरूवार को शेष दोनों शवों को भी बचाव दल द्वारा चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नदी से बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार आसाणा गांव में 26 अगस्त 2 सगे भाइयों समेत 6 युवक नदी में बह गए थे। सूचना पर प्रशासन, पुलिस एवं बचाव दल द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। घटना के तीसरे दिन गुरूवार सुबह बचाव दल द्वारा प्रातः 7:25 बजे मनोहरसिंह पुत्र छैलसिंह राजपूत एवं प्रातः 9 बजे श्रवण पुत्र मोडजी देवासी के शवों को नदी से निकाला गया। मृतक श्रवण देवासी का शव घटनास्थल से दूर नदी किनारे झाड़ियों में मिला। दोनों शवों को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सायला पहुंचाया गया, जहां मेडिकल टीम ने पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सुपुर्द किया। इससे पूर्व बुधवार को उमाराम पुत्र छेलाराम मेघवाल, श्रवण पुत्र ताराराम मेघवाल, जगताराम पुत्र जेपाराम मेघवाल एवं जितेन्द्रसिंह पुत्र छैलसिंह राजपूत के शवों को निकाला गया था, जिनमें से उमाराम, श्रवण मेघवाल व जगताराम का पोस्टमार्टम के बाद बुधवार शाम को अंतिम संस्कार किया गया था, जबकि जितेन्द्रसिंह, मनोहरसिंह व श्रवण देवासी का गुरूवार को गमगीन माहौल में गांव में अंतिम संस्कार किया गया।

नदी के तेज बहाव में बहा शिक्षक, तलाश जारी

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर जिले में गुरुवार को नदी से गुजरते तेज पानी के बहाव में एक बाइक सवार पानी में बह गया। बचाव दल को उसकी बाइक तो मिल गई है, लेकिन बाइक सवार अभी तक नहीं मिला, जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार सलूंबर जिले के जलारा समोडा मार्ग पर पायरा गांव के निवासी शिक्षक वीरभद्र सिंह समोडा, स्कूल के लिए निकले थे। वे अपनी बाइक से जैसे ही जलारा समोडा मार्ग पर बने पुल से गुजरे अचानक तेज बहाव ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत तलाश शुरू कर दी। खोज अभियान के दौरान नदी में शिक्षक की बाइक बरामद हुई है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक वि.स.09/Exam/School Leet.(Agriculture)/RPSC/EP-I/2025-26 दिनांक-28.08.2025

आयोग द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 के अन्तर्गत प्राध्यापक-कृषि (स्कूल शिक्षा) के कुल 500 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2026 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 04.09.2025 से दिनांक 03.10.2025 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/12471/2025 रामनिवास मेहता, सचिव

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/34-36 दिनांक : 28.08.2025

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/34-36

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

S. No.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No.
1	34	Maintenance & Management of Kishan Bagh, Native Plants Biodiversity Park, Jaipur for 2 years. UBN No. JDA2526WSOB00405	117.17	29.08.25 08.09.25	11.09.25	171/2025-26
2	35	Development and maintenance of Mahal Road Greenbelt Jagatpura ROB to Jivan Rekha Hospital choraha for 2 year in H.Zone-I UBN No. JDA2526WSOB00406	181.45	29.08.25 08.09.25	11.09.25	226/2025-26
3	36	Development and maintenance of median and greenbelt in Saraswati Vihar residential scheme for 2 year in H.Zone-II UBN No. JDA2526WSOB00407	180.84	29.08.25 08.09.25	11.09.25	219/2025-26

नोट :-
1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/8991 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में प्रवासी राजस्थानियों की अहम भूमिका : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने 10 दिसम्बर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में समीक्षा बैठक ली

- प्रवासी राजस्थानी दिवस के सफल आयोजन के लिए समय से तैयारियां हों सुनिश्चित
- राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय एनआरआर कनेक्ट कार्यक्रम भी होंगे आयोजित

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियों और उनके महत्वपूर्ण सामाजिक योगदान के सम्मान में आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन करेगी। उन्होंने अधिकारियों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसम्बर) के आयोजन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों के संबंध में चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन के जरिए प्रवासी राजस्थानियों को विकसित राजस्थान की यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही, उन्हें सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि हासिल करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानी दिवस को सफल बनाने के क्रम में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय अप्रवासी राजस्थानी कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सितम्बर, अक्टूबर एवं नवम्बर माह में राष्ट्रीय एनआरआर कनेक्ट कार्यक्रम को हैदराबाद, कोलकाता और सूरत एवं अक्टूबर माह में अन्तर्राष्ट्रीय एनआरआर कनेक्ट कार्यक्रम को संयुक्त अरब अमीरात (दुबई एवं अबू धाबी) में पूर्ण तैयारी के साथ आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को उद्घाटन सत्र की तैयारियों के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, पर्यटन, जल, शिक्षा और स्वास्थ्य के संबंध में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों की रूपरेखा बनाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस पुरस्कार के लिए राजस्थान फाउंडेशन पोर्टल पर 13 अगस्त से आवेदन पत्र भरा जा रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 12 अक्टूबर है। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सहित उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने हाथी सवारी की दर 2500 से घटाकर 1500 रु. करने पर रोक लगाई

-कार्यालय संवाददाता-

- **अदालत ने इस मामले में कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव व निदेशक, पुरातत्व निदेशक और पर्यटन निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।**

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर किले और अन्य संबंधित स्थानों पर हाथी सवारी की दर 2500 रुपए से कम कर 1500 रुपए करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव व निदेशक, पुरातत्व निदेशक और पर्यटन निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने सवारी की दर कम करने वाले अधिकारी को शपथ पत्र पेश कर इस संबंध में अपना जवाब देने को कहा है।

वहीं अदालत ने पुरातत्व सचिव को 23 सितंबर को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए अदालत में पेश होने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश हाथी गांव विकास समिति व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अधिवक्ता प्रकाश कुमार झा ने अदालत को बताया कि विभाग ने राजस्थान स्मारक एवं पुरातत्व स्थल अधिनियम, 1961 की धारा 38 के तहत 8 अप्रैल, 1976 को जारी अधिसूचना के तहत शक्तियों का प्रयोग कर गत 9 जनवरी को आदेश जारी कर आमेर महल व अन्य संबंधित स्थलों पर हाथी सवारी की दर 2500 रुपए से घटाकर 1500 रुपए कर दी।

याचिका में कहा गया कि हाथियों के रखरखाव, देखभाल और चिकित्सा में भारी खर्च होता है। इसके अलावा प्रदेश और खासतौर पर जयपुर में पर्यटन सीजन सीमित समय का होता है। वहीं महावतों और उनके परिवार की आजीविका पूरी तरह से हाथी सवारी पर निर्भर है।

याचिका में यह भी कहा गया कि निजी समूह अनधिकृत तौर पर पुलिस अफसरों और ट्रेवल एजेंसियों की मिलीभगत कर पर्यटकों को हाथी सवारी के तौर पर 10 हजार रुपए तक वसूल रहे है और उन्हें निर्धारित राशि का ही भुगतान किया जाता है। जिससे न केवल महावतों को आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि प्रदेश की बदनामी व पर्यटन व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। याचिका में कहा गया कि आमेर किले में हाथी सवारी लंबे समय से विरासत का प्रतीक रही है।

एक ओर महावतों पर यहां कई तरह की पाबंदियां लगाई जा रही है, जबकि दूसरी ओर निजी एजेंसियों को बेतहाशा मुनाफाखोरी करने का अनुचित अधिकार दिया है। ऐसे में अब हाथी सवारी की दर कम कर महावतों और हाथियों के जीवन को कठिनाई में डाला जा रहा है। इसलिए हाथी सवारी की दर कम करने के आदेश को रद्द रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए हाथी सवारी की दर कम करने के आदेश पर रोक लगा दी है।

खनिजों के विशाल ढेरों में तलाशेंगे बेशकीमती खनिज : टी. रविकांत

''पुनर्चक्रिकरण तकनीक से व्यावसायिक उत्पादन की दिशा में बढ़ेंगे कदम''

जयपुर । खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि प्रदेश में खनिजों के विशाल ढ़ेरों (ह्यूज डम्प्स ऑफ मिनरल्स) में बेसकीमती क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक खनिजों की संभावनाओं को तलाश कर पुनर्चक्रिकरण तकनीक से डम्प्स में उपलब्ध खनिज संपदा के व्यावसायिक उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। प्रदेश में खनन क्षेत्रों में खनिज डम्प्स के विशाल ढेर उपलब्ध है।

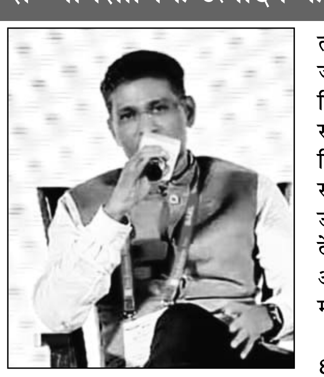

प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त

आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी धनवाद से समन्वय बनाते हुए डम्प्स में एसोसिएटेड मिनरल्स के डिपोजिट्स का अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिनरल एक्सप्लोरेशन में एआईएमएल तकनीक का उपयोग करते हुए जीरो लॉस जीरो डिफेक्ट एक्सप्लोरेशन पर पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर कार्य आरंभ कर दिया गया है। राजस्थान खनिजों का म्यूजियम होने के कारण खनिज सेक्टर में विपुल संभावनाएं हैं।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त गुरुवार को जयपुर में मैरियट होटल में आयोजित ईटी बिजनस समिट में अनलिजिंग राजस्थान्स मिनरल वेल्थ: पाथवेज फार सस्टेनेबल माइनिंग, स्टोन एण्ड सीमेंट इण्डस्ट्रीज विषय पर की नोट संबोधन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा निवेशोन्मुखी खनिज नीति, एम सेंड पालिसी और सीजीडी पालिसी जारी करने के साथ ही प्रक्रिया के सरलीकरण करने का ही परिणाम है कि राज्य में माइनिंग सेक्टर में निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रोडमैप बनाकर आगे बढ़ रही है। सीजीडी नीति जारी करने के साथ ही साढ़े 4 लाख परिवारों तक पाइपलाइन से गैस की उपलब्धता को 2030 तक 80 लाख तक पहुंचाने के लिए समयवद्ध अनुमतियां जारी करने और आधारभूत संरचना विकसित करने को आसान बनाया गया है। पेट्रोलियम और गैस के क्षेत्र में गिरते उत्पादन को देखते हुए नई तकनीक से उत्पादन बढ़ाने के प्रयास जारी कर दिये हैं वहीं तीन चार माह में रिफाइनरी के शुरु कराने के प्रयास के साथ ही रीको द्वारा पेट्रोजोन विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब खनिज आधारित प्रसंस्करण उद्योग प्रदेश में ही स्थापित कराने पर जोर दे रही है वहीं प्रदेश में नवीनतम तकनीक और वैज्ञानिक तरीके से सस्टेनेबल माइनिंग पर बल दे रही है।

रविकान्त ने कहा कि राजस्थान में 82 प्रकार के खनिज है और अभी केवल 58 प्रकार के खनिजों का ही खनन हो रहा है। ऐसे में अन्य खनिजों के खनन की संभावनाओं को तलाशने और प्रदेश में उपलब्ध खनिजों के एक्सप्लोरेशन के गंभीर प्रयास किया जाना आवष्यक है और इसीलिए रोडमेप बनाकर खनिज खोज कार्य में तेजी लाई जा रही है और सरकार खनन के सभी क्षेत्रों में योजनावद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। मेजर मिनरल्स के ऑक्शन में राजस्थान पहले पायदान पर आ गया है। पैनल डिस्कशन के दौरान एमईसीएल के सीएमडी इन्द्र देव नारायण, आईबीएम के क्षेत्रीय निदेशक चन्द्रेश बोहरा, बिरला कारपोरेशन के मुख्यकार्यकारी संदीप घोष और स्टार सीमेंट के कार्यकारी निदेशक पंकज केजरीवाल ने भी सस्टेनेबल माइनिंग पर राजस्थान के संदर्भ में विचार रखें।

'सेवा, संस्कार और अनुशासन है राष्ट्र निर्माण की शक्ति : देवनानी

हिन्दुस्तान स्काउट गाइडस के जयपुर जिले का अधिवेशन आयोजित हुआ।

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि मानव जीवन का कर्तव्य अनुशासन के साथ सेवा करना है। स्काउट्स-गाइड्स आंदोलन सेवा, संस्कार और अनुशासन की त्रिवेणी है। हर परिस्थिति के लिये तैयार रहकर नि:स्वार्थ भाव से कार्य करना है। देवनानी गुरुवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स, जयपुर के जिला वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान पूर्व आई.ए.एस. पवन अरोड़ा भी मौजूद थे। समारोह में युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज सेवा का संदेश दिया।

देवनानी ने कहा कि स्काउटिंग का मूल मंत्र हर परिस्थिति के लिये तैयार रहना है। यह मंत्र सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन का आदर्श है। भारत का संविधान नागरिकों को अधिकार और कर्तव्य दोनों देता है। स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन इन दोनों के मध्य संतुलन को सर्वोत्तम रूप में जीता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अनुशासित नागरिक बनाना, उनमें नेतृत्व और नि:स्वार्थ सेवा की भावना जगाना ही इस संगठन का मूल उद्देश्य है। आज जब भी समाज किसी प्राकृतिक आपदा या संकट से जूझता है, तो सबसे पहले सेवा में जुटने वाले स्काउट्स एवं गाइड्स ही होते हैं। यही सेवा का सच्चा नेतृत्व है। देवनानी ने कहा कि आज भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है और इस यात्रा की वास्तविक शक्ति हमारी युवा पीढ़ी है। प्रत्येक स्काउट-गाइड यह संकल्प ले कि सत्य, कर्तव्य और राष्ट्रहित से कभी पीछे नहीं हटेगा।

एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन 30 को

जयपुर । एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि राष्ट्रीय छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन की तर्ज पर 30 अगस्त को राजस्थान में भी राज्य स्तरीय छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन में एक राष्ट्र एक चुनाव का समर्थन किया जाएगा। यह कार्यक्रम वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कॉलेज में 11:30 बजे से आयोजित किया जाएगा।

भार्गव ने बताया कि राज्य स्तरीय छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय महामंत्री और एक राष्ट्र एक चुनाव के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सुनील बंसल रहेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेशभर से 35 वर्ष से कम आयु के वर्तमान और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी और छात्र प्रतिनिधि भाग लेंगे और एक राष्ट्र एक चुनाव का समर्थन करेंगे। सभी जिलों से करीबन 1250 छात्रसंघ प्रतिनिधि जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। भार्गव ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव अवधारणा से देश की राजनीति में स्थिरता आएगी और विकास की गंगा बहेगी। चुनाव का भारी खर्च कम होगा, बचत को शिक्षा, स्वास्थ्य और इंफ्रा जैसे विकासात्मक कार्यों में खर्च किया जा सकेगा। लोकतंत्र की मजबूती के साथ एकजुटता आएगी। इससे देश के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक ढांचे में सुधार लाने के साथ एक सशक्त, स्थिर ओर समृद्ध भारत का निर्माण हो पाएगा।

सार-समाचार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार गोष्ठी

जयपुर । राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर, जयपुर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महाविद्यालय इकाई द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पांच वर्ष होने पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ.प्रहलाद सहाय बुनकर की अध्यक्षता में आयोजित विचार गोष्ठी में राजस्थान हिन्दी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष व राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला मुख्य अतिथि और राजकीय महाविद्यालय जगतपुरा की राजनीति विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ममता शर्मा मुख्य वक्ता रहें । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : नीति से परिवर्तन तक विषयक गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. ममता शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करती है,जो युवाओं के सर्वांगीण विकास पर बल देती है। मुख्य अतिथि डॉ. अखिल शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधान विद्यार्थी को भारतीय ज्ञान परम्परा से जोड़ते हैं वहीं इससे राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण दिशा मिलेगी। मुख्य अतिथि डॉ. शुक्ला ने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वें स्किल और करियर निर्माण के लिए शिक्षा के साथ शिक्षणेतर गतिविधि स्काउटिंग से भी जुड़े क्योंकि स्काउटिंग में चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता का विकास, स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता में सुधार, अनुशासन, समाज सेवा का अवसर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में भागीदारी, और शिक्षा व सरकारी नौकरियों में अतिरिक्त लाभ शामिल हैं। इस अवसर पर डॉ. निर्मला कुमावत, डॉ.चेतना शर्मा, गरिमा भास्कर, डॉ.दिव्या शर्मा,डॉ.सोनालिका कुमावत, डॉ.बीना कुमारी व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

युवा लक्ष्य निर्धारित करें : डॉ.नीरज के.पवन

जयपुर । महाराजा कॉलेज में ''विकसित भारत- यूथ कनेक्ट'' में मुख्य अतिथि युवा मामलात व खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान यूथ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज के.पवन युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा का लक्ष्य निर्धारित नहीं है, युवा सबसे पहले अपना लक्ष्य निश्चित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूर्ण तन्मयता से मेहनत करे। मेहनत के साथ-साथ उसमें अपने प्लानिंग करें और फिर तैयार रहे कि परिणाम कुछ भी हो सकता है, कभी हारते है, कभी जीतते है, मगर क्रमबद्ध तरीके से उसकी कार्य योजना बनाकर उसकी तैयारी करने पर सफलता मिलनी निश्चित है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आज आई.क्यू. के साथ-साथ पी.क्यू. और ई.क्यू. का होना आवश्यक है साथ ही युवाओं को उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी । इससे संबंध में स्टार्टअप के पूर्णिया विश्वविद्यालय के तुषार सैनी ने भी युवाओ को उद्यमिता के बारे में विस्तार जानकारी दी। निधि जैन ने भी ''जस्ट आस्क चेट बोट'' के बारे में जानकारी दी। साथ ही कुछ प्रश्न पूछकर इनाम देकर युवाओ को प्रोत्साहित किया। सदस्य सचिव, राजस्थान बोर्ड कैलाश पहाड़िया ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य बताने के साथ ही युवाओं के लिए राजस्थान में चल रही केंद्र सरकार व राजस्थान सरकार की योजनाओं की विशेष जानकारी दी। यूथ कनेक्ट प्रोग्राम के कॉर्डिनेटर आदर्श मित्तल ने बताया कि इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर आरके गुनसारिया, राजेंद्र सिंह यादव, ऋषिकेश मीणा एवं संयोजक विनय बेनीवाल और सुमित्रा मैडम एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित थे और प्राचार्य गुंसारिया ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद दिया।

'अधिक संख्या में लगाएं चैक मीटर'

जयपुर । ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने गुरूवार को विद्युत भवन में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन की उच्च स्तरीय समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में एडवांस्ड मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर के प्रतिनिधियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश दिए कि अधिक संख्या में चैक मीटर लगाए जाएं, जिससे कि उपभोक्ताओं में स्मार्ट मीटर के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांति न रहे। नागर ने कहा कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिजली उपभोग को पारदर्शी तथा सटीक एवं बिलिंग को मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त करने की दिशा में बेहतर हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटर के फायदों की जानकारी अधिकाधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए एएमआईएसपी द्वारा आईईसी गतिविधियों पर जोर दिया जाए। नागर ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020-21 से स्मार्ट मीटर लगाने की शुरूआत की गई थी। पूर्ववर्ती सरकार के समय 5 लाख 52 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए गए थे। वर्तमान में आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत कृषि को छोड़कर अन्य 1 करोड़ 43 लाख से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं के यह मीटर लगाए जा रहे हैं। अप्रेल 2025 से तीनों डिस्कॉम में अब तक 5 लाख 60 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने एएमआईएसपी को कार्यादेश की शर्तों के अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए और कहा कि कार्य में गति लाने में विभाग से नियमानुसार आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। आगामी एक माह में पुन: समीक्षा बैठक रखने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा ने फील्ड में टीमों की संख्या बढ़ाने, उपभोक्ता जागरूकता गतिविधियों के प्रसार, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक्शन प्लान बनाने को कहा।

कंचन केसरी रिसॉर्ट में काम ले रहे थे एक्सपायरी खाद्य सामग्री

जयपुर । प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी. शुभमंगला के निर्देश पर सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा अजमेर रोड स्थित कंचन केसरी रिसॉर्ट पर कार्यवाही की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि टीम द्वारा रिसॉर्ट के किचन का निरीक्षण करने पर अनेक कमियां और अनियमितताएं पाई गई। मौके पर फ्रिज में रखा 18 लीटर लोटस ब्रांड दूध एक्सपायर पाया गया। वहीं ब्रेड के पैकेट और पिज़ा बेस जो लगभग एक माह पूर्व एक्सपायर हो चुके थे। इसमे फंगस लगी हुई थी। सोडा वाटर की 12 बॉटल डेढ़ माह पूर्व एक्सपायर हो चुकी थी। गोभी, गाजर, मटर, टमाटर आदि सड़ी गली सब्जियां भोजन तैयार करने में उपयोग में ली जा रही थी। फ्रिज में काफी दिन पहले तैयार की गई ग्रेवी एवं चटनी रखी हुई थी जो खाने योग्य नहीं थे। भोजन तैयार करने में फूड कलर का उपयोग किया जा रहा था जो कि नियमानुसार प्रतिबंधित है। टीम द्वारा मौके पर एक्सपायर एवं अनुपयोगी खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट करवाया गया। किचन में अत्यधिक गंदगी पाई गई। मौके पर पानी की जांच रिपोर्ट,स्टाफ के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट,पेस्ट कंट्रोल का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था। मौके पर पाई गई कमियों और अनियमितताओं के लिए फर्म को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही करते हुए नोटिस जारी किया जाएगा। इसके अलावा मौके से पनीर, ग्रेवी एवं घी में निर्मित गुलाब जामुन के नमूने लिए गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर एक्ट के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

'कांग्रेस सरकार की करतूतों पर कोर्ट की मुहर लगी'

जयपुर । राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने एसआई भर्ती 2021 पर राजस्थान उच्च न्यायलय के फैसले के संबंध में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी कोर्ट के हर फैसले का सम्मान करती है। हम इस फैसले का परीक्षण करेंगे।

उन्होंने कहा कि 2021 में हुई एसआई भर्ती परीक्षा के सारे घटनाक्रम पर कोर्ट ने टिप्पणी की है जो उस समय की कांग्रेस सरकार की करतूतों पर मोहर लगाने का काम करती है। कोर्ट ने कहा है कि जिस प्रकार इसमें आरपीएससी की संलिप्तता है। वह कहीं ना कहीं कांग्रेस सरकार में सत्ता के उच्च पदों पर आसीन लोगों भी मिलीभगत को प्रकट करती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी भी इस मामले में गिरफ्त में आए है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि 2021 से लेकर दिसम्बर 2023 तक ढाई वर्ष के अन्तराल में अभ्यर्थियों की मांग पर भी तत्कालीन सरकार द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की। भारतीय जनता पार्टी ने तब विधानसभा के पटल पर भी उच्चस्तरीय परीक्षण की बात रखी थी परंतु तत्कालीन कांग्रेस सरकार चुप रही।

''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत विदेश नीति से लेकर प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा''

लंदन/जयपुर (कासं)। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां लंदन में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा द्वारा आयोजित यूथ मीट एंड ग्रीट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुये। जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश में हुए विकास कार्यों और आत्मनिर्भर भारत को लेकर किया जा रहे कार्यों की बात रखी।

सतीश पूनियां के साथ महाराष्ट्र से विधायक देवयानी फरांडे, लेबर पार्टी के पूर्व सांसद वीरेंद्र शर्मा, ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा यूके के अध्यक्ष कुलदीप सिंह शेखावत सहित गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

भाजपा के हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने लंदन में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा द्वारा आयोजित ''यूथ मीट एंड ग्रीट 2025'' कार्यक्रम में शिरकत की।

पूनियां ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में पूरे विश्व में भारतीयों और उनके वीजा की साख बढ़ी है, लंदन प्रवास पर मुझे अपने भारतीयों एवं राजस्थानियों से मिलने का अवसर मिला, यह बात उन्होंने गौरवान्वित होकर मुझे बताई।

उन्होंने कहा कि, केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, जिसमें मेड इन इंडिया-मेक इन इंडिया पर सरकार बहुत मजबूती से कार्य कर रही है, जिसमें स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने से लेकर स्वदेशी आधुनिक हथियार बनाने, कृषि, पर्यटन, डेयरी, रोजगार, स्टार्टअप्स, उद्योग इत्यादि तमाम क्षेत्रों की मजबूती के लिये भी सरकार दूरदर्शी सोच के साथ आगे बढ़ रही है, साथ ही स्वाभिमान को सर्वोपरि रखते हुए भारत का बाजार पूरी दुनिया के लिए खुला हुआ है, वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ हमारा देश सुख-दुख में हर जरूरतमंद देश के साथ खड़ा रहता है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने मजबूत विदेश नीति से वैश्विक मंच पर स्वयं को मजबूत किया है और प्रत्येक क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

शिक्षा मंत्री जांचने पहुंचे तो स्कूलों में आधे से ज्यादा स्टॉफ मिला गैरहाजिर

- **बनीपार्क स्कूल में राष्ट्रगान के दौरान इधर-उधर घूम रही शिक्षिकाओं पर कार्रवाई करने के निर्देश**

जयपुर (कासं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरूवार को राजधानी जयपुर के स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। मंत्री प्रात: काल 7:40 बजे अचानक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बनीपार्क पहुंचे। मंत्री मदन दिलावर ने सबसे पहले विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति की जांच की। बनीपार्क विद्यालय में कुल 37 कार्मिक पदस्थापित है। जिसमें से केवल 7 शिक्षक ही विद्यालय में उपस्थित मिले। प्रधानाचार्य सुनीता मल्होत्रा बिना सक्षम स्तर से अनुमति लिए अवकाश पर मिली।

वहीं प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रगान शुरू होने पर आयशा अजीज, वरिष्ठ अध्यापिका तथा पुष्प लता पांडे व्याख्याता संस्कृत सावधान की मुद्रा में खड़े होने के बजाय यहां-वहां घूमती नजर आई, जिस पर मंत्री मदन दिलवार ने इनके खिलाफ कार्यवाही करने के सक्षम अधिकारियों को निर्देश दिए है।

विद्यालय परिसर में साफ सफाई का भी अभाव नजर आया। स्कूल के कमरों में जाले लगे थे तथा विद्यालय परिसर में स्थित शौचालय में गंदगी के ढेर मिले। इसके बाद मंत्री मदन दिलावर पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गणगौरी बाजार पहुंचे। जहां अधिकांश शिक्षकों के पास कक्षा कक्ष में मोबाइल मिला। जिस पर मंत्री ने नाराजगी जाहिर की। मंत्री दिलावर ने कहा कि यह स्थाई आदेश पूर्व में जारी है कि कोई भी शिक्षक विद्यालय परिसर में कक्षा में मोबाइल का प्रयोग नहीं करेगा उसके बावजूद विद्यालय में इतनी बड़ी संख्या में शिक्षक मोबाइल स्कूल में लेकर आ रहे हैं।

मोबाइल लेकर स्कूल में आए शिक्षकों में रीना, गोपाल शर्मा वरिष्ठ अध्यापक गणित, पूनम कुमावत वरिष्ठ अध्यापक अंग्रेजी, सोनल अग्रवाल, सुनीता शर्मा वोकेशनल टीचर, पूनम मंगल व्याख्याता, अनीता पीटीआई शामिल है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में मोबाइल की जांच पुन: प्रारंभ की जाए और जिन भी अध्यापकों के पास मोबाइल मिले उन पर कार्यवाही की जाए। सरकार के आदेशों की अवहेलना किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्कूल की शिक्षिका ललिता यादव के अधिकांश समय अवकाश पर रहने की जानकारी मिली। मेडिकल लगाने की भी जांच के मंत्री ने निर्देश दिए। इसी विद्यालय की पीटीआई अनीता पर भी शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार करने की शिकायत मिली है। अनीता गत 22 जून को ही उदयपुर से डेप्युटेशन पर इस विद्यालय में लगी है। इसके बाद मंत्री दिलावर ने गणपति नगर के महात्मा गांधी स्कूल का निरीक्षण किया। इस विद्यालय मे 24 में से मात्र 12 शिक्षक ही उपस्थित मिले। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बनीपार्क में न्यायालय के द्वारा स्टे लेकर प्रधानाचार्य पद पर लगी संध्या शर्मा दो तीन दिन स्कूल आती है और आगे की उपस्थिति लगाकर चली जाती है। स्कूल में नियमित नहीं आती। मंत्री ने निरीक्षण की पूरी रिपोर्ट मांगी है।

ARBiT it happens here...

Refreshing Vibes on National Lemon Juice Day

Celebrated on August 29, National Lemon Juice Day honours the zesty, tangy essence of one of nature's most versatile fruits. Whether used in refreshing summer drinks, salad dressings, marinades, or detox routines, lemon juice adds a vibrant kick to everyday life. This day encourages people to celebrate the simple power of citrus, packed with vitamin C and natural cleansing properties. From a chilled lemonade to a warm honey-lemon tea, it's a reminder of how one small fruit can bring big flavour and health benefits. Raise a glass of something citrusy and toast to the zing of lemon!

राष्ट्रदूत
FRIDAY
29 August 2025
A-B

#MISSION LADY

Trailblazer in the Sky

Sqn Ldr Priya Sharma from Jhunjunu Joins IAF Chief for the last, 'good bye Historic MiG-21' Sortie

On a defining day for Indian military aviation, Chief of the Air Staff, Air Chief Marshal Amar Preet Singh, took to the skies in a MiG-21 from Nal Air Force Station, Bikaner - marking one of the final ceremonial sorties for the iconic jet. Flying alongside him was Squadron Leader Priya Sharma, one of the Indian Air Force's pioneering women fighter pilots.

The flight symbolized not only the farewell to an aircraft that shaped IAF history but also the emergence of a new generation of pilots - with Sqn Ldr Sharma standing tall as a representative of India's evolving air combat landscape.

What Happened at Nal - And Why It Mattered

With the IAF preparing to formally retire its last two MiG-21 squadrons, the Air Chief's tribute sortie at Nal was both ceremonial and symbolic. Flying in formation with Sqn Ldr Priya Sharma, he honored the aircraft's six-decade legacy while spotlighting the future - embodied by pilots like Sharma now leading the next chapter.

The formal de-induction ceremony is slated for late September in Chandigarh, where the MiG-21 was first inducted into IAF service in 1963.

MiG-21: A Legendary Farewell

First introduced in the 1960s, the MiG-21 was a mainstay of Indian air power, participating in major conflicts including the 1965 and 1971 wars, the Kargil conflict, and numerous peacetime operations. While upgrades like the Bison variant extended its operational life, the MiG-21 is now set to be replaced by more modern platforms such as the indigenous HAL Tejas Mk-1A.

Who is Squadron Leader Priya Sharma?

Commissioned in December 2018, Priya Sharma was India's 7th woman fighter pilot - and the third from Rajasthan's Jhunjhunu district. A B.Tech graduate from IIT-Kota, Sharma was inspired by her father, an IAF veteran, to pursue a career in combat aviation. Her commissioning drew national attention and marked a significant milestone in the IAF's integration of women into fighter roles.

Why This Sortie Was Historic

- **A Powerful Symbol of Transition:** Flying alongside the Air Chief during the MiG-21's farewell represents a bridge between eras - bidding goodbye to a legendary aircraft while welcoming a new generation of pilots who reflect the IAF's growing diversity.
- **An Inspiration for Future Aviators:** Sharma's journey - from aspiring pilot in 2018 to co-piloting this historic flight - offers a compelling example for young women across India considering a career in the skies.

Notably, she once expressed a dream to fly the MiG-21. Seven years later, she helped write its final chapter.

Women in Combat Aviation: A Rising Force

Since the commissioning of the first three women fighter pilots in 2016, the IAF has steadily expanded opportunities for women in combat roles. Priya Sharma's prominent participation in this milestone sortie reflects a shift toward normalization rather than exception. For today's cadets, the path she helped carve is broader, more accessible, and emblematic of a force in transformation.

The image of Sqn Ldr Priya Sharma flying in formation with the Chief of the Air Staff on the MiG-21's final operational day captures a moment that is both nostalgic and forward-looking. It honors an aircraft that defined an era - and highlights the aviators poised to define the next.

Almost Not So Sporting Davis Cup

On the same weekend that India was playing the quarterfinals against Israel, the United States was playing West Germany in a relegation tie. Boris Becker complained about the 'pro-American frenzy' in Hartford, Connecticut, and how his teammates felt like 'political prisoners in a foreign court.' The Los Angeles Times compared the atmosphere in Hartford with that in India. "Boom Boom, you should have seen New Delhi," the newspaper said. "At New Delhi, site of the India-Israel Davis Cup quarterfinal, there were stun guns, sub-machine guns, sharpshooters posted on buildings, and blockades at every entrance."

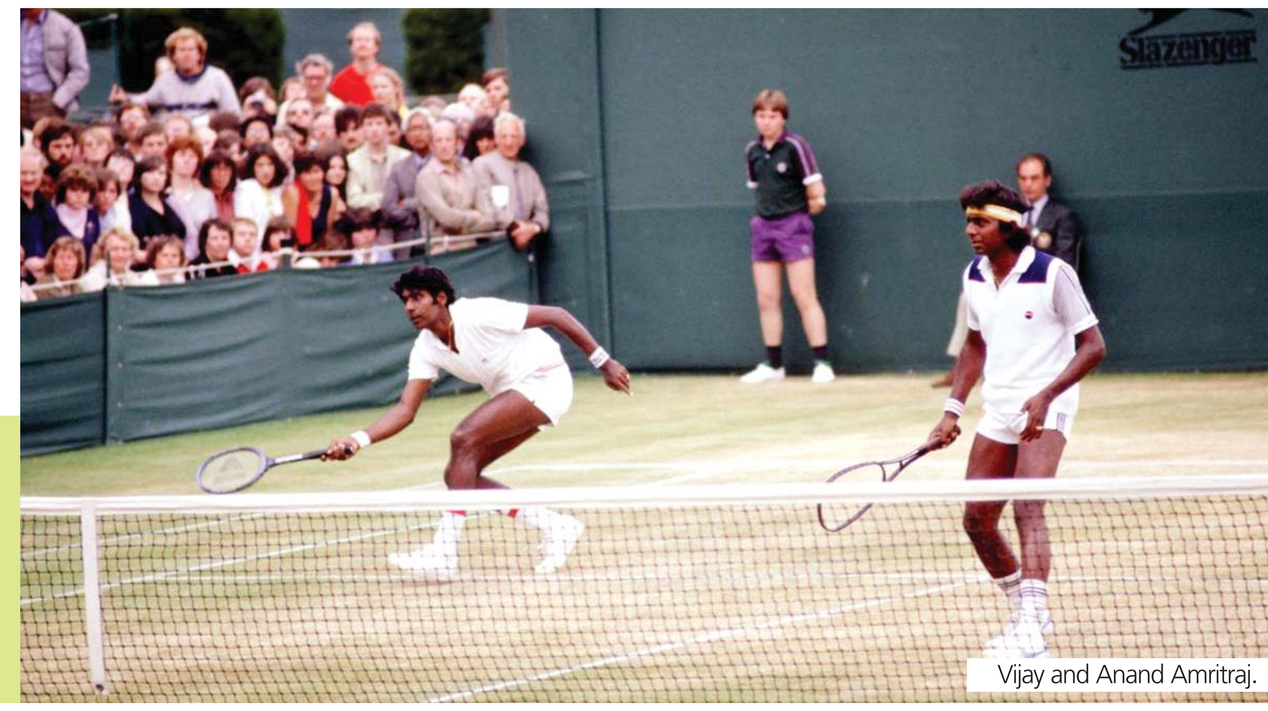

Vijay and Anand Amritraj.

#SPORTING

Ajay Kamalakaran

In March 1987, New Delhi hosted one of the most thrilling Davis Cup ties of all time. The odds were against India. It was down two matches to one against the visiting Argentines, and its ageing superstar Vijay Amritraj was facing match point in the fourth set of the fourth match against Martin Jaite, who had defeated German sensation Boris Becker a year earlier.

Somehow, Amritraj, 33, mustered enough calm and strength to overcome his highly favoured 23-year-old opponent to win the fourth set 8-6 and then the fifth set and match. After that, Ramesh Krishnan took care of business, clinching India one of its most famous tennis victories and sending it into the quarterfinals. But where there should have been unqualified joy, there was some anxiety.

India's next adversary was Israel.

At the time, India was one of the staunchest supporters of the Palestinian cause and many Indians opposed letting Israelis take part in the Davis Cup in India. The government too was unsure. Apart from its principled political stand on the Palestinian cause and its ties with the Arab world, the administration was worried about maintaining law and order in Delhi.

In the past, India had taken a principled stand even when it came at a heavy cost. In 1974, it had reached the final of the Davis Cup but forfeited the match, and ceded the trophy, to protest against its opponent South Africa's repressive Apartheid policies. Should it do the same? That was the question.

Amritraj summed up India's dilemma when he told reporters: "As soon as we beat Argentina, everybody thought there was no way the tie against Israel was going to be played. It was kind of disheartening. As soon as you have a big win, everybody keeps writing, 'Well, too bad. We've come up against Israel after such a great win.' All the world over, it was said 'That match won't be played.'"

Amritraj, who helped the 1974 team reach the Davis Cup final, had supported the boycott of Apartheid South Africa, saying, "It was absolutely the right decision." But in 1987, nearing the end of his sporting career, he voiced support for India's participation.

The government too switched its stand. Threatened with a $10,000 fine and a three-year suspension, it allowed Israeli players to travel to India to take part in the quarterfinals.

Angry protests

India had a complex relationship with Israel in its early independent years. On one hand, it officially recognised the state of Israel in 1950, but on the other, it steadfastly refused to establish full diplomatic relations with the country. In the sporting arena, too, the boundaries could be blurry for decades.

In 1962, when Indonesia barred the Jewish state, along with Taiwan, from participating in the Jakarta Asian Games, the veteran Indian sports administrator Guru Dutt Sondhi, who founded the Asian Games Federation, was among those who spoke out against the decision. He proposed that the title 'Asian Games be withdrawn from the meeting' and added, "I am fighting for a principle and I will uphold it even if I have to resign from sports for the rest of my life."

1987 Davis Cup team members.

> India's next adversary was Israel. At the time, India was one of the staunchest supporters of the Palestinian cause and many Indians opposed letting Israelis take part in the Davis Cup in India. The government too was unsure. Apart from its principled political stand on the Palestinian cause and its ties with the Arab world, the administration was worried about maintaining law and order in Delhi. In the past, India had taken a principled stand even when it came at a heavy cost. In 1974, it had reached the final of the Davis Cup but forfeited the match, and ceded the trophy, to protest against its opponent South Africa's repressive Apartheid policies.

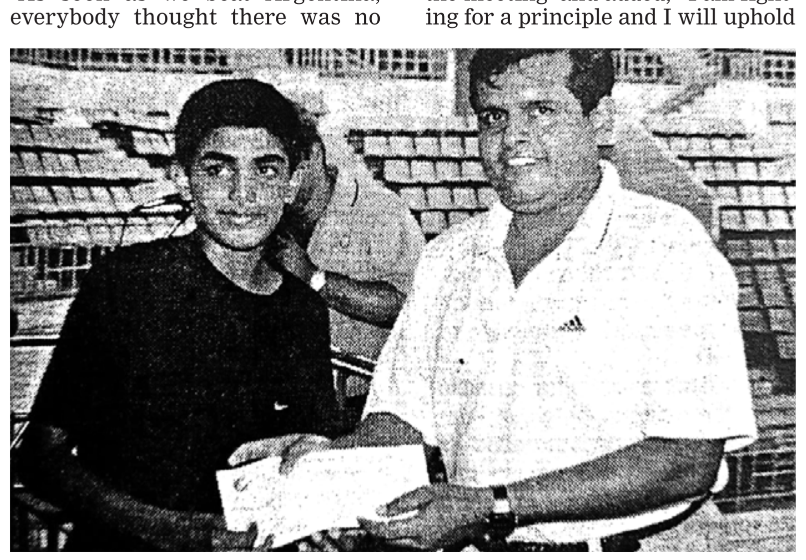

Indian Davis Cup Captain, Ramesh Krishnan, giving away the Promising Player Award to G P Prajnesh.

Sondhi's comments made him extremely unpopular in Jakarta. Angry protests broke out against him, necessitating police protection, and when the mobs attacked the Indian embassy, he was forced to flee Indonesia.

Two years later, India was one of the four participating teams when Israel hosted the Asian Cup football tournament. Israel won that competition, with India finishing second.

By the 1970s, though, India's position hardened. Israel was not allowed to participate in the World Table Tennis Championship in Calcutta in 1975. Six years later, it was barred when the Asian Games Federation was reorganised into the Asian Olympic Council, which meant Israel could not take part in the 1982 Asian Games in Delhi. In 1986 again, India supported not letting Israel participate in the Seoul Asian Games. And the next year, it barred Israelis from competing in the World Table Tennis Championship in New Delhi.

Cold welcome

It was Vijay Amritraj who swung the needle in 1987. He convinced the Rajiv Gandhi government that the $10,000 fine and three-year suspension were too high a price for India to pay, and therefore, the Israeli tennis team should be allowed to participate in the Davis Cup tie in Delhi.

The Palestinian Liberation Organization, which represented the Palestinian people, protested India's decision. Its leader, Yasser Arafat, made fervent appeals to not allow the tie, but it had no effect.

The Jerusalem Post claimed in July 1987 that Arafat was 'concerned that the tournament could be the first move in a thawing of the chill that has characterized Israeli-Indian relations for almost 40 years.'

But this was hardly the case. India's real motivations were well known to the Israeli authorities. "The Indians are simply afraid of the stiff punishment imposed by the Lawn Tennis Association," Zvi Meir, director of Israel's tennis governing body, told the Associated Press.

When the Israeli tennis players landed in India, they found the welcome less than warm. The players were given restricted visas that were valid for two weeks and had to practice on grass courts in Britain before coming to India. India also did not allow Israeli fans to come and watch the matches in Delhi. Even those Israelis who managed to get Indian visas were denied entry in the lead-up to the tie.

Fourteen Israeli tourists who were on a tour of the Far East were forced to spend a night in the transit lounge of the Delhi airport as their visas were revoked and they were denied entry a week ahead of the match. Israel's Foreign Minister, Shimon Peres, called the action 'scandalous.'

Another group of 13 Israelis, comprising sports journalists and fans, chose not to attend the Davis Cup as their local contact in Delhi told them that India's Foreigners Regional Registration Office was withholding landing permits for Israeli groups, pending a blanket approval from the Home Ministry.

Heightened security

Security was stepped up across Delhi before the Davis Cup quarterfinals. The authorities were worried about potential attacks by Palestinians as well as student protests. At a time when this was not the norm, spectators were frisked at the stadium and had to pass metal detectors.

On the same weekend that India was playing the quarterfinals against Israel, the United States was playing West Germany in a relegation tie. Boris Becker complained about the 'pro-American frenzy' in Hartford, Connecticut, and how his teammates felt like 'political prisoners in a foreign court.'

> But this was hardly the case. India's real motivations were well known to the Israeli authorities. "The Indians are simply afraid of the stiff punishment imposed by the Lawn Tennis Association," Zvi Meir, director of Israel's tennis governing body, told the Associated Press. When the Israeli tennis players landed in India, they found the welcome less than warm. The players were given restricted visas that were valid for two weeks and had to practice on grass courts in Britain before coming to India. India also did not allow Israeli fans to come and watch the matches in Delhi.

The Los Angeles Times compared the atmosphere in Hartford with that in India. "Boom Boom, you should have seen New Delhi," the newspaper said. "At New Delhi, site of the India-Israel Davis Cup quarterfinal, there were stun guns, sub-machine guns, sharpshooters posted on buildings, and blockades at every entrance."

There was, however, no tension on the court, at least for the Indian players. India won the tie 4-0 with its players not losing even a single set. Israel was counting on Amos Mansdorf, but the 21-year-old was no match for Krishnan or Amritraj.

"They never really knew how good I could, or had, played," Amritraj told reporters after the match. "Anand (his brother and doubles partner) said to me, 'You are from a different generation, so the young guys don't know you.' He (Mansdorf) was probably too young to have even been a ball boy at one of my matches."

While there were protests by students in the streets of Delhi, the crowds in the stadium were pleasant. "They never let us forget it was still a tennis match," Amritraj said. "Our practice was not hampered. The crowds were no different during the match."

In October, India defeated the heavily-favoured Australia in Sydney and made it to the final in Gothenburg. Unfortunately, their opponent was a strong Swedish team, featuring Mats Willander and Anders Järryd. India lost the final 5-0.

Meanwhile, the relations between India and Israel remained patchy. In 1988, India was scheduled to play against Israel in Israel in the relegation round of the Davis Cup but the Indian government decided to boycott the tie because of 'Israel's repression of Palestinian protests in the occupied territories.' It made the decision after at least 100 Palestinians protestors were killed by Israeli troops in 1987-'88.

Despite appeals by the Israel foreign ministry, which said it was the country's 'longstanding policy' that 'sports and politics should not be mixed,' India went ahead with the boycott and got relegated. It would take the country another five years to get back to the elite World Group, when a new sensation by the name of Leander Paes powered India to an unlikely semifinal run by defeating Switzerland and France. India and Israel established full diplomatic relations on January 29, 1992.

rajeshsharma1049@gmail.com

Vasudevan Srinivasan, Anand Amritraj and Ramesh Krishnan.

#SADHANA GARG

Not Today-Some Other Day

The Kaddu Saag, that is traditionally had with dal stuffed Bedwi, was served with masala Puri.

The Purvanchal food festival, currently in full swing at Monarch, the world cuisine restaurant at Holiday Inn City Centre, is a happy mix of Awadhi, Mughlai, Bhojpuri, Bihari food specialities, as is always the case in 'mixes,' not without drawbacks. Broadly speaking, the food could be divided into vegetarian and non-vegetarian categories. The Handi mutton and Biryani need special mention, tender and flavoursome and it was cooked to perfection in a rural style. The Champaran mutton, well marinated in mustard oil and ginger onion garlic paste, slow dum cooked in an earthenware pot, locked in all the flavours. Said Mandar Sharma, an upwardly mobile digital nerd,

"The mustard fish was an absolute revelation I have searched for the flavour done right for a while and this was it, tender, flaky with perfect kick of mustard balanced with the right amount of spices."

The mutton curry was rich, hearty with tastes that layered and lingered on palate.

The mutton seekh had that smoky char, juicy and soft, every bite felt like an indulgence.

In the snacks, kesari chicken was a real surprise, warm note of saffron with thickness of cream, on the sweeter side with gentle spices

Absolutely loved the tava shallow fried tomatoes, tangy, caramelizes and bursting with rustic charm, add to it onions, namkeen, dhania and lemon. Simplicity and taste at its best!

At the entrance was the Benarsi chaat station, though one must say if the Puchkas were somewhat ordinary, the tamatar chaat, a popular Benarsi street food, was made up for the former. Bihars' Litti Chokha must have been toned down to accomodate the in-house foreign guests. The Allahabadi masalaon Ka Soya Chaap with Paneer Kasundi fingers were good as starters.

The Dum Aloo from Benaras, the Nadroo Kofta curry, Kali Puranvanhali Daal, Matka Chole all lent a regional flavour. Though, the latter could have done with a generous helping of finally chopped ginger, green chillies and fresh parsley, a quintessential feature of Banarasi cuisine. The Shahi Malai Mattar had a runway gravy with a tad too much of the sweet flavour.

The Kaddu Saag, that is traditionally had with dal stuffed Bedwi, was served with masala Puri. The Mirchi Parantha was a pleasant surprise.

The Lucknow Kesar Pista Zarda left much to be desired. The vermicelli were too thick. The original way is to use the hair thin, handmade vermicelli, which when boiled in milk, till it gets a silky smooth texture, is what makes a good zarda and not something that feels chewy.

The Thekuas, too, were like Shakar paras and not the size or the taste that an authentic Thekua is, a sweet dish iconic of Southern Nepal, Bihar and Purvanchal.

So, if you do want to savour the Purvanchal cuisine, you might get lucky, if you go on another day as they normally have dynamic menu.

THE WALL

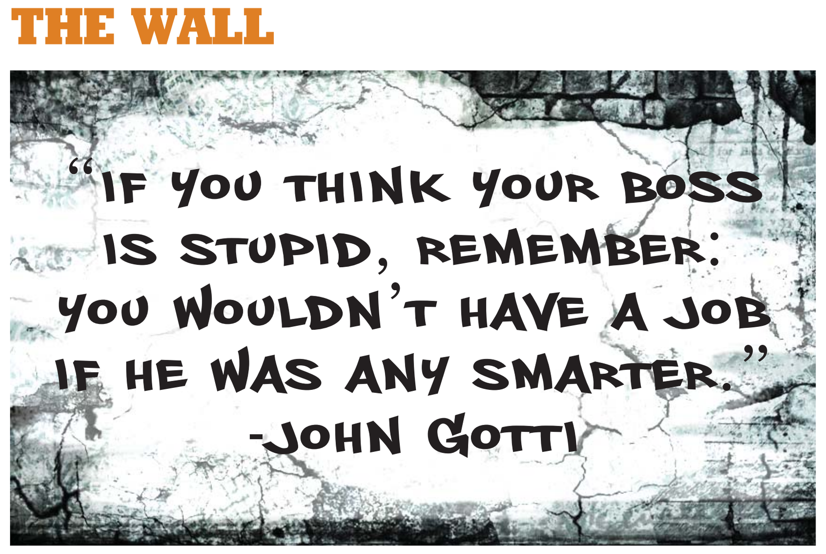

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

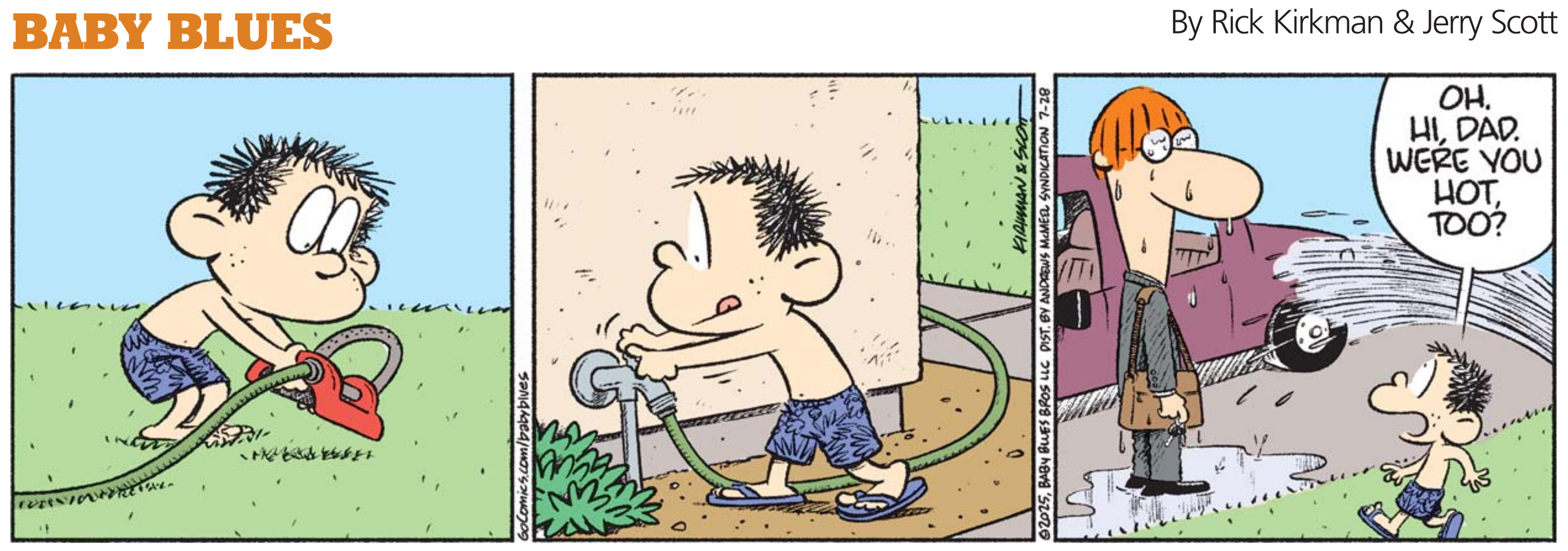

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

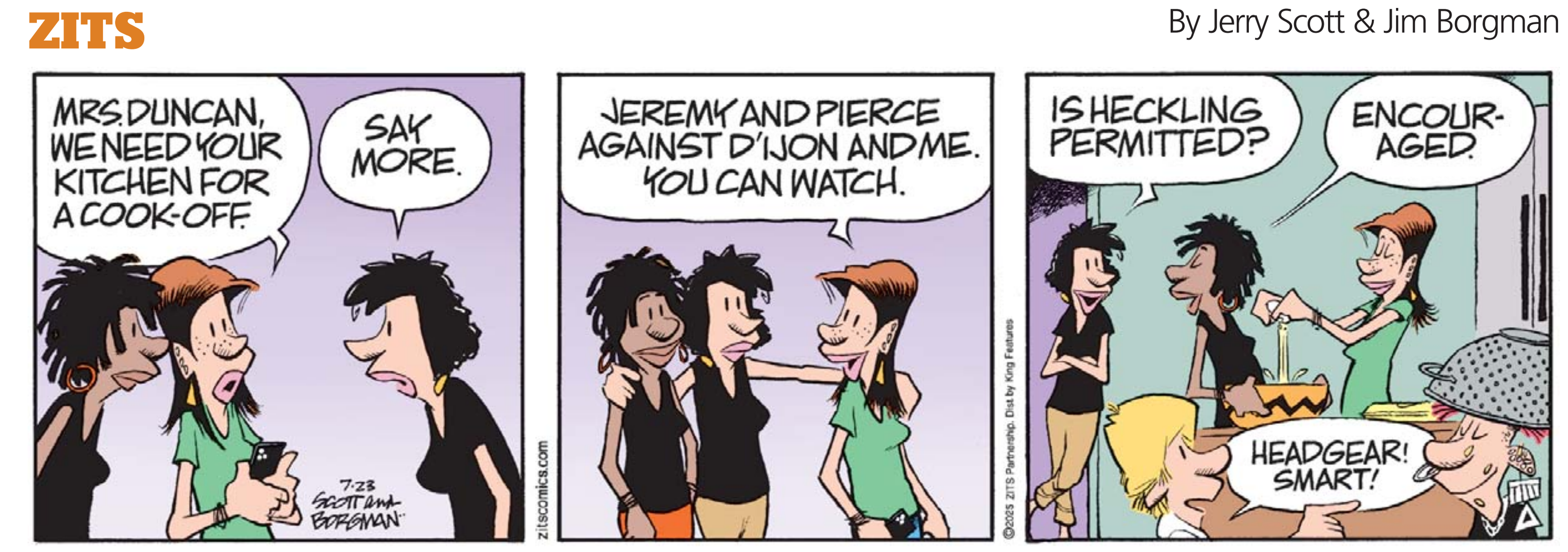

लगातार बारिश से खेतों में खड़ी मूंग और मोठ की फसलें नष्ट, किसान निराश

चेलाना बास व खुड्डी गांव में खेतों में खड़ी फसलें बरसात के पानी में गलकर नष्ट हुई

सादुलपुर, (निसं)। लगातार बारिश होने के कारण खेतों में खड़ी मूंग और मोठ की तैयार फसलें नष्ट होने से किसानों की उम्मीद पर पानी फिर गया है। रही-सही कसर बुधवार शाम को हुई बारिश ने पूरी कर दी। गुरूवार को किसानों ने दी कि उनके खेतों में खड़ी तैयार मूंग और मौठ की फसलें गलकर नष्ट होने लगी है। फसलों को देखकर किसान दुखी है। हाल यह है कि ना तो फसलों को कटाई कर सकते हैं और ना ही फसलों की पैदावार ले सकते हैं। निकटवर्ती गांव चेलाना बास में सैकड़ों ग्रामीणों के खेतों में खड़ी तैयार मूंग और मोठ की तैयार फसलें किसानों की आंखों के सामने नष्ट हो गई।

खेतों में मूंग व मोठ की भारी बरसात से नष्ट हुई फसल को दिखाते किसान।

किसानों ने बताया कि बारिश ने किसानों के सपनों को चकनाचूर कर दिया तथा हाल यह है कि वर्तमान समय में फसलों की लागत मिलना भी मुश्किल है। मेहनत और लागत दोनों पानी में डूब गए। सरपंच नत्थूराम रंगा ने बताया कि गांव चेलाना बास सहित गांव खुड्डी में भी किसानों की फसल बारिश के कारण खराब हो गई है। गांव के रामसिंह काजला, माईराम उमेद सिंह, चंदगी राम, खेमाराम होशियार सिंह व हनुमान सिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि बारिश ने खरीफ की प्रमुख फसल मूंग और मोठ को गम्भीर नुकसान पहुँचाया है। किसानों का कहना है कि शुरुआती बरसात से फसल लहलहा रही थी और अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अगस्त के अंतिम सप्ताह में हुई मूसलाधार वर्षा ने सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। किसानों के अनुसार, कई खेतों में पानी भर जाने से मूंग की फसल पूरी तरह डूब गई, जिससे फसलों की जड़ें सड़ने लगीं और दाना खराब हो गया। वहीं, कई ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों द्वारा काटकर खुले में रखी गई मूंग की फलियां और दाना भीगने से जमीन पर गिर पड़े और अंकुरित हो गए। इस कारण तैयार फसल बर्बाद हो गई। किसानों ने बताया कि इस बार उन्होंने मूंग की खेती में अधिक लागत लगाई थी और मंडियों में अच्छे दाम मिलने की उम्मीद की थी, लेकिन भारी बारिश ने उनका सपना तोड़ दिया। किसानों ने बताया कि फसलों को लट और किट से बचाने के लिए हजारों रुपए की लागत का खेतों में स्प्रे कर दिया था।

- किसानों ने मूंग की खेती में अधिक लागत लगाई थी और मंडियों में अच्छे दाम मिलने की उम्मीद की थी

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार, 15 बाइक बरामद की

राजतालाब थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया।

- आरोपी ने बांसवाड़ा शहर के कोतवाली एवं राजतालाब थाना क्षेत्र के साथ ही अहमदाबाद से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया
- इन वारदातों में दो नाबालिग बालकों की संलिप्ता भी बताई जो अभियुक्त के लिये रैकी करते व अन्य सहायता प्रदान करते थे

बांसवाड़ा, (निसं)। बांसवाड़ा पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार कर 15 मोटरसाइकिलें बरामद की है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि लगातार हो रही चोरियों को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी संसाधनों सीसीटीवी फुटेज एवं सूचनाएं एकत्रित कर यह कामयाबी दर्ज कराई है। गत 13 जुलाई को बाबा बस्ती निवासी दीपक पुत्र नाथू लाल ने रात्रि में मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट राजतालाब थाने में दर्ज कराई थी। शहर में चोरी के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने प्रकरण का शीघ्र खुलासा कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसी क्रम में एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी गोपीचंद मीणा के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी देवीलाल एवं पुलिस जाब्ते की टीम गठित की गई। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज एवं आसूचनाएं संकलित कर संदिग्ध आरोपी अनिल पुत्र हकरू चरपोटा निवासी पाराहेड़ा थाना गढ़ी को डिटेन कर पूछताछ कि तो अनिल ने बांसवाड़ा शहर के कोतवाली एवं राजतालाब थाना क्षेत्र के साथ ही गुजरात के अहमदाबाद से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। इन वारदातों में दो नाबालिक बालकों की संलिप्ता भी बताई जो अभियुक्त के लिये रैकी करते व अन्य सहायता प्रदान करते थे। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए 15 मोटरसाइकिल उसके निवास पाराहेड़ा, ससुराल रोहाल एवं गोपीनाथ का गढ़ा से बरामद की।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि कुछ मोटरसाइकिलें गिरवी रखी है तो कुछ बेच दी है। पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है। बरामद हुई मोटरसाइकिलों में तीन गुजरात के अहमदाबाद की भी है। पुलिस टीम में थानाधिकारी राजतालाब देवीलाल, उप निरीक्षक गंगाराम, हेड कांस्टेबल मदनलाल, गौतम लाल, कांस्टेबल दिलीप कुमार, कमलेश, सुभाष, सविलाल, सिद्धराज सिंह, मधुराज सिंह शामिल रहे। इस मामले के खुलासे में हेड कांस्टेबल मदनलाल का विशेष योगदान रहा।

भालू ने हमला कर दो व्यक्तियों को घायल किया

- फुलवारी की नाल अभयारण्य की घटना, घायलों को उदयपुर रेफर किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के फुलवारी की नाल अभयारण्य में एक भालू ने दो व्यक्तियों पर हमला कर दिया। घटना फलासिया पंचायत समिति के गांव धरावण स्थित फुलवारी की नाल अभयारण्य वनखंड क्षेत्र की है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार बुधवार देर शाम भालू ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इसमें मोतीलाल (35) पुत्र भीमराज खराडी तथा मोहनलाल (40) पुत्र कालू खराडी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल अपने बैल को खोजने जंगल में गए थे। भालू के सामने आते ही दोनों ने बचने की कोशिश की, लेकिन भालू ने हमला बोल दिया। वे वहां से जैसे-तैसे भागे। सबसे पहले दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलासिया में ले गए। यहां पर प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद उनको उदयपुर रेफर किया गया है। दोनों के सिर पर गंभीर चोट लगी है। साथ ही शरीर पर जगह चोट के निशान हैं। पानरवा वन क्षेत्र के रेंजर राजेश ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम को मौके पर सतर्क कर दिया गया है और आसपास के क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। घायल मोतीलाल ने बताया कि एक सप्ताह पहले से बैल घर नहीं आया। रोज उसे खोज रहे थे। बुधवार की शाम को घर के पास ही पहाड़ी पर गए थे। शाम करीब साढे चार बजे बैल को खोज रहे थे। इस दौरान भालू ने मोहनलाल पर हमला कर दिया। मोतीलाल बचने के लिए भागा। इस दौरान भालू ने मोतीलाल के सिर पर हमला कर दिया। इससे सिर और कान को चोट पहुंची। मोतीलाल ने बताया जब मैं मोहनलाल को बचाने गया तो भालू ने मुझ पर भी हमला कर दिया। दोनों ने शोर मचाया तब भालू जंगल में भाग गया। मोतीलाल के हाथ और पैर में चोट आई। पैर में 12 टांके आए हैं।

तीन भाइयों के घरों से 28 तोला सोना व नकदी चोरी

- डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम को बुलाया

नोखा, (निसं)। पांचू थाना क्षेत्र के कूदसू गांव में एक ही बाड़े में स्थित तीन भाइयों के घरों में चोरी की वारदात सामने आई है। हरीराम विश्नोई ने पांचू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घटना रात करीब एक बजे की है। तीनों भाई खेत में ट्यूबवेल पर रहते हैं। घटना के समय हरीराम के घर में उनकी मां मधी देवी और बेटा धीरज थे। बाकी दो भाइयों राजाराम और जगदीश के मकान ताला लगाकर बंद थे। चोरों ने हरीराम के दो कमरों के ताले तोड़कर दो बक्सों को उठा लिया। बक्से खेड़ी में टूटे हुए मिले। इनमें से दो सोने के हार, तीन सोने के झुमके, दो सोने की चेन, आठ जोड़ी चांदी की पायजेब और 53 हजार रुपए चोरी हो गए।

राजाराम के मकान से चोर दो जोड़ी चांदी की पायल, एक सोने की अंगूठी और दो हजार रुपए नकद ले गए। जगदीश के मकान से सोने का बाजूबंद चोरी हुआ। चोरों ने तीनों घरों में रखा सामान भी बिखेर दिया। सुबह पांच बजे मधी देवी को टूटे ताले दिखे। उन्होंने फोन कर तीनों भाइयों को सूचना दी। मौके पर चोरों के पैरों के निशान मिले हैं। थानाधिकारी रामकेश मीणा ने घटनास्थल का मुआयना किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। चोरों की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

सात लाख का अवैध डोडा-पोस्त पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती रोड पर पुलिस ने एरिया डोमिनेशन चलाया। एक स्वीफ्ट कार को आते देख रूकने का इशारा किया। चालक पुलिस की नाकाबंदी देखकर भागने लगा। उसका पीछा कर पकड़ा तो कार की तलाशी में सात लाख रूपए की कीमत का 45 किलो से ज्यादा अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। कार में सवार दो युवकों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया। मामला कुड़ी भगतासनी थाने में दर्ज हुआ है।

थानाधिकारी हमीरसिंह ने बताया कि गोरा होटल-सरदारसमंद रोड पर नाकाबंदी की गई। इस बीच एक स्वीफ्ट कार आते दिखाई दी तब उसे रूकने का इशारा किया गया। इसका चालक पुलिस की नाकाबंदी को देखकर भागने लगा। तब पुलिस की गाड़ी ने पीछा कर कार को पकड़ा। कार में सवार दो युवकों मालूंगा मथानिया निवासी स्वरूपसिंह पुत्र गुमानसिंह एवं खुडियाला चामू निवासी भंवरसिंह पुत्र हनवंतसिंह सवार थे। पूछताछ के साथ कार की तलाशी ली गई। कार में 45 किलो 642 ग्राम अवैध-डोडा पोस्त मिला। इस पर दोनों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। थानाधिकारी हमीरसिंह ने बताया कि आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि यह लोग कार लेकर नीमच मंदसौर गए थे, जहां से तीन कट्टों में भरकर यह डोडा-पोस्त लाया गया। यह कहां पर सप्लाई किया जाना था, इस बारे में अग्रिम जांच की जा रही है। कार आरोपी भंवर सिंह की खुद की है।

जिम ट्रेनर द्वारा छात्रा से दुष्कर्म मामले में लोगों का विरोध-प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के फतहपुरा क्षेत्र में स्थित निजी स्कूल में जिम ट्रेनर द्वारा 13 साल की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में गुरुवार को यूथ कांग्रेस सहित विभिन्न संगठनों ने स्कूल गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। स्कूल गेट के बाहर एकत्रित लोगों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर स्कूल के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि तीन दिन बाद भी आरोपी जिम ट्रेनर को क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची, जिन्होंने स्कूल में बच्चियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। स्कूल का गेट बंद था। आक्रोशित लोग वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान यूथ कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में ऐसी गंदी हरकत पर पेरेंट्स को स्कूल का बॉयकाट करना चाहिए। माहौल गरमाता देख डिप्टी कैलाशचंद्र, अंबामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी, बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित जाब्ते के साथ तैनात रहे। दिनभर स्कूल के बाहर माहौल को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा।

जानकारी के अनुसार गत दो दिन पूर्व अंबामाता थाने में फतहपुरा स्थित स्कूल में जिम ट्रेनर द्वारा छुट्टी के दिन एक 13 वर्षीय छात्रा को वेट लिफ्टिंग की ट्रेनिंग के बहाने स्कूल बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। पुलिस में दर्ज शिकायत अनुसार बारिश के कारण स्कूल में अवकाश घोषित था, लेकिन छात्रा को इसकी जानकारी नहीं थी। परिवार का आरोप है कि जब बच्ची स्कूल पहुंची तो वहां जिम ट्रेनर के अलावा कोई नहीं था। ट्रेनर छात्रा को जिम के अंदर ले गया। उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया और वीडियो बनाई। बुरी तरह से सहमी छात्रा जब घर पहुंची तो परिजनों को घटना के बारे में बताया और पुलिस में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। तीन दिन बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आने से आज आक्रोशित लोगों ने स्कूल गेट पर विरोध प्रदर्शन किया और गिरफ्तारी की मांग की।

80 लाख रुपये की अवैध शराब पकड़ी, एक गिरफ्तार

- सीमेंट टैंकर को कटर से काटकर शराब निकाली, हरियाणा से गुजरात सप्लाई के लिए जा रही थी

सीकर, (निसं)। सीकर की गोकुलपुरा थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने गोकुलपुरा थाना इलाके में अवैध शराब के कार्टन से भरा एक सीमेंट टैंकर पकड़ा है। इसमें करीब शराब के 800 से ज्यादा कार्टन रखे हुए थे। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया है। अवैध शराब की कीमत करीब 80 लाख रुपए से ज्यादा है। अवैध शराब हरियाणा के जींद से गुजरात ले जाई रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार गोकुलपुरा थाना पुलिस को डीएसटी टीम इंचार्ज वीरेंद्र यादव और कांस्टेबल हरीश के जरिए सूचना मिली कि हरियाणा के जींद से भरा अवैध शराब का एक टैंकर गुजरात की तरफ जा रहा है, जो इलाके से होकर गुजरेगा। इस सूचना पर डीएसटी टीम और गोकुलपुरा पुलिस ने रामू का बास तिराहे से पहले संदिग्ध टैंकर को रुकवाया। जब उस सीमेंट टैंकर की तलाशी ली गई तो उसमें अवैध शराब के कार्टन मिले। इसके बाद पुलिस ने आरोपी ड्राइवर बाड़मेर निवासी हनुमानराम पुत्र बिरमाराम को हिरासत में ले लिया।

इसके बाद टैंकर को गोकुलपुरा पुलिस थाने लेकर आई। यहां कटर के जरिए टैंकर को कटवाया गया और उससे शराब के कार्टन खाली करवाए। टैंकर में ऑल सीजन, रॉयल स्टैग सहित अन्य अंग्रेजी शराब के कार्टन हैं। यह शराब पंजाब निर्मित है। जिसकी गुजरात में सप्लाई होनी थी। तस्करी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद डीएसटी टीम इंचार्ज वीरेंद्र यादव, कॉन्स्टेबल हरीश, सुनील और ड्राइवर सुरेंद्र तीन दिन से इस संबंध में इनपुट जुटाकर इस टैंकर के संबंध में इनफॉर्मेशन कलेक्ट कर रहे थे। इसके बाद कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जिस सीमेंट टैंकर में शराब के कार्टन रखे हुए थे। उसमें डायरेक्ट सीमेंट लोड की जाती है और फिर जहां बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट चल रही हो वहां ले जाई जाती है। तस्करों ने इसमें एक-एक कर अवैध शराब के कार्टन रखे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस शराब तस्करी में सीकर जिले के ही एक हिस्ट्रीशीटर का नाम सामने आ रहा है, जो पिछले लंबे समय से पुलिस पकड़ से दूर है। फिलहाल पुलिस इस संबंध में पूछताछ कर रही है। सीकर एसपी प्रवीण नायक नुनावत का कहना है कि अवैध शराब की अनुमानित कीमत करीब 80 लाख रुपए से ज्यादा है। शराब तस्करों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने अवैध खनन परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। विराटनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई कर अवैध पत्थर परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक जेसीबी को जब्त कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध खनन चेजा पत्थर का परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक जेसीबी को जब्त कर महावीर प्रसाद पुत्र शंभूदयाल निवासी दांतली की ढाणी तन श्यामपुरा, भैरूराम पुत्र सूरजमल निवासी भामोद को गिरफ्तार किया है।

डूंगरपुर के वैजा में साढ़े तीन इंच बारिश हुई

अब तक सर्वाधिक वर्षा आसपुर में 887 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है

डूंगरपुर, (निसं)। गुरूवार को डूंगरपुर शहर में दिनभर की उमस के बाद लगभग एक घण्टे तक तेज मध्यम बारिश का दौर चलता रहा, जिसके कारण भितरी सड़कों पर तेज बहाव के साथ पानी बहने के कारण कई दुकानों की तलहटी को छूता हुआ निकला। इधर गुरूवार समाप्त 24 घण्टों में सर्वाधिक वर्षा वैजा में 90 मिमी (साढ़े तीन इंच) रिकॉर्ड की गई, जबकि अब तक सर्वाधिक वर्षा आसपुर में 887 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

जानकारी के अनुसार देर शाम 3.45 बजे तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो कि रूक-रूक कर कोई एक घण्टे से अधिक समय तक चलता रहा। तेज बारिश के बारण घाटी, सर्राफा बाजार, कानेरा पोल, भोईवाडा, मोचा बाजार में पानी तेज बहाव के साथ बहने लगा जिससे वाहनधारियों को मार्ग ही बदलना पड़ा। तो वहीं सिवरेज के कारण खुदी हुई सड़कों से मिट्टी गायब होने के कारण खड्डे पड़ गये।

आदर्श नगर लिंक रोड मार्ग तो पिछले कई दिनों से जनता के लिए आफत का मार्ग बन गया है। इधर गुरूवार प्रातः समाप्त 24 घण्टों में सर्वाधिक वर्षा वैजा में 90, धम्बोला 82, औबरी 73, डूंगरपुर 37, निठाऊवा 35, चिखली 43, कनबा 23, सागवाडा 20, गलियाकोट 22, बनकोडा 21, गामडी अहाडा 27, साबला 19, गणेशपुर 16, फलौज 7, आसपुर 5, तथा देवल 3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

गुरूवार को हुई बारिश के बाद भितरी शहर के घाटी क्षेत्र से तेज बहाव के साथ पानी बहता दिखाई दिया।

युवक का शव मिला, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

- माली समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की, जाम लगाया

करौली, (निसं)। करौली शहर के भंवर विलास के पास निवासी एक युवक का माथुर स्टेडियम में शव मिलने पर पर परिवारजन ने हत्या की आशंका जताते हुए मामला दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार मंडरायल रोड भंवर विलास पैलेस के पास निवासी जगदीश माली पुत्र सुसन माली घर से प्रातः सब्जी लेने बाजार के लिए निकला जिसका शव संदिग्ध अवस्था में माथुर स्टेडियम में पड़ा मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। गुरुवार को प्रातः घटना की जानकारी मिलने के बाद भारी संख्या में माली समाज के लोग अस्पताल में एकत्रित हो गए और उन्होंने युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। गुस्साए लोग अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगाकर बैठ गए। इस दौरान पुलिस ने आकर उन्हें खदेड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम, पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, महिला थाना अधिकारी रुक्मणी गुर्जर, सदर थाना अधिकारी रामदीन शर्मा, सहित कई थाना अधिकारी पुलिस दल के साथ अस्पताल पहुंचे जहां स्थिति नियंत्रण की परिजनों के द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट को पुलिस ने दर्ज कर अस्पताल के तीन सदस्य चिकित्सक मेडिकल बोर्ड से मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार जनों को सुपुर्द कर दिया।

फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। संगरिया में पुलिस ने पांच हजार रुपए के इनामी अपराधी सुखप्रीत सिंह उर्फ प्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 16 अगस्त 2024 को एक घर में घुसकर फायरिंग करने का आरोप है। मामले में पीड़ित कुलदीप सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, सुखप्रीत सिंह समेत कई हथियारबंद लोगों ने वार्ड नंबर 5 चक हीरा सिंह वाला में उनके घर में घुसकर मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की नियत से कई राउंड फायरिंग की। साथ ही घर में तोड़फोड़ की और सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। पुलिस थाना संगरिया के अमर सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। टीम में हेड कॉन्स्टेबल पांचूराम, कॉन्स्टेबल नरेंद्र सिंह और मलकेश कुमार शामिल थे। आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई कार और एक अवैध पिस्तौल बरामद की गई है।

ऑनलाइन ठगी व नगदी निकालने वाले दो जने गिरफ्तार

- 1.15 लाख नगद, चार एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल एक मोटरसाइकिल बरामद की

अलवर, (निसं)। अलवर सायबर संग्राम अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने ऑनलाइन साइबर ठगी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 1 लाख 15 हजार 300 रुपये नगद, 4 एटीएम कार्ड, 3 मोबाइल और 1 मोटरसाइकिल सहित अन्य सामान जब्त किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि पीड़ित ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुछ युवक आम जनता को कॉल कर बैंक अकाउंट से पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं और फिर एटीएम के जरिए रकम निकालते हैं। शिकायत पर टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने अमित कुमार उर्फ भोला (25) पुत्र हरिकिशन निवासी बुर्जा थाना सदर अलवर व अरशद (22) पुत्र साहुकार खां निवासी नंगला रटावत थाना अकबरपुर अलवर दोनों युवक मोटरसाइकिल पर घूमकर अलग-अलग एटीएम से ठगी की रकम निकालते थे। पुलिस टीम ने मौके से 1.15 लाख रुपये नकद, एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। यह गिरोह ऑनलाइन ठगी कर रकम अपने अन्य साथियों तक पहुंचाता था। आरोपियों से और भी खुलासे होने की संभावना है।

20 फीट लंबे अजगर ने सियार को शिकार बनाया

हिण्डौन सिटी, (निसं)। कटकड़ की गंभीर नदी के पास बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने मोक्षधाम के पास एक विशालकाय अजगर को शियार को निगलते देखा। खेतों से चारा लेकर लौट रहे ग्रामीण यह नजारा देखकर दंग रह गए और तत्काल वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीण पप्पूराम, रिंकू, पूरन और कल्लूराम ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे अजगर के मुंह में शियार फंसा देखा। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कुछ ग्रामीणों की मदद से अजगर को गंभीर नदी की पुलिया तक लाया गया। सूचना पर फैलीपुरा नाका से फॉरेस्टर उमेश कुमार, वनपाल तेज सिंह और सोहन सिंह मौके पर पहुंचे। क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन यादव ने बताया कि पकड़ा गया अजगर करीब 20 फीट लंबा और 60 किलो वजनी था। टीम ने उसे सुरक्षित तरीके से पकड़कर प्लास्टिक के कट्टे में रखा और मेडकापुरा प्लांटेशन के जंगल में छोड़ दिया। पवन यादव ने कहा कि अजगर आमतौर पर मानव को नुकसान नहीं पहुंचाता और यह वन्य जीवों को ही आहार बनाता है। अजगर को जंगल में छोड़ने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

चोरी करने वाली गैंग पकड़ी

बांसवाड़ा, (निसं)। मंदिरों और सूने मकानों में चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दर्जनों घटनाओं का खुलासा किया है। एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में हो रही चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करने के लिये सदर थानाधिकारी बुद्धाराम विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित करते हुए कार्रवाई की। जोशी ने बताया कि टीम ने मंदिरों व सूने मकानों को निशाना बनाने वाली घटनाओं का अध्ययन करते हुए घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज वीडियो प्राप्त करते हुए तकनीकि अनुसंधान किया। पुलिस ने पूर्व में नकबजनी, चोरी व अन्य प्रकरणों में शामिल संदिग्ध रमेश पुत्र रमिया पुत्र भाणजी निनामा निवासी खेरडाबरा थाना भूंगड़ा व सुनील पुत्र प्रभु मईड़ा निवासी पीपलवा थाना कोतवाली को डिटेन कर पूछताछ की तो दोनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर इन घटनाओं को करना स्वीकारा। इन लोगों ने बताया कि सूरज के पास अन्य लड़के भी हैं जो अलग-अलग लड़कों को साथ लेकर चोरियां करते हैं।

संक्षिप्त

दश लक्षण पर्व शुरू

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में शहर के सभी जिनालयों में उत्तम क्षमा धर्म की पूजा एवं विधान किया गया। विज्ञातीर्थ कार्याध्यक्ष सुनील भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, श्री दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर एवं सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर प्रात:काल भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा हुई उसके पश्चात दसलक्षण मंडल विधान हुआ। जिसमें सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य औमप्रकाश ललवाडी को प्राप्त हुआ। इस दौरान सांयकाल में महाआरती, शास्त्र सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आर्यिका ज्ञानश्री माताजी ने बताया कि कोई श्रावक अगर किसी से पूछे कि दसलक्षण महापर्व कैसे मनाया जाता हैं तो वह यही उत्तर देगा कि इन दिनों लोग संयम से रहते हैं, पूजन पाठ करते हैं, व्रत नियम उपवास रखते है, स्वाध्याय और तत्व चर्चा में ही अधिकांश समय बिताते हैं, उत्तम क्षमा में दस धर्म का स्वरूप समझाया जाता है। उन्होंने बताया कि क्रोध का एक खतरनाक रूप बैर है, क्रोध से भी खतरनाक मनोविकार है, हमें क्रोध का त्याग कर क्षमा धर्म का पालन करना चाहिए। क्षमा के साथ लगा उत्तम शब्द सम्यक दर्शन की सत्ता का सूचक है।

सोनोग्राफी विशेषज्ञ लगाने की मांग

फुलेरा। राजकीय उपजिला अस्पताल फुलेरा में पदस्थापित हड्डी रोग विशेषज्ञ की प्रतिनियुक्ति व सोनोलॉजिस्ट का पदस्थापन करवाने को लेकर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शक्ति सिंह ने चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर को पत्र भेजकर मांग की है। पत्र में शक्ति सिंह ने बताया कि राजकीय उपजिला चिकित्सालय फुलेरा में पदस्थापित डॉ. दीपाशु सिंघल एमएस ऑर्थोपेडिक (हड्डी रोग विशेषज्ञ) की प्रतिनियुक्ति फुलेरा से आरयूएचएस जयपुर में कर दी गई है। हड्डी रोग विशेषज्ञ के अभाव में आए दिन सामान्य व गम्भीर मरीजों को जयपुर रेफर कर दिया जाता है, यह मरीजों व परिजनों के लिए बड़ी पीडादायक स्थिति हो जाती है। इसलिए डॉ. दीपाशं सिंघल की प्रतिनियुक्ति तुरंत प्रभाव से निरस्त की जाएं या अन्य हड्डी रोग विशेषज्ञ को फुलेरा अस्पताल में लगाने की व्यवस्था की जाएं।

सम्मान समारोह में रविवार को

जयपुर। अखिल भारतीय नाटाणी परिवार समिति के राष्ट्रीय महामंत्री गोविन्द नाटाणी ने बताया कि अखिल भारतीय नाटाणी परिवार समिति की ओर से दिनांक 31 को खण्डाका हाउस पीतल फैक्ट्री के पास झोटवाडा रोड जयपुर में एक परिवार एक पौधा अभियान के तहत लहरिया महोत्सव एवं सम्मान समारोह दोपहर 3 बजे आम सभा एवं सांय 5.30 बजे से लहरिया कैट वॉक, श्रेष्ठ लहरिया परिधान, एकल नृत्य प्रतियोगिता, सामुहिक नृत्य प्रतियोगिता एवं सायं 7.30 बजे कुल देवी जीण माता के सामुहिक 251 दीपों की महा आरती करने के साथ ही प्रतिभावान एवं वरिष्ठ वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित करने के साथ ही सामुहिक प्रसादी का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रवेश कूपन द्वारा किया जायेगा।

दम्पति को भेजा मध्यप्रदेश

टोंक। मुख्यालय स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र (जनाना अस्पताल) में भर्ती एक बच्ची की मौत से उसके माता-पिता जो मध्य प्रदेश के श्योपुर के रहने वाले थे, इस घटना दम्पति का रो रोकर बुरा हालत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के श्योपुर निवासी दंपति जुगराज और संपू बाइक पर बाबा रामदेव के दर्शनों के लिए जा रहे थे, इस बीच उनकी ढ़ाई साल की बच्ची रिया की अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसे उनियारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद बच्ची की गम्भीर हालत को देखते हुए उसे जनाना अस्पताल में रैफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।बाद में जब घटना का पता टोंक उपखण्ड अधिकारी हुक्मीचंद को लगा तो उन्होने मानवता दिखाते हुए तुरंत प्रभाव से पीड़ित माता-पिता को अपने बच्ची के साथ मध्यप्रदेश भिजवाने के लिए निजी एंबुलेंस भेज कर दंपति को भिजवाया।

नम्बर मिलाइए 9587884433

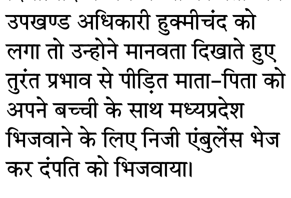

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

शहीदों से प्रेरणा लेकर युवा देशसेवा के लिए आगे आएं : गृह राज्यमंत्री

भरतपुर । गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम ने कहा कि देश की सीमाएं की रक्षा करते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को आदर्श मानकर युवा देशसेवा के लिए आगे आएं। देश के लिए शहादत देने वाले शहीद हमेशा पूजे जाएंगे उनके बलिदान के कारण देश सुरक्षित है।

गृह राज्य मंत्री गुरुवार को बयाना के ग्राम श्यामपुरा में शहीद गूजरमल की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत

- **प्रतिमा अनावरण समारोह में शहीद वीरांगना एवं परिजनों का माल्यार्पण व शॉल उडाकर सम्मान किया**

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा हुआ है। हमारे वीर सैनिकों ने भारत की सीमाओं पर अडिग रहकर दुश्मन देशों व आतंकवादियों को मुंह तोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जवान गूजरमल ने देश की सेवा में प्राण न्यौछावर कर सर्वोच्च बलिदान दिया है इसे कभी बुलाया नहीं जा सकता, युवाओं के लिए वे हमेशा मार्गदर्शन का कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय हमारी सेना के जवानों ने पूरे विश्व को अपनी वीरता एवं कौशलता से बता दिया कि भारत अब 21वीं सदी का सशक्त व मजबूत इरादों का देश है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, उद्यिमयों सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। देश की सीमाओं पर बलिदान देने वाले शहीद किसी एक वर्ग या क्षेत्र के नहीं होते हैं आने वाली पीढियां उनके योगदान को हमेशा याद रखेंगी। सैनिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से सरकार पूर्व सैनिकों, शहीद परिवार की वीरांगनाओं एवं आश्रितों के लिए भी कल्याणकारी योजना चलाकर उनके साथ खडी हुई है।प्रतिमा अनावरण समारोह में शहीद वीरांगना एवं परिजनों का माल्यार्पण व शॉल उडाकर सम्मान किया गया। अतिथियों द्वारा शहीद गूजरमल की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पचक्र अर्पित किए। समारोह को उत्तरप्रदेश के सराधना विधायक अतुल प्रधान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, महेन्द्र सिंह खेडला, सरपंच केदार बारां, केशव कमाण्डो सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गृह राज्यमंत्री ने शहीद गूजरमल की प्रतिमा का अनावरण किया ।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन

पावटा। कस्बा पावटा स्थित एक निजी होटल में गुरुवार को कोटपुतली बहरोड़ जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत व प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिये कि हाईवे पर निरीक्षण कमेटी द्वारा सर्वे कर नये दुर्घटना संभावित क्रॉसिंग पॉइंट्र्स व ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर सुधार करें, आवश्यक स्थानों पर फेंसिंग या अवरोधक, साईनेज बोर्ड, डिवाईडर, रिफ्लेक्टर, पिलर्स लगवाया जाना एवं मेडियन पर खरपतवार की सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एनएचएआई अधिकारी हाईवे, फ्लाईओवर आदि के निर्माण से पहले गहन सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करें। जिससे भविष्य में ट्रैफिक की समस्या नहीं हो, हाईवे पर रात्रि में कार्य के दौरान दुर्घटना से बचने के लिये साईनेज लगवायें एवं जल भराव वाले स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगवायें व पानी निकासी की उचित व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि कागजी कार्यवाही के साथ जमीनी स्तर पर भी सुधार देखने के लिये संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि हर एक जान की कीमत है, हमारा उद्देश्य हर हाल में दुर्घटनाओं में कमी लाना हैं।

अनियंत्रित होकर पलटी स्कॉर्पियो कार

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पहाड़ी गांव के समीप शुक्रवार की सुबह एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

जिससे एक युवक की मौत हो गई व चार जने गंभीर रूप से घायल हो गए। बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि शुक्रवार की सुबह निवाई से टोंक की ओर आ रही एक स्कॉर्पियो कार असंतुलित होकर पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में हेमराज गुर्जर(22) पुत्र श्योराज गुर्जर निवासी चेताणी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में रितिक जाट निवासी टोंक, शैतान गुर्जर निवासी शिवपुरी टोंक, सोमेश निवासी डारडातुर्का हाल निवासी छावणी टोंक व खुशीराम गुर्जर निवासी हथौना बरोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर बरौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से गंभीर घायल चारों को जयपुर रेफर कर दिया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:6662 जाहिर आम-सूचना दिनांक:28.08.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 183/40 मध्यम आय वर्ग - ब का आवंटन श्रीमती खुशाली देवी पत्नी स्व. श्री रमेश कुमार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 504 दिनांक 15.04.2005 को जारी किया गया था। श्रीमती खुशाली देवी द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र स्व. श्री श्योपत राय को दिनांक 22.05.2009 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री अनिल कुमार द्वारा श्रीमती खुशाली देवी के पक्ष में पंजीयन निष्पादन दिनांक 25.08.2009 को करवाया गया। श्री अनिल कुमार द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से पंजीयन पश्चात् उक्त आवास का विक्रय कर श्री ज्ञानेन्द्र मिश्रा पुत्र श्री सुरेन्द्र मिश्रा को दिनांक 23.09.2009 विक्रय पत्र उप पंजीयक (द्वितीय) जयपुर में पंजीकृत करवाया गया गया । क्रेता/क्रेती श्री ज्ञानेन्द्र मिश्रा पुत्र श्री सुरेन्द्र मिश्रा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री ज्ञानेन्द्र मिश्रा पुत्र श्री सुरेन्द्र मिश्रा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश संख्या-1 हिण्डौन सिटी D.No. 851/ 25.8.25
मु.नं.-19/2025
नोटिस हर खास व आम
धूपेन्द्र बनाम हरखास आम
प्रार्थनापत्र बाबत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धूपेन्द्र पुत्र भयसिंह जाति गुर्जर निवासी ग्राम पीलवा, पोस्ट देवलेन, तहसील टोडाभीम जिला करौली (राज.) ने स्वयं के हक में गोविन्दी देवी का एक बचत खाता संख्या 15080100002217 बैंक ऑफ बडौदा शाखा महू इब्राहिमपुर में बचत राशि 2,38,876/- रूपये हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी करने बाबत आवेदन किया है।
लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के स्वीकार करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 1.9.2025 को समय 10:00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा।
मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 21.8.2025 को जारी किया गया।
(मुहर) आज्ञा से- रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-1 हिण्डौन सिटी

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/580
चूंकि प्रार्थी श्री DAULAT SINGHHADA, 19/103 GROUND FLOOR, VISHAL RESIDENCY, SHREE RAM NAGAR B, BHAGAT SINGH MARG, JHOTWARA, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास लाइफ आर्गेनाईजेशन, 19/103 GROUND FLOOR, VISHAL RESIDENCY, SHREE RAM NAGAR B, BHAGAT SINGH MARG, JHOTWARA, JAIPUR, RAJASTHAN-302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27-08-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30/10/2025
(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कॉलेज में धरना, ए.बी.वी.पी. व एन.ए.यू.आई. छात्र नेता गिरफ्तार

अलवर। बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में बाबा साहेब डॉ अंबेडकर की खंडित प्रतिमा के स्थान पर अष्टधातु की प्रतिमा लगाने की मांग के लिए बड़ी संख्या में छात्र आज धरना देने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच कॉलेज प्राचार्य अशोक आर्य ने शिवाजी पार्क पुलिस को बुलाया। धरने की तैयारी में लगे छात्रों को तीतर बितर करवा दिया। थाना अधिकारी विनोद सांवरिया ने छात्रों के साथ बदसलूकी और मारपीट करवाई।

प्राचार्य के इशारे पर एबीवीपी जिला संयोजक एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुदीप डीगवाल, एनएसयूआई प्रदेश संयुक्त सचिव विनोद जाटव व सचिन जाटव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फिर भी थाने पहुंचकर छात्र अपनी मांग पर डटे रहे। एसएफआई के जिला अध्यक्ष रहे एडवोकेट पंकज सांवरिया ने आंदोलनकारी छात्रों का दिनभर साथ दिया और अंत में रिहा करवा दिया।

उल्लेख है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन छात्रों को पता चला कि अलवर कला कॉलेज में लगी बाबा साहेब की प्रतिमा में जगह-जगह दरार आई हुई है। गिरकर खंडित हो सकती है। प्रतिमा पर जगह जगह बीट पड़ी हुई है। जिससे छात्र गुस्सा हो गए। 18 अगस्त को सुदीप डीगवाल,विनोद जाटव एवं अन्य छात्र नेताओं के नेतृत्व में संकड़ों छात्रों ने खंडित प्रतिमा को हटाकर बाबा साहेब की अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। प्राचार्य अशोक आर्य ने छात्रों को आश्वासन दिया कि सात दिवस में नई प्रतिमा स्थापित करवा दी जाएगी। प्राचार्य ने जब वादा पूरा नहीं किया तो छात्रों ने आज से धरना देने का ऐलान कर दिया। आज परीक्षा पेपर होने के पश्चात प्रात :करीब 10 बजे छात्र नेता सुदीप डीगवाल,विनोद जाटव,अनिल जोनवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र धरने की तैयारी कर ही रहे थे तो अचानक पुलिस ने जबरन ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यह प्राचार्य अशोक आर्य के इशारे पर किया गया बाबा साहेब विरोधी,छात्र

अलवर कला कॉलेज में अंबेडकर की खंडित प्रतिमा को बदलने की मांग के लिए धरना देते हुए छात्र नेता ।

- **पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुदीप डीगवाल, एनएसयूआई प्रदेश संयुक्त सचिव विनोद जाटव को गिरफ्तार किया**

विरोधी कृत्य है। इससे बाबा साहेब का घोर अपमान हुआ है।

आंदोलनकारी छात्रों का आरोप है कि प्राचार्य की नालायकी के कारण बाबा साहेब की प्रतिमा की यह दुर्दशा हुई है। प्रतिमा गिरने के कगार पर है। आंदोलन किया तो प्रतिमा की जल्दबाजी में मरम्मत करवाकर लीपापोती की गई है। प्राचार्य ने अपनी कमी को छिपाने की कोशिश की है। छात्रों को गिरफ्तार करने से पूरे अलवर में आक्रोश है। छात्रों का कहना है कि बाबा साहेब के सम्मान की खातिर हम जेल जाने से नहीं डरेंगे। बाबा साहब का अपमान नहीं सहेंगे। नई प्रतिमा लगवा कर ही रहेंगे।

खोया- पाया
मेरे प्लॉट नंबर 34, महावीर नगर 1, दुर्गापुरा, जयपुर के मकान का मूल पट्टा और रजिस्ट्री रामनगर शास्त्री नगर से चांदपोल जयपुर के बीच खो गए है। जिस किसी को मिले हो तो बताने का कष्ट करें, कोई भी उक्त दस्तावेजो का उपयोग करेगा जिसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी, सूचित रहें।
उमेश कुमार गौड़ पुत्र राजेन्द्र प्रसाद गौड़, 778, पूर्वा योजना, जयपुर, 8875261975

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समस्त भूखण्डधारियों लक्ष्मी नगर सैकिण्ड ग्राम भाटेड, रामसिंहपुरा रोड, वाटिका जयपुर सोसायटी नागरिक गृह निर्माण सहकारी समिति लि. रजिस्टर्ड नम्बर 2749/ एल व संयोजक (गिर्राज प्रसाद मो.न. 9252601819) द्वारा उक्त स्कीम का भूमि सामान्यीकरण (रिवाईज) करने का निर्णय लिया गया हैं, क्योंकि पूर्व भू स्वामियों द्वारा सम्पूर्ण भुगतान प्राप्त कर, रजिस्ट्री करवाने में आना कानी करना, तय भूमि से मौके पर जमीन कम भूमि व असामाजिक तत्वों द्वारा मिलीभगत कर पडौसियों द्वारा भूमि पर कब्जा करवाने का कार्य कारित किया है। अतः सभी भूखण्डधारियों एवं संबंधित व्यक्तियों से निवेदन हैं कि इस सूचना को संज्ञान में लेकर अपने भूखण्डों के नये पट्टे ले ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद, ठगी व भ्रम न रहे।
जयपुर (शम्भू दयाल पुजारी) एडवोकेट मो.न. 9982855610

नाम परिवर्तन

मै, जगदीश प्रसाद बलाई, पुत्र रामलाल बलाई, माता का नाम रतनी देवी, निवासी डोडवाडियों का बास, भेसलाना, जयपुर ने अपना नाम जदीश प्रसाद बलाई से बदलकर जगदीश प्रसाद कर लिया है। यह नाम भविष्य में सभी कामों में मान्य होगा।

मेरे पासपोर्ट नं. T-J 2575951 में मेरा नाम हरीश कुमार है जबकि अन्य दस्तावेों में हरीश कुमार मंगवानी है। उक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के है। भविष्य में मुझे हरीश कुमार मंगवानी पुत्र श्री किशन चंद के नाम से जाना जावें। निवासी मकान नं. 19, सतगुरू कुंज, पुरोहितपाडा, ब्रह्मपुरी, जयपुर।

मैं 15416633X हवलदार राजीव कुमार श्रीवास्तव पुत्र राजनरायन निवासी ग्राम महोलिया, पोस्ट ऑफिस खैलम, तहसील आंवला, जिला बरेली, उत्तरप्रदेश मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी माँ, पिता का नाम गलती से मेथलेश व राजनयरायन श्रीवास्तव जबकि सही नाम मिथलेश कुमारी व राजनरायन है हलफनामा CA377678 नोटरी पब्लिक, जिला न्यायालय जयपुर राजस्थान।

मैंने अपना नाम सुरभि माथुर से बदलकर सुरभि जैन पत्नी श्री हर्षित जैन रख लिया हे। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएगा। पता-38/203 किरण पथ, मानसरोवर जयपुर-302020

मेरी 10वीं की अंकतालिका में मेरा नाम कीर्ति (KEERTI) है। जबकि अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम कीर्ति नवीन दोहरे (DEERTI NAVEEN DOHARE) है। भविष्य में मुझे कीर्ति नवीन दोहरे पत्नी श्री नवीन दोहरे 152, गोविन्द नगर, वैशाली नगर, अजमेर रोड, जयपुर के नाम से जाना पहचाना जाये।

मैं सुशांत मंगल हूँ, मेरे पासपोर्ट नंबर जेड-7446544 में मरी माता का नाम अनीता मंगल दर्ज है, जो गलत है। मेरी माता का सही नाम अनीता देवी गुप्ता है।

I hitherto known as LALA RAM KUMAWAT S/O SITA-RAM KUMAWAT R/O 97-A Shanti Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Rajasthan-302012 have changed my name and shall hereafter be known as LAL CHAND KUMAWAT.

I Nisha Jethwani W/o Rajkumar Jethwani R/o 561-A, Sindhi Colony, Jawahar nagar, Adarsh nagar, Raja park, Jaipur declare that in my aadhar card & PAN card my name is entered as Nisha Israni but in other documents it is entred as Nisha Jethwani and in my children documents it is entered as Simran Jethwani and in some documents if is entered as Simran. My correct name is Nisha Jethwani. Vide affidavit 26.08.2025 Jaipur.

खोया पाया

मैं सुरेश चन्द सिंघल पिता बाबू देव प्रसाद बी-28, सेक्टर 11 जोन 119 अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर निवासी मेरी शॉप का पजेशन लेटर (कब्जा पत्र) कहीं खो गया है जिसका पता बी-28, सेक्टर 11 जोन 119 अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर है जिस किसी को मिले तो संपर्क करें। मो.नंबर 94140 31190

मेरे आवास प्लाट नं. 47, गणेश वाटिका, पदमपुरा, तह. चाकसू, जिला जयपुर के मूल कागजात मूल पट्टा, साईट प्लान, सोसायटी रसीद एवं रजिस्ट्री पेपर (जो धीरज एवं राम कल्याण चौधरी के मध्य संपन्न है नं. 202301024010080 दिनांक 07.06.2023) कृपया मिलने पर सूचित करें-9166765040

मेरा प्लाट नंबर जिसका जेडीए का मूल पट्टा 11 OE 407 मूल रजिस्ट्री 11 OE 1305 स्कीम रिंगरोड परियोजना सांगानेर से जेडीए जाते समय कहीं गुम हो गये मिलने पर संपर्क 9829354692 ओम शंकर सैनी

मेरा मकान सं. 191/46 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल भौतिक कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर संपर्क करें। हेमलता गुप्ता-9314454182

जयपुर विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना वेशाली नगर ई-ब्लॉक के भूखण्ड संख्या ई-620, ई-621 व ई-622 के मूल पट्टे साइट प्लान व स्टाम्स आदि कहीं गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें। महेश कुमार शर्मा, निवासी प्लॉट नंबर 7-न-2 जवाहर नगर जयपुर। मो.नं. 9636781994

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 4 जयपुर जिला जयपुर
रविन्द्र चौधरी विरूद्ध सन्तोष माथुर
वाद बाबत विशिष्ठ अनुपालन
वाद सं. 24सन् 24
नाम सन्तोष माथुर पुत्र श्री गोपाल मोहन माथुर जाति कायस्थ स्थान ए-193, मालवीय नगर जयपुर एवं कार्यालय पता क्लर्क ग्रेड-द्वितीय सम्पादन शाखा विधानसभा सचिवालय ज्योति नगर, जयपुर...ने आपके विरूद्ध...के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 7 माह 10 सन् 25 को दिन में....बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा मुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजर के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
आज यह दिनांक 19 माह 08 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर अदालत) प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4, जयपुर जिला जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं.6 द्वितीय जयपुर
के.एस. मोटर्स प्रा.लि. विरूद्ध कैलाश चन्द सैनी
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 30सन् 22
बनाम कैलाश चन्द सैनी C/o तिरूपति ऑटो मोबाइल नेशनल हाइवे-8 स्थान कोटपुतली जयपुर मो.नं. 9414228112
वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 30 माह 10 सन् 25 को दिन में 10.00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, हे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेगं साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 13 माह 08 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर अदालत) अति. वरिष्ठ सिविल न्यायाधी एवं अति.मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-06, जयपुर महानगर द्वितीय

खादरसा बाबा के मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

शाहपुरा । क्षेत्र के जाजैकला पहाड़ी पर विराजमान खादरसा, आसपुरा डूंगरी व जसवंतपुरा खेमजी मंदिर में स्थित खादरसा महाराज का मेला धूमधाम से भरा। घर- घर में बाबा को चूरमा का भोग लगाया गया। जाजैकला पहाड़ी पर विराजमान जन-जन की आस्था का केंद्र व हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक खादरसा महाराज के मेले में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। क्षेत्र के हर घर में त्योहार का सा माहौल रहा। भंडारे में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई।

मेले में विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, सांसद प्रत्याशी अनिल चोपड़ा,एयू बैंक के राजस्थान सर्किल हेड सुल्तान सिंह पलसानिया,भाजपा नेता उपेन यादव, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, विकास यादव, देवायुष सिंह,नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी, उपसभापति राजेंद्र सारण,समाजसेवी यशवंत सैनी हनुमंत प्लाजा, ट्रक यूनियन अध्यक्ष मुकेश बड़बड़वाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नाथूलाल सैनी, हरि नारायण गठाला, चौथमल सामोता आदि ने शिरकत की। मेले में सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। दोपहर तक भीड़ का आलम यह आलम रहा कि जाजैकला गांव से मंदिर तक सड़क मार्ग श्रद्धालुओं से हटा नजर आया सड़क मार्ग पर बार-बार जाम लगता रहा। जिसको कार्यकर्ताओं व पुलिस की मदद से खुलवाया जाता रहा।

जसवंतपुरा में स्थित खादरसा महाराज का मेला धूमधाम से भरा।

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बौंली -बामनवास। सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर ने क्षेत्र के बंजारा का टीला बांध, मेदपुरा, खिरनी व मलारना चौड में अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया एवं उपस्थित अधिकारियों को राहत एवं मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत चांदनहोली के बंजारा का टीला बांध का ट्रैक्टर से मौके पर जाकर निरीक्षण किया एवं अत्यधिक जल बहाव के कारण रपट की क्षतिग्रस्त दीवारों को तत्काल रेत और मिट्टी के कट्टे लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित करने के जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर दल ने मेदपुरा में परिस्थितियों का जायजा लेते हुए खिरनी के माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसरों में जल भराव की स्थिति को देखते हुए जल निकासी के निर्देश दिए।

विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्डवासियों ने नगर परिषद आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

कोटपूतली। कस्बे के नागाजी की गौर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रफुल्ल रमन के नेतृत्व में वार्डवासियों ने नगर परिषद आयुक्त नूर मौहम्मद को ज्ञापन सौंपा।

- **ज्ञापन में बताया कि वार्ड नं. 36 में बने गंदे पानी के मुख्य नाले की सफाई नहीं होने के कारण इस नाले में गंदगी जमा हो गई हैं**

ज्ञापन में बताया कि वार्ड नं. 36 में बने गंदे पानी के मुख्य नाले की सफाई नहीं होने के कारण इस नाले में गंदगी जमा हो गई है। यह नाला गंदगी से भर गया है जिसके कारण मेघवाल बस्ती व वाल्मीकि बस्ती में बनी गंदे पानी की नालियां अवरुद्ध हो गई हैं। जिनका गंदा पानी आगे ना जाने के कारण नालियों से गंदा पानी बाहर आम रास्तों पर फैल रहा है और इस समय बरसात का मौसम चल रहा हैं। जिससे समस्या और विकट हो रही हैं। लोगों के घरों में गंदा पानी घुस रहा हैं।

रास्तों पर इतना अधिक पानी फैल रहा है कि बुजुर्ग, महिला व बच्चे तो बाहर जाने से भी कतराते हैं उनको डर रहता है कहीं गिरकर कोई हाथ पांव ना तुड़वाले। इस समस्या को लेकर नगर परिषद को कई बार लिखित में सूचना दी जा चुकी है, लेकिन इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया है। नागाजी की गौर क्षेत्र में मुख्य रूप से तीन नाले बने हुये हैं। जिनमें कुछ सफाई लीपापोती करते हुये की गई थी। जिसका विरोध पार्षद ने आयुक्त को ज्ञापन देकर किया एवं आयुक्त से आग्रह किया था कि ठेकेदार का पैसा रोका जाना चाहिये। क्योंकि कुछ थोड़ी बहुत जो सफाई हुई है वह भी ठीक प्रकार से नहीं हुई है। लेकिन मेघवाल बस्ती में पानी की टंकी के पास से होते हुये जो मुख्य नाला गंदे पानी का गुजर रहा हैं, जो भोमिया जी मंदिर के पास से होता हुआ आईटीआई की तरफ जा रहा है, उस नाले की सफाई हुये लगभग 02 वर्ष हो गये हैं।

वार्डवासियों ने नगर परिषद आयुक्त नूर मौहम्मद को ज्ञापन सौंपा।

कार्यालय ग्राम पंचायत ईसरदा, पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/84 दिनांक-26.08.2025
ई-निविदा सूचना संख्या-03/2025-26
पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा के अधीन ग्राम पंचायत ईसरदा में राज्य वित्त आयोग षष्टम योजनाओं में स्वीकृत अटल ज्ञान केन्द्र निर्माण कार्य ईसरदा हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रीक्योरमेंट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनीकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवदकों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB NO.- ZSM2526A0527, UBN NO. ZSM2526SSOB00593
(राधकिशन गुर्जर) ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ईसरदा पं.स. चौथ का बरवाड़ा
(पुखराज गुर्जर) प्रशासक ग्राम पंचायत ईसरदा पं.स. चौथ का बरवाड़ा

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास, सांगानेर जयपुर)
E-mail :- eesanganerzone01@gmail.com
क्रमांक :- जसअ/2025/182 दिनांक: 26.08.2025
निविदा सूचना संख्या 61-62/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदकों एवं नगर निगम ग्रेटर जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि. अभि. (सांगानेर जोन) से संबंधित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in & www.jaipurmc.org पर देखी जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number JMC2526WSOB01209 से JMC2526WSOB01210 है।
अधिशाषी अभियंता सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर ग्रेटर
राज.संवाद/सी/25/8974

Form No. URC-2
Advertisement giving notice about registration under Part I of Chapter XXI [Pursuant to section 374(b) of the companies Act, 2013 and rule 4(1) of the companies (Authorised to Register) Rules, 2014]
1.Notice is hereby given that in pursuance of sub-section (2) of section 366 of the Companies Act, 2013, an application has been made to the Registrar at Jaipur, Rajasthan that M/s. Harshwal Consulting Services LLP, registered under the LLP Act. 2. The principal objects of the above said LLP are as follows:
a) To Carry on the business of Accounting, Auditing, Reconciliation, MIS Reporting, Competitor Analysis and similar services. b) To set up and run electronic data and business process centers, BPO, outsourcing and offshoring of information technology and to carry on business of data/ word processors, software consultants, development of management information system, computerization feasibility study, to conduct or sponsor training, programmers, courses, Seminars for imparting or spreading the knowledge and use of computers, computer programmers and publishing books, journals and course materials and to purchase, sell these products both in India and abroad and to carry on the business of Accounting, Auditing, Reconciliation, MIS Reporting Competitor Analysis, BOD Support and Ad-hoc Reporting Finance controls and Analysis and Financial valuation and complete GL management, customized reporting, Procure to pay process, order to receipt process, Payroll and T & E processing, International consolidation, Fixed Asset management, Equity Cap table Maintenance and implementation of IFRS. c) To carry on the business to provide Internet Services, E-Commerce facility, telecommunication services, lease lines and lease links and host websites and web pages, ERP applications, accounts, multimedia content creations, create networking, development and manufacturing of computer hardware, software development, cybercafé development, internet development and to undertake the business of manufacturers either for its own use or for sales, traders, dealers, exporters, importers, developers, agents, maintainers consultants of computer systems. 3. It may also include any other business conducted in such manner as may be decided by the majority of Partners from time to time. 4. A copy of the draft memorandum and articles of association of the proposed company may be inspected at the office at 370 sq. ft. area in office No. 601, North Avenue, Road No. 9A, VKI Area, Sikar Road, Jaipur, Rajasthan, India, 302013. 5. Notice is hereby given that any person objecting to this application may communicate their objection in writing to the Registrar at (Corporate Bhawan, G/6-7, Second Floor, Residency Area, Civil Lines, Jaipur-302001) within twenty one days from the date of publication of this notice, with a copy to the company at its registered office.
Name(s) of Applicant(s)
Date : 27.08. 2025 1. RAKESH JETHMAL JANGID 2. SURENDRA TETARWAL

संक्षिप्त

डिंपल ने सीएस में पाया द्वितीय स्थान

पावटा कस्बा की मेधावी बेटी डिंपल शर्मा ने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा में पूरे देश में शानदार दूसरी रैंक हासिल कर पावटा क्षेत्र व ब्राह्मण समाज और परिवार का नाम रोशन किया है। डिंपल शर्मा कस्बा निवासी गोपाल शर्मा की पुत्री और एडवोकेट कुलदीप पटेल की भतीजी हैं। जैसे ही मेरिट लिस्ट आई, क्षेत्र और समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। चयनित बेटी डिंपल शर्मा ने बताया कि शुरू से ही उनके परिवार का उन्हें सपोर्ट मिलता रहा है। उन्होंने बताया कि मेरे परिवार के अलावा मेरे शिक्षकों का इस कामयाबी में अहम रोल रहा है। इस सफलता से उन्होंने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में एक नई उम्मीद जगी है और वे भी अपनी मेहनत और लगन से बड़े सपने देख रहे हैं। डिंपल शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, गुरुजनों और मार्गदर्शन देने वाले सभी लोगों को दिया।

शिविर आज

अलवर । केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 30 सितम्बर तक संचालित जनसुरक्षा अभियान के तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 29 अगस्त को शिविर आयोजित होंगे। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक बाबू लाल पालरिया ने बताया कि अभियान के तहत जिले में ग्राम पंचायत स्तर तक प्रशासन व सभी बैंकों के सहयोग से कैम्पों का आयोजन किया जा रहा हैं जिनमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना में वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, नये बैंक खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में शिविर स्थल पर ही नामांकन किया जायेगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अभियान में बैंकिंग व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाये। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रतिवर्ष केवल 20 रूपये में 2 लाख का दुर्घटना बीमा, जीवन-ज्योति बीमा योजना में प्रतिवर्ष केवल 436 रूपये में 2 लाख रूपये का जीवन बीमा और अटल पेंशन योजना में न्यूनतम मासिक निवेश करने पर 60 वर्ष की आयु के बाद अंशदान आधारित स्थाई रूप से अधिकतम 5000 रूपये मासिक पेंशन मिलेगी।

विशाल मेला महोत्सव आयोजित

फुलेरा। न्यू कालोनी स्थित श्रीसिद्ध गणेश मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय विशाल मेला महोत्सव गुरुवार को सुबह पूर्णाहुति व समापन किया गया साथ ही समिति पदाधिकारियों की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान बुधवार को सुबह 9.15 बजे व्यवसायी रमेश घोडेला के द्वारा मेला ध्वजारोहण, ध्वज पूजन किया गया साथ ही समिति संरक्षक अशोक साबू, यादराम जांगिड़, समिति अध्यक्ष जगदीश सिंह राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारियों के द्वारा गणपति पूजन व भोग आरती का आयोजन किया गया। इससे पूर्व मंगलवार 26 अगस्त सुबह 9:15 बजे रघुनाथ करोडीवाल ठेकेदार की ओर से श्रीसिद्ध गणेशजी का पंचामृत अभिषेक व सुबह 10:15 बजे मेहंदी रस्म, सर्वदेव आ ान किया गया। बुधवार को मंदिर पर भव्य मेले का समिति अध्यक्ष जगदीश सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, मुख्य अतिथि जयप्रकाश खेसकवानी रहें जबकि विशिष्ठ अतिथि स्थानीय पार्षद चन्द्रप्रकाश दुलानी, उद्योगपति रमेश घोडेला रहें।

पोस्टर निर्माण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में राज्य सरकार व आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के निर्देशानुसार सेमिनार एवं अन्य जनजागरूकता निर्माण गतिविधियों के तहत अगस्त माह में वनस्पति शास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित की गई। जिसमें जसवंत बृजेश प्रथम, सोहन कुमार एवं दीपाली जोशी संयुक्त रूप से द्वितीय एवं सरिता रावत व आशिका संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता स्वच्छता ही सेवा है विषय पर आयोजित की गई। जिसमें विनीता शर्मा प्रथम, अनीश द्वितीय एवं अंकित खड़िया तृतीय स्थान पर रहे।सभी विजेताओं को बधाई दी एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ऑनलाईन ठगी करने वाले पाँच शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया

- साइबर सैल जिला जयपुर ग्रामीण की आसूचना पर चंदवाजी पुलिस व साइबर टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को दिया अंजाम
- आरोपियों के कब्जे से दर्जनों मोबाइल फोन, डाटा रिकॉर्ड, 10 एटीएम कार्ड तथा अन्य आपराधिक साक्ष्य किए जब्त

मानपुरा माचैड़ी। जयपुर ग्रामीण की चंदवाजी थाना पुलिस व साइबर टीम ने सयुंक्त कार्रवाई करते हुए कॉल सेंटर के जरिये ऑनलाईन साइबर ठगी करने के आरोप में गिरोह के 5 शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार कर एक नाबालिग बालिका को निरूद्ध किया है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दर्जनों मोबाइल फोन, डाटा रिकॉर्ड, 10 एटीएम कार्ड तथा अन्य आपराधिक साक्ष्य किए जप्त किए हैं।आरोपी गूगल पर कॉल गर्ल (एस्कॉर्ट सर्विस) के नाम से ऐंड डालकर कर लोगों से रूपयों की ठगी करते थे।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज जयपुर राहुल प्रकाश द्वारा वर्तमान में बढ़ते हुए साइबर अपराधों पर लगाम लगाने हेतु साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था जिसकी पालना में

पुलिस ने गिरोह के पांच शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार कर एक नाबालिग बालिका को निरूद्ध किया

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां, पुलिस उप अधीक्षक साइबर सैल खलील अहमद व वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ प्रदीप यादव के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी हीरालाल सैनी मय जाप्ता व साइबर सैल जिला जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने के लुई पुलिस टीम का गठन किया गया।

साईबर सैल टीम जयपुर ग्रामीण द्वारा मिली सूचना पर पुलिस टीम को एक मोबाईल नंबर के विरुद्ध ऑनलाईन साइबर अपराध करने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त मोबाइल नंबर की लोकेशन प्राप्त की गई व लोकेशन स्थल पर जाकर तस्दीक की गई। तस्दीक करने पर सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम द्वारा तुरत उक्त स्थल एसबीआई बैंक के पीछे कस्बा चन्दवाजी में सुरेश गुर्जर के मकान में जाकर दबिश दी गई तो 04 लड़के, 01 लड़की व 01 नाबालिग बालिका मिले जिनका नाम पता पूछा तो विकास, गिर्राराज, राहुल, मनोज, पिंकी होना बताया तथा एक नाबालिग बालिका भी पायी गई। उक्त से पूछताछ करने पर गूगल पर कॉल गर्ल (एस्कॉर्ट सर्विस) का ऐड डालकर स्वयं के द्वारा यूज में लिये जा रहे मोबाइल नंबरों से लड़की उपलब्ध करवाने, हॉटल चार्ज, सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर लोगो के साथ ठगी की वारदात करना बताया व उक्त कॉल सेंटर का मालिक विकास यादव होना व अन्य को पर रखना बताया है जो मकान को किराये पर लेकर कॉल सेंटर संचालित करना बताया है।

विधिक सेवा स्टॉल पर लोगों को किया जागरूक

निवाई। देवधाम जोधपुरिया में विधिक सेवा स्टॉल का संचालन कर नालसा एवं रालसा से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर शिविर का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एलएडीसी एसिसटेंट अधिवक्ता बुद्धराम चौधरी ने बताया कि अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव दिनेशकुमार जलुथरिया के निर्देशन में देवधाम जोधपुरिया मेला में विधिक सेवा स्टॉल का संचालन कर नालसा एवं रालसा से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय लोक अदालत पीडित प्रतिकर योजना, मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान, पोश एक्ट, बाल विवाह रोकथाम, निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 का प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को जागरूक किया गया।

डीजे मशीन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर चार जनों को गिरफ्तार किया

सांभरझील। सांभर पुलिस ने डीजे चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश किया।गिरोह के मुख्य सरगना सहित चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की गई 02 डीजे मशीनें भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी रोशन लाल जाट पुत्र श्री लालाराम जाति जाट उम्र 24 साल निवासी राधाकिशनपुरा थाना हरमाडा जिला जयपुर, कानाराम पुत्र सायरमल बुनकर जाति बलाई उम्र 22 साल निवासी महेशवास कलां थाना कालवाड़ जिला जयपुर शहर, भूपेश बुनकर पुत्र श्री ओमप्रकाश जाति बलाई उम्र 22 साल निवासी कुम्हारो की ढाणी शुभरामपुरा थाना कालवाड़ जिला जयपुर, नरेन्द्र बुनकर पुत्र श्री भंवरलाल बुनकर जाति बलाई उम्र 19 साल निवासी महेशवास कलां थाना कालवाड़ जिला जयपुर शहर के रहने वाले हैं। राशि डोगरा डूडी पुलिस

डीजे चोरी करने वाले चार चोरों को गिरफ्तार किया।

अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि परिवादी भवनेश पुत्र गोपीराम जाति गुर्जर उम्र 27 साल निवासी रिणगी, थाना सांभरलेक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि थी कि, रात्रि को अज्ञात चोर प्रार्थी के घर में खडे पिकअप डी.जे. से 02 डी.जे. मशीने चुराकर ले गये हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व पुलिस उप अधीक्षक सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी सांभरलेक राजेन्द्र कुमार पुलिस के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा चोरी की वारदात करने वाले अज्ञात आरोपियों के संबंध में आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा पता लगाकर कडी मेहनत करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना व गिरोह के अन्य सदस्यों को डिटेन कर पूछताछ की तो चोरी की वारदात करना स्वीकार किया जिस पर आरोपियों को गिरफ्तार कर कब्जे से चुरायी गई 02 डीजे मशीन बरामद की गई हैं। आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई तो ईलाका थाना सांभरलेक, सामोद, गोविन्दगढ, फुलेरा, हरमाडा, दौसा, रींगस में भी डीजे मशीनें व वाहन चोरी करने की एक दर्जन से अधिक वारदातो को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरोह के मुख्य सरगना रोशन जाट के विरूद्ध थाना गोविन्द्रगढ, कालाडेरा, फागी, रेनवाल मांजी व कालवाड में डीजे मशीने चोरी के 06 मामले दर्ज हैं। आरोपीगणो को पीसी रिमाण्ड पर लिया जाकर अनुसंधान जारी है।

'मेले में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखे व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करे'

अलवर । अलवर जिले के भर्तृहरि घाम पर 29 अगस्त से 1 सितंबर तक भरने वाले लख्खी मेले की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ मेला स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को मेले में आने वाले

- कलेक्टर ने मेले के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने मेला स्थल का निरीक्षण कर मेला कमेटी एवं मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों से मेले के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और कहा कि बाबा भर्तृहरि के मेले में बडी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है अतः संबंधित

जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने भर्तृहरि घाम पर मेले की तैयारियों को लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अधिकारी सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होवे। अधिकारी आपसी समन्वय रखते हुए सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। मेले में सफाई कर्मचारी, मोबाइल शौचालय, रोशनी, अग्निशमन, पर्याप्त कचरा पात्र एवं साफ-सफाई से जुडी समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं हो इसके लिए नजर रखी जावे। मेले में लगाई जाने वाली दुकानों, प्याऊ, भंडारे के दौरान कचरा का निस्तारण के लिए डस्टबिन लगवाकर ऑर्गेनिक तरीके से कंपोस्टिंग की व्यवस्था करावे। मेला स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करावे। मेला परिसर में लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की जांच मेले के आयोजन से पूर्व ही कर लेवे। मेले में वाहनों के आवागमन एवं पार्किंग का उचित प्रबंधन करावे, इसके लिए पूर्व निर्धारित प्रवेश-निकासी मार्गों से वाहनों का आवागमन सुनिश्चित होवे एवं निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों खडा किया जावे।

उन्होंने निर्देश दिये कि चिन्हित स्थानों पर मजबूत बैरिकेटिंग आदि की जांच कर लेवे।

जयपुर मंडल पर कैटल रन ओवर रोकने के लिए चलाया अभियान

फुलेरा । उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर सीआरओ (कैटल रन ओवर) रोकने के लिए जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन के निर्देशन में इंजीनियरिंग विभाग व आरपीएफ की ओर से संयुक्त विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें लोगो को रेलवे ट्रैक से दूर रहने व जानवरों को दूर रखने की हिदायत दी जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल ने बताया कि भारत एक कृषि-प्रधान देश है जिसमें मवेशियों का विशेष महत्व है। यह न केवल किसानों की आजीविका के मुख्य स्त्रोत हैं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आज के समय में रेलवे ट्रैक पर खुलेआम घूमते मवेशी दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। इनमें से एक गंभीर समस्य कैटल रन ओवर अर्थात् मवेशियों का तेज़ रफ्तार ट्रेन से कट जाना। यह घटना न केवल मवेशियों के लिए दुखद होती है बल्कि ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण बन सकती है। जयपुर मंडल पर वर्तमान समय में अधिकांश गाड़ियों का संचालन 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से किया जा रहा है। जिसके सुरक्षित संचालन के लिए रेलवे ट्रैक के दोनों तरफ स्लीपर व दीवार से फेंसिंग बनाई गई है। जिससे

- रेलवे ट्रैक से जानवरों को दूर रखने की लोगों को दी हिदायत, उल्लंघन करने पर रेलवे एक्ट के तहत होगी कार्यवाही

जानवरो को रेलवे ट्रैक पर आने से रोका जा सके। कैटल रन ओवर रोकने के लिए मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन के दिशा निर्देशन में सतीश मीणा वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) इंजीनियरिंग विभाग व ओंकार सिंह वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ द्वारा संयुक्त विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें लोगो को रेलवे ट्रैक से दूर रहने व जानवरों को दूर रखने की हिदायत दी जा रही है।

रेलवे सीमा में जानवरों को प्रवेश नहीं करने के लिए सख्त हिदायत दी व इससे होने वाले नुकसान व परेशानियों के बारे में भी समझाया। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से प्रवेश करने के बाद उस संपत्ति का दुरुपयोग करता है या छोड़ने से मना करता है, तो छह महीने तक के कारावास या एक हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

खैरथल तिजारा के नाम व मुख्यालय बदलने को लेकर लोगो में आक्रोश

किशनगढ़ बास। खैरथल सहित किशनगढ़ बास मुंडावर कोटकासिम तिजारा और भिवाड़ी में पिछले कुछ दिनों से भतृहरि नाम की चर्चा हो रही है। विपक्ष के नेताओं ने भतृहरि के नाम पर सत्ता पार्टी के नेताओं को घेरा हुआ है। विपक्ष के नेता आरोप लगा रहे हैं कि भतृहरि नाम जमीनों के सौदागरों को बढ़ावा देने के लिए उपयोग में लाया गया है। खैरथल जिले के रूप में मिली पहचान को बचाने के आंदोलन की राह पर है। इसी विरोध की कड़ी में एक दिन पहले ही बुधवार को मुंडावर विधायक ललित यादव और किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व में जबरदस्त ट्रैक्टर रैली निकालकर एडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया है। मुंडावर विधायक ने दावा किया कि वह 3200 ट्रैक्टर के साथ यहां पहुंचे हैं अगर जिले के साथ छेड़छाड़ की तो हम चुप बेठने वाले नहीं इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे।

गुरुवार को खैरथल बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक ओमप्रकाश रोघा ने धरना स्थल पर ऐलान किया है मुंडावर

- मुंडावर ट्रैक्टर रैली के बाद 31 अगस्त को किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र से विशाल ट्रैक्टर रैली खैरथल पहुंचेगी खैरथल बचाओ संघर्ष समिति का ऐलान
- आक्रोश खैरथल की जनता के साथ कांग्रेस में ज्यादा दिखाई दे रहा है कांग्रेस इसे राजनैतिक मुद्दा बनाकर इसका आगामी होने वाले नगर पालिका और पंचायत चुनाव में फायदा लेने की रणनीति का एक हिस्सा बनाकर हथियार बनाए हुए है

विधायक ललित यादव की सफल ट्रैक्टर रैली के बाद 31 अगस्त को किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व में किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र से बड़ी एक ट्रैक्टर रैली खैरथल पहुंचेगी और खैरथल को जिला मुख्यालय बनाए रखने की मांग को मजबूती प्रदान करेगी। इस ऐलान के दौरान विधायक दीपचंद खेरिया सहित अनेक कांग्रेस नेता भी मौजूद रहे।

खैरथल तिजारा जिले का नाम बदलकर नया भतृहरि नगर बसाने को लेकर के लोग असमंजस की स्थिति में है। केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की खैरथल तिजारा जिले का नाम बदलने और नया नाम देकर भतृहरि नगर अलग से बसाने के पिछे क्या योजना है और क्यूं हैं और क्यों नाम बदलना चाहते है, इसके करने से खैरथल को और इस जिले को क्या लाभ होने वाला है और यह साफ क्यों नहीं अभी तक कर पा रहे हैं यह यहां के लोगों को अंदर ही अंदर परेशान किए हुए हैं।

भतृहरि नगर के अलग से बसाने से और भतृहरि के नाम से अगर सबसे ज्यादा कही आक्रोश है तो वह है खैरथल में चूंकि दो साल पहले कांग्रेस सरकार में विधायक दीपचंद खेरिया के अथक परिश्रम से खैरथल को मिली जिले की पहचान खत्म होती है। इस बात का आक्रोश खैरथल की जनता के साथ कांग्रेस में ज्यादा दिखाई दे रहा है कांग्रेस इसे राजनैतिक मुद्दा बनाकर इसका आगामी होने वाले नगर पालिका और पंचायत चुनाव में फायदा लेने की रणनीति का एक हिस्सा बनाकर हथियार बनाए हुए है। यह बात केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और भाजपा के लोगों को समझनी होगी। चुकी खैरथल और किशनगढ़ बास की नगर पालिका और नगर-निगम में 10 साल से भाजपा का बोर्ड है।

दूसरी तरफ नजदीक के शहर और जिले के सबसे पुराने व पहले उपखंड किशनगढ़ बास का दर्द है कि जिला मुख्यालय का असली हकदार किशनगढ़ बास है प्रबुद्ध जनों का मानना है कि किशनगढ़ बास को पहले ही जिला मुख्यालय बनाया जाना था। जिसको लेकर यहां के व्यापारियों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री से किशनगढ़ बास को जिला मुख्यालय बनाए जाने की मांग भी कर चुके है।

भौगोलिक स्थिति और सुविधाओं की बात करें तो भौगोलिक रूप से किशनगढ़ बास से सभी उपखंडों की दूरी संतुलित है। यहां वर्षों से प्रशासनिक और न्यायिक सुविधाएं मौजूद हैं। अलवर जिले में, अलवर शहर के बाद ग्राम पंचायत स्तर पर सबसे ज्यादा सरकारी कार्यालय और न्यायिक संस्थान यहीं स्थापित हुए हैं। यहां पर अधिकारियों के लिए विद्युत विभाग का विश्रांति भवन, काले खां बाग में आवासीय क्वार्टर, और अन्य सुविधाएं लंबे समय से मौजूद हैं। हाल ही में जिला मुख्यालय खैरथल पर न्यायालय खोलने के आदेश हुए, लेकिन उपयुक्त भवन न मिलने के कारण जिला न्यायालय किशनगढ़ बास न्यायालय परिसर में शुरू किए गए हैं।

सार-समाचार

उपखंड कार्यालय का घेराव आज

पावटा। उपखंड कार्यालय पावटा पर आज ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में स्मार्ट मीटर लगाये जाने का विरोध सहित अन्य जनसमस्याओं को लेकर उपखंड कार्यालय पावटा का घेराव व धरना प्रदर्शन किया जायेगा जिसे लेकर बैठक का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महादेव प्रसाद व जिला सरपंच संघ अध्यक्ष मेहर सिंह धनकड सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने धरना स्थल का जायजा लिया व बताया कि कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित आमजन रैली के रूप में उपखंड कार्यालय पावटा पर जाकर प्रदर्शन करगे। नुक्कड़ सभा के बाद प्रबंधन को मांग पत्र दिया जायेगा। क्षेत्र की जनता तीन बड़ी समस्याओं से जूझ रही है। जिसमें स्मार्ट मीटर की जबरन थोपन आमजन की जेब पर भारी बोझ है। बिजली दरों में लगातार बढ़ोतरी से किसान, मजदूर और आमजन परेशान है। नगरपालिका पावटा की सुस्त और भ्रष्ट कार्यप्रणाली से मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। जिसे लेकर आज उपखंड कार्यालय पावटा का घेराव व धरना प्रदर्शन किया जायेगा । ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महादेव प्रसाद ने बताया कि यह आंदोलन किसी पार्टी या व्यक्ति का नहीं, बल्कि हर नागरिक की आवाज़ है। यह संघर्ष हमारे अधिकार, भविष्य और सम्मान की रक्षा का है। जिसे लेकर आज सुबह 10 बजे एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

विधायक पटेल ने लापता आर्मी जवान के परिजनों से की मुलाकात

पावटा। विधायक हंसराज पटेल बुधवार को क्षेत्र के ग्राम भौनावास पहुंचे। जहां उन्होंने लापता चल रहे आर्मी जवान भीमसिंह शेखावत के घर पहुंचकर उनके परिजनों व ग्रामीणों से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि आर्मी जवान शेखावत जो कि विगत 05 अगस्त को उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी स्थित धराली में बादल फटने की घटना के बाद से लापता चल रहे हैं। जिसको लेकर परिजनों समेत ग्रामीणों व क्षेत्रवासियों में चिंता व्याप्त हैं। शेखावत वर्तमान में भारतीय सेना की 22 राजरीफ बटालियन में तैनात थे, जो कि धराली के हर्षिल घाटी आर्मी कैम्प में अपनी सेवायें दे रहे थे एवं विगत 05 अगस्त को बादल फटने की घटना के बाद से ही लापता चल रहे हैं। विधायक पटेल ने परिजनों व ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि भारत सरकार व उत्तराखण्ड सरकार समेत भारतीय सेना युद्ध स्तर पर पूरी तत्परता के साथ राहत व बचाव कार्य में जुटे हुये हैं। विशेष तौर पर उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा प्रकरण की निगरानी कर रहे हैं। विधायक पटेल स्वयं जिला कलक्टर से लापता जवान को सकुशल वापस लाने को लेकर संवाद में बने हुये है। पटेल ने बताया कि भारतीय सेना के साथ-साथ एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी के जवान भी लापता जवानों की खोज में लगे हुये हैं। पटेल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही भीमसिंह सकुशल अपने घर परिजनों के बीच लौट सकेगें।

आध्यात्मिक जीवन की दिशा में एक सशक्त प्रकाशस्तंभ -पंडित मुकेश गौतम

देवली। देवभूमि देवली मे स्थित भगवान गुरु कृपा संस्थान आज श्रद्धा और विश्वास का वह केंद्र बनता जा रहा है। जानकारी के अनुसार यहां भक्तों के समाधान के साथ-साथ उनका आत्मिक शांति का अनुभव होता है। भगवान गुरु कृपा संस्थान से जुड़े भक्तों ने जानकारी में बताया कि यह पावन स्थल यहां श्री डिग्गी कल्याण महाराज के अनन्य भक्त, पंडित मुकेश गौतम अपनी दिव्य साधना, गहन अनुभव और आध्यात्मिक ज्ञान से जनमानस का कल्याण कर रहे हैं। ऐसे में यहां देखा गया कि हजारों श्रद्धालु, जो जीवन की उलझनों, कष्टों और मानसिक द्वंद्व से पीड़ित होकर आते हैं उन्हें गुरुदेव की कृपा से समाधान, संतुलन और आशा की नई किरण प्राप्त होती इस पर गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम ने बताया कि गुरु केवल शिक्षक नहीं होते जो आत्मा के अंधकार को प्रकाश में बदल देते हैं वह गुरु शिक्षक के भांति होते हैं। ऐसे में अनुयायियों बताया कि पंडित मुकेश गौतम ऐसे ही एक युगद्रष्टा,गुणवान और कर्मनिष्ठ गुरु हैं। जिनका सान्निध्य केवल पूजा-पाठ नहीं बल्कि आत्मा से परमात्मा तक की यात्रा का विश्वास है।

देव धाम के लिए पदयात्रा रवाना

टोंक। दतवास थाना क्षेत्र गांव सिरोही से जोधपुरिया देव धाम के लिये प्रथम पदयात्रा रवाना हुई। इस पदयात्रा को भाजपा अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा जयसिंहपुरा व सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र बेनीवाल ने ध्वज की पूजा अर्चना कर रवाना किया। जहां यात्रियों को तेजाजी मंदिर के समीप तिलक व माला पहनकर स्वागत किया तथा महिलाएं देवनारायण भगवान के भजनों पर नृत्य करते रवाना हुई। इस दौरान गंगापुरा मोड पर बाबा रामदेव सेवा समिति के तत्वावधान में बसराम गुर्जर ने पद यात्रियों को जलपान कराकर स्वागत किया, पदयात्रा मुख्य मार्गो से गुजरते समय ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर माला पहनाकर स्वागत किया।

आरोपियों की गिरफ़्तारी की मांग को लेकर निकाली रैली

भरतपुर । भरतपुर में 22 अगस्त को दहेज़ की मांग को लेकर एक महिला की हत्या कर दी गई थी। पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगया है। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज महिला के परिजनों ने शहर के कुम्हेर गेट से आईजी ऑफिस तक एक रैली निकाली। पीहर पक्ष ने आईजी से इस मामले की तफ्तीश बदलने की भी मांग की। जिन वाहनों का उपयोग कर सुदर्शना की हत्या की गई उन वाहनों को अभी तक जब्त नहीं किया गया है। पीहर पक्ष ने सुदर्शना के पति दिलीप को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। उसके बाद भी पुलिस यह कहती रही की उन्होंने दिलीप को गिरफ्तार नहीं किया है उसे सिर्फ डिटेन किया गया है।आरोपी पक्ष खुलेआम घूम रहा है। वह पुलिस अधिकारियों पर दबाव बनाए हुए हैं। जिसको लेकर आज सुदर्शना के परिजन और गांव के लोगों ने शहर के कुम्हेर गेट से आईजी ऑफिस तक एक रैली निकाली और, आईजी से इस मामले की तफ्तीश बदलने की मांग की, आईजी ने अब इस मामले की जांच सीओ पंकज यादव को दे दी है। रैली को देखते हुए आईजी ऑफिस के बाहर बेरिकेटिंग कर पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

मुख्यमंत्री आज डोडारायसिंह आयेगें

टोंक। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा आज टोडारायसिंह आएंगे, जिसकी जानकारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा आज प्रात जयपुर से हैलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 12:05 पर हैलीपेड टोडारायसिंह पहुंचेंगे। जहां से वह लाडपुरा वन क्षेत्र, टोडारायसिंह में एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान कार्यक्रम में शामिल होंगे, इसके पश्चात हैलीकॉप्टर द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उच्चाधिकारीयों ने टोडारायसिंह सभा स्थल का लिया जायजा तथा सभा स्थल पर जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, टोड़ा उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा, देवली उपखंड अधिकारी रूबी अंसार, मालपुरा उपखंड अधिकारी अमित चौधरी, टोडारायसिंह थानाधिकारी हरिराम चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

क्रिकेट बोर्ड और भारतीय सरकार जो कहे, वैसा ही करना चाहिए। जज्बातों से नहीं खेला जाता है। इसमें बहुत सी चीजें देखी जाती हैं। जब सब तैयार होते हैं तो खेलना होता है और खेलना भी चाहिए।
- मोहम्मद शमी

भारतीय गेंदबाज, भारत-पाक मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एक बार फिर डायमंड लीग फाइनल 2025 में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेंगे। बता दें कि, ये मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर के लेट्ज़िठुंड स्टेडियम में होगा। ये वही जगह जहां नीरज ने तीन साल पहले अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता था। नीरज चोपड़ा का मुकाबला गुरुवार, 28 अगस्त 2025 को भारतीय समयानुसार रात 11.15 बजे है।वहीं 2023 और 2024 में उन्हें उपविजेता बनकर ही संतोष करना पड़ा। वहीं, इस जीत की बात करें तो नीरज के लिए शुरुआत धमाकेदार अंदाज में हुई थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम ने यूएई की सरजमीं पर टी20 विश्व कप 2021 में टीम इंडिया ने यहां पर 5 मैच खेले थे। जिसमें 3 मैचों में जीत मिली तो वहीं 2 मुकाबलों में हार का भी सामना करना पड़ा।

जयपुर में होगा हर घर हॉकी टेलेंट सर्च अभियान

जयपुर, 28 अगस्त। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा खेलों के उत्थान और नई प्रतिभाओं की खोज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर घर हॉकी - निःशुल्क हॉकी एवं टैलेंट सर्च अभियान का भव्य आयोजन शुक्रवार, 29 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह आयोजन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक सूरज मैदान, राजापार्क, जयपुर में संपन्न होगा। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंजू शर्मा सासंद जयपुर शहर, के.के. विश्नोई खेल राज्य मंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल से जोड़ना, उन्हें निःशुल्क हॉकी उपलब्ध कराना और उभरती हुई प्रतिभाओं को सॉफ्ट हॉकी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्रदान करना है। उन्होंने इसे हॉकी को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प बताया। फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह ने जानकारी दी कि आयोजन के दौरान खिलाड़ियों को निःशुल्क हॉकी स्टिक वितरित की जाएगी। इसके साथ ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण और भविष्य में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस अभियान को लेकर खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में गहरा उत्साह देखा जा रहा है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश में हॉकी को नई ऊँचाई देने में मील का पत्थर साबित होगी।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन 20 चैलेंजर ट्रॉफी : आयुषी, आरजू, डिंपल, वृंदा का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 28 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज से राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडयम पर राज्य स्तरीय सीनियर महिला 20 चैलेंजर टॉफीशुरू हुई। आज पहले दिन आयुषीगर्ग, आरजू , डिंपल कँवर, संगीता, सुमित्रा जाट, सिद्धि शर्मा, याना, चंद्र ज्योत्सना वृंदा शर्मा का शानदार प्रदर्शन रहा।

पहले दिन खेले गए मैचों का परिणाम :-

पहला मैच टीम बी - टीम ए (टीम ए 5 विकेट से जीती), टीम बी पारी 105/6, टीम के लिए आयुषी गर्ग 60 व धृति माथुर 26 रनो का योगदान दिया। टीम ए की गेंदबाज आरजू 8/2 व सुमन, सोनल प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम ए पारी 108/5, टीम के लिए संगीता कुमावत 42, आरजू नाबाद30 व सुमन 24 रनो का योगदान दिया।टीम बी की गेंदबाज कंचन हाडा 12/2, सिद्दी शर्मा 19/2 व भावना 14/1 विकेट।

दूसरा मैच टीम डी - टीम सी (टीम सी9 विकेट से जीती), टीम डी पारी 95/6, टीम के लिए सुमित्रा जाट 29, ज्योति चौधरी 19, अंशु 16 व वृंदा शर्मा रनो का योगदान दिया टीम सी की गेंदबाज याना वर्मा 14 /2 , अक्षिता, शानू प्रत्येक 1-1 विकेट, टीम सी पारी 96/1, टीम के लिए डिंपल कँवर नाबाद 59 व चंद्र ज्योत्सना 28 रनो का योगदान दिया।टीम डी की गेंदबाज वृंदा शर्मा 18/1 विकेट।

अंडर-15 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग : ब्रदर्स यूनाइटेड ने जयपुर फुटसाल क्लब को रौंदा

जयपुर, 28 अगस्त। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्थित फुटबॉल मैदान पर आज 3 मैच खेले गए राजस्थान फुटबाल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अंडर - 15 खिलाड़ियों की यह लीग राजस्थान में पहली बार आयोजित की जा रही है। पहला मैच मेवाड़ फुटबाल क्लब एवं राजस्थान फुटबाल स्कूल के बीच खेला गया, इस मुकाबले में राजस्थान फुटबाल स्कूल 5 -0 से मैच जीत हासिल की विजेता टीम की तरफ से मेवाड़ की तरफ से परिणाज्य ने दो गोल और माधव, सुजल और ऋषि अग्रवाल ने एक एक गोल किया। दूसरा मैच जयपुर फुटसाल क्लब एवं ब्रदर्स यूनाइटेड के बीच खेला गया जिसमें ब्रदर्स यूनाइटेड 7 - 1 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से परवीन , हरिदास और कीनूराम ने दो दो गोल किए इंद्रा ने एक गोल किए। जयपुर फुटसाल से अथर्व ने गोल किया । तीसरा मैच जयपुर यूनाइटेड एवं रॉयल फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें रॉयल क्लब 6 - 2 से विजयी रहा, विजेता टीम की तरफ से तोहिद ओर सुजल ने दो दो गोल रणविजय, अजित ने एक एक गोल किया। जयपुर यूनाइटेड की तरफ से अभय प्रताप सिंह ने दो गोल किए। अगले मैच 31 अगस्त को खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने की खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी से प्रदेश को खेल क्षेत्र में मिलेगी नई पहचान

अधिकाधिक युवाओं की हो सहभागिता, भव्य आयोजन से देशभर में बने मिसाल

आमजन में आयोजन के व्यापक संदेश के लिए करें नवाचार : मुख्यमंत्री

जयपुर, 28 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। इस खेल आयोजन से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा तथा यह आयोजन खेल के क्षेत्र में राजस्थान को नई पहचान भी दिलाएगा। ऐसे में इन गेम्स का भव्य एवं सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए ताकि यह पूरे देशभर में मिसाल बन सके। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि इन खेल आयोजन में प्रदेश के संभाग मुख्यालयों पर गेम्स आयोजित करने के प्रयास किए जाए एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों की सहभागिता तथा प्रदेश के युवाओं का जुड़ाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खेल आयोजन के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचारों को अपनाया जाए। इसके लिए मुख्य आयोजन से पहले पूर्व गतिविधियों के रूप में मैराथन सहित स्कूल-कॉलेज में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाए ताकि प्रदेशभर में खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश जाए। साथ ही, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की सहगतिविधियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों एवं अतिथियों के लिए आवास व्यवस्था, दर्शकों की बैठक व्यवस्था एवं खेलों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की पूर्ण व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, सौन्दर्यकरण एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रज्ञानंदधा ने ग्रैंड शतरंज टूर के फाइनल में बनाई जगह

सेंट लुई (अमेरिका), 28 अगस्त। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंदधा ने गुरुवार को सिंकफील्ड कप में उपविजेता रहकर ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। आज यहां खेले गये मुकाबले में अमेरिका के वेस्ली सो ने नाटकीय त्रिकोणीय प्लेऑफ जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। सो ने नौवें और अंतिम राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंदधा और फैबियानो कारुआना के साथ ड्रा खेला। उन्होंने संभावित दो में से 1.5 अंक हासिल करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई। क्लासिकल वर्ग में सो, कारूआना और प्रज्ञानंद के 5.5 अंक रहे।

प्रज्ञानंदधा ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ ड्रॉ खेला और टाईब्रेक में कारुआना को हराकर एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि सो के खिलाफ एकमात्र ड्रॉ के बाद कारुआना को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अरोनियन पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर रहे। वाचियेर लाठोव, अमेरिका के सैमुअल सेवियान और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ पांचवें स्थान पर रहे। उनके बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश रहे।

मालेवर दोहरे शतक के करीब, पाटीदार ने जड़ा शतक

बेंगलुरु, 28 अगस्त। दानिश मालेवर (नाबाद 198) और रजत पाटीदार (125) की शतकीय पारियों तथा उनके बीच हुई 343 रनों की जर्बदस्त साझेदारी की बदौलत सेंट्रल जोन ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में नार्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेलते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन का विशाल स्कोर बना लिया है।

नार्थ ईस्ट जोन ने आज यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज चार रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज आयुष पांडेय का विकेट गंवा दिया। उन्हें आकाश चौधरी ने आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार ने दानिश मालेवर के पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 343 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किये। 66वें ओवर में फिरोइजम सिंह ने रजत पाटीदार को अंकुर मलिक के हाथों कैच आउट कराकर नार्थ ईस्ट जोन को दूसरी सफलता दिलाई। रजत पाटीदार ने 96 गेंदों में 21 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 125 रनों की पारी खेली।

एसएफएल फुटबॉल लीग 2025 का दूसरा संस्करण 27 से

मुंबई, 28 अगस्त। पश्चिमी भारत की सबसे रोमांचक ग्रासरूट फुटबॉल लीग वापस आ गई है - और यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ी है। स्पोर्ट्स फॉर लाइफ द्वारा आयोजित एसएफएल फुटबॉल लीग 2025 युवा एथलीटों के लिए संरचित, तकनीक-सक्षम प्रशिक्षण पर केंद्रित एक बहु-खेल अकादमी - 27 सितंबर, 2025 को शुरू होगी।

संजू ने फिर किया कमाल, शतक के बाद ठोकी 2 फिफ्टी

केरल, 28 अगस्त। केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन आए दिन अपने बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। वह लगातार एक से बढ़कर एक पारियां खेल रहे हैं। संजू ने अपने प्रदर्शन से एशिया कप 2025 से पहले ही संजू सैमसन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की मुश्किल बढ़ा दी है।फिलहाल, एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में ओपनिंग के लिए 3 खिलाड़ियों में जंग देखने को मिल रही है। उपकप्तान शुभमन गिल के साथ अभिषेक शर्मा या फिर संजू सैमसन पारी का आगाज कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे थे कि हेड कोच गंभीर लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशनल को तरजीह दे सकते हैं।

ऐसे में संजू को बाहर बैठना पड़ता। अब संजू ने केरल क्रिकेट लीग में खुद को साबित कर गंभीर और सूर्या को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। इस लीग में संजू ने अब तक तूफानी अंदाज में 1 शतक के साथ दो अर्धशतक भी ठोके। लीग के 15वें मुकाबले में कोच्चि ब्लू टाइगर्स का सामना अदानी त्रिवेंद्रम रॉयल्स से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोच्चि ब्लू टाइगर्स को संजू सैमसन और विनूप मनोहरन ने तेज शुरुआत दिलाई। संजू ने 167.57 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 37 गेंदों पर 62 रन कूट दिए। इस दौरान संजू ने 4 चौके और 5 सिक्स लगाए।

राजस्थान स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का उद्घाटन

जयपुर, 28 अगस्त। मघाराम कुलरिया अध्यक्ष मघाराम कुलरिया फाउण्डेशन एवं ए एन जी ट्रंकी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने आज के इवेण्ट्स का उद्घाटन किया। इससे पूर्व राजस्थान ओलम्पिक संघ के सचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर एवं जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव हेमाराम जाट ने सम्पूर्ण चैम्पियनशिप के स्पोन्सर मघाराम कुलरिया का साफा पहनाकर एवं मोमेण्टों भेंट कर स्वागत किया। राजस्थान एथलेटिक्स संघ के सचिव देवनारायण गुर्जर ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि मघाराम कुलरिया के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में मांगीलाल जी सुथार, रामलाल जी ढ़ाका, ओमप्रकाश कड़वासरा, मोहन सिंहाग रेसला सुप्रीमो,गिरधारी गोदारा, प्रदेशाध्यक्ष रेसला एवं अर्जुन कड़वासरा, प्रवक्ता देहात भाजपा बीकानेर ने कार्यक्रम में पधारकर खिलाड़ियों को पदक से सम्मानित किया। इसके अलावा पैरा ओलम्पिक संघ के जिला अध्यक्षदेवेन्द्र, गहलोत एवं वॉलीबाल के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे विक्रम सिंह तथा साइक्लिंग के अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ीदयालाराम सारण ने भी खिलाड़ियों को पदक से सम्मानित किया एवं उनकी हौसला अफजाई की।

आरपीसी में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी का धमाकेदार आगाज

जयपुर, 28 अगस्त। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में आज गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी का रोमांचक आगाज हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पाँच टीमें शीर्ष स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। पहले मैच में, टीम जाजू पोलो ने टीम बिंदैयाका पर 8-4 से शानदार जीत के साथ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। ध्रुव और सूरज ने बेहतरीन तालमेल और अथक गति के साथ टीम का नेतृत्व किया और टूर्नामेंट की शुरुआत की नींव रखी। दूसरे मैच में टीम जेआरपीसी ने रणनीति और गति का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टीम आरवीसी को 10-4 के अंतिम स्कोर से हराया। जहाँ आरवीसी ने आखिरी चकर में चार तेज़ गोल दागे, वहीं जेआरपीसी के शुरुआती दबदबे ने जीत पक्की कर दी। मैदान जीवंत और प्रतिस्पर्धा के साथ, गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी एक रोमांचक पोलो और उभरती प्रतिभाओं के लिए एक सप्ताह का वादा करती है।

दलीप ट्रॉफी : गिल, जुरेल और ईश्वरन नहीं खेल पाए पहला मुकाबला, शमी की वापसी

बेंगलुरु, 28 अगस्त। शुभमन गिल ईस्ट जोन के खिलाफ भारतीय घरेलू क्रिकेट के पहले दलीप ट्रॉफी मुकाबले में नहीं खेल पाए हैं, गिल की तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं थी। गुरुवार को बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फ़ाइनल मुकाबलों की शुरुआत हो गई है। गिल को नॉर्थ जोन की टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से वह पहला मुकाबला नहीं खेल पाए। गिल को कौन सी बीमारी हुई है, इसकी जानकारी ने बीसीसीआई ने अब तक आधिकारिक तौर पर साझा नहीं की है।

हालांकि इस बात की पूरी उम्मीद है कि वह 9 सितंबर से अबु धाबी में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले फिट हो जाएंगे। दलीप ट्रॉफी के पहले मुकाबले में उनकी अनुपस्थिति में हरियाणा के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अंकित कुमार नॉर्थ जोन की टीम की कप्तानी कर रहे हैं, जबकि सर्विसेज के बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला ने गिल के स्थान पर टीम में जगह बनाई है। गिल ने कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज, तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

एफआईएच प्रो. लीग में भारत और पाक के बीच होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 28 अगस्त। एफआईएच प्रो लीग 2025-26 सीजन में भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीम भिड़ेंगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने गुरुवार को बताया कि न्यूजीलैंड के स्थान पर पाकिस्तान की हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के सीजन में खेलेगी। एफआईएच कहा कि पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम 2025-26 सीजन में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार करने के बाद पहली बार एफआईएच प्रो लीग में भाग लेगी। 2024-25 एफआईएच नेशंस कप विजेता न्यूजीलैंड के प्रतियोगिता से बाहर होने के बाद एफआईएच प्रो लीग 2025-26 में पाकिस्तान का प्रवेश हुआ है। मलेशिया में हुए टूर्नामेंट में उपविजेता होने के नाते, ग्रीन शर्ट्स पदोन्नित की कतार में वह अगली टीम थी। पाकिस्तान हॉकी की भागीदारी से टूर्नामेंट प्रारूप के तहत भारत बनाम पाकिस्तान के दो हॉकी मैच पक्के माने जा रहे हैं। एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने इस कदम को एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि पाकिस्तान को शीर्ष प्रतियोगिताओं में वापस देखकर बहुत अच्छा लगा। यह विश्व हॉकी के लिए वाकई एक प्रभावशाली उपलब्धि है। इकराम ने कहा, उनकी वापसी न केवल एक समृद्ध और गौरवशाली इतिहास वाली टीम की वापसी का प्रतीक है, बल्कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग की लोकप्रियता और पहुंच को भी बढ़ावा देती है। 2019 में शुरू हुई एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दुनिया की नौ सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय टीमें शामिल हैं। एफआईएच प्रो लीग का आगामी सीजन लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए एक क्वालीफाइंग स्पर्धा भी होगा। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के आगामी पुरुष सीजन में पाकिस्तान अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, भारत, नीदरलैंड और स्पेन के साथ शामिल है। अब तक आयोजित छह संस्करणों में नीदरलैंड का दबदबा रहा है। डच महिला टीम ने पांच खिताब जीते हैं, जबकि पुरुष टीम ने तीन खिताब जीते हैं। दोनों अपने-अपने वर्ग में मौजूदा चैंपियन भी हैं।

सबालेंका और अल्काराज तीसरे दौर में पहुंचे

न्यूयॉर्क, 28 अगस्त। मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने महिला एकल के दूसरे दौर में पोलिना कुडरमेतोवा को 7-6 (4), 6-2 से हराया, जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने इटली के मटिया बेलुची को 6-1, 6-0, 6-3 से हराकर 2025 यूएस ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने कुडरमेतोवा के खिलाफ धीमी शुरुआत की, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने स्विट्जरलैंड की रेबेका मासरोवा के खिलाफ पहले दौर के मैच में की थी। पहले सेट के टाई-ब्रेकर में कड़ी टक्कर के बाद, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने बुधवार को दूसरे सेट में अपनी लय और जीत हासिल की। साल के अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने जीत के बाद कहा, "पहला सेट मेरे लिए बहुत कड़ा था। यह ज्यादातर सर्विस और पहले शॉट के बारे में था। मुझे खुशी है कि मैं दबाव को संभाल पाई और कुडरमेतोवा को जवाब दे पाई। दूसरे सेट में, मैं अपने रिटर्न गेम में काफी बेहतर महसूस कर रही थी, और मेरी सर्विस भी बेहतर थी। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने बेलुची पर सीधे सेटों में ज्यादा आसानी से जीत हासिल की। स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा, "मैंने मैच की शुरुआत में कुछ लक्ष्य बनाए थे, और मैं पहली गेंद से लेकर आखिरी गेंद तक उन पर अमल करने की कोशिश कर रही हूँ। इसी चीज ने मुझे मैच में बने रहने, सकारात्मक बने रहने, हर समय आक्रामक बने रहने में बहुत मदद की। उतार-चढ़ाव नहीं आए।" महिलाओं की अन्य शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी तीसरे दौर में पहुंच गईं, जहां घरेलू स्टार जेसिका पेगुला ने अन्ना ब्लिंकोवा को 6-1, 6-3 से हराया, और पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने अनस्तासिया पोटापोवा को 6-1, 6-3 से आसानी से हराया। पुरुष वर्ग में, चौथी वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस को 4-6, 7-6 (3), 6-2, 6-4 से हराया, जबकि 38 वर्षीय अनुभवी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने दूसरे दौर में अमेरिका के ज़ाचरी स्वेज्दा को 6-7 (5), 6-3, 6-3, 6-1 से हराया। अन्य पुरुष एकल मुकाबलों में, जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने डेनमार्क के 11वीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून को पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में 7-6 (5), 2-6, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया, और बेल्जियम के 23 वर्षीय राफेल कॉलिग्नन ने नॉर्वे के 12वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 3-6, 3-6, 6-4, 7-5 से हराया।

सिंधू और ध्रुव कपिला-तनिषा क्रैस्टो क्वार्टरफाइनल में

पेरिस, 28 अगस्त। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने एकल में तथा ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो ने मिश्रित युगल में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सिंधु ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरूवार को विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग झीयी पर जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में जीत के साथ अपनी पकड़ मजबूत कर ली, और फिर दूसरे गेम में अपनी प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से मात देते हुए केवल 48 मिनट में 21-19, 21-15 से जीत हासिल की। सिंधु, जिन्होंने पहले मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा और दूसरे मैच में मलेशिया की करुपाथेवन लेत्शाना को हराया था, शुक्रवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशियाई शटलर पुत्री कुसुमा वर्दानी से भिड़ेंगी। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग चीन के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को एक घंटे 3 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-12, 21-15 से हराया। शुरुआती गेम में मामूली अंतर से हारने के बाद, ध्रुव और तनिषा ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और दूसरे गेम में दबदबा बनाया और अपनी लय को निर्णायक गेम तक बरकरार रखा। इस जीत के बाद अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया की चेन तांग जी और तोह ई वेई की जोड़ी से होगा, जहां भारतीय जोड़ी अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी।

चार गोल्ड एवं एक रजत कुल 5 पदक जीतकर राजस्थान को गौरवान्वित किया

जयपुर, 28 अगस्त। कजाकिस्तान के सिमकेत शहर में एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप, कजाकिस्तान 2025 16 से 30 अगस्त तक आयोजित हो रही प्रतियोगिता में राजस्थान के युवा निशानेबाज़ उद्धव सिंह राठौड़ ने जूनियर टीम इवेन्ट में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर अपना कब्ज़ा किया व 50 मीटर फी पिस्टर सीनियर वर्ग में योगेश कुमार ने रजत पदक प्राप्त किया। साथ ही 50 मीटर फी पिस्टर जूनियर वर्ग में अभिनव चौधरी एवं उमेश चौधरी ने जूनियर टीम का गोल्ड मेडल जीता। साथ ही राजस्थान के कुशाग्र सिंह राजावत ने 50 मीटर राईफल प्रोन टीम इवेन्ट में गोल्ड मेडल जीता।

तीन दिवस तक प्रदेशभर में मनाया जायेगा राष्ट्रीय खेल दिवस

29 से 31 अगस्त तक होगा खेलों का आयोजन

हॉकी, रस्सा कस्सी, योगा, वॉलीबाल व साईक्लिंग के होंगे मैच

जयपुर, 28 अगस्त। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर के द्वारा गुलाबी नगरी के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की याद में प्रदेशभर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जायेगा।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में आम जनता की खेलों में भागीदारी बढाने व देश में खेल व फिटनेस क्लचर स्थापित करने के लिए खेल गतिविधियां व खेलों से जूडी हुई अन्य गतिविधियों का आयोजन 29 से 31 अगस्त तक सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जायेगा।

उन्होने बताया कि खेल दिवस पर सवाई मानसिंह स्टेडियम, विद्याधर नगर स्टेडियम, चित्रकूट स्टेडियम एवं चौगान स्टेडियम मे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थी एवं जयपुर मे संचालित खेल अकादमियो के प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे।

राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को प्रातः 06:50 बजे पुष्पांजली, 07:00 बजे प्रभात फेरी के अलावा प्रातः 08:00 बजे प्रदर्शन हॉकी मेच व प्रातः 08:30 बजे रस्सा कस्सी का आयोजन किया जायेगा। इसके अगले दिन योगा व वॉलीबाल मेचों का आयोजन होगा। जबकि 31 अगस्त को साईक्लिंग स्पर्धा का आयोजन किया जायेगा। आयोजन के संबंध में भारत सरकार के फिट इंडिया पोर्टल पर पंजियन कर आयोजन की फोटो व विडियों अपलोड करेगें। तीन दिवसीय खेल आयोजनों के लिए प्रशिक्षको की खेल वार कमेटी गठित की गई है।

सोलफिल क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 28 अगस्त। अंडर-13 पिंकसिटी कप में आर आर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 88 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। गोलू यादव ने सर्वाधिक 26 रनों का योगदान दिया। सोलफिल क्रिकेट अकादमी की ओर से दीक्षित यादव और सोम सैनी ने तीन - तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोलफिल क्रिकेट अकादमी ने 18 ओवर में 91 रन 3 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली ! राघव शर्मा ने 27 और जैस महला ने 16 नाबाद रनों का योगदान दिया। आर आर क्रिकेट अकादमी की ओर से रवि ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सोम सैनी को चुना गया।

जयपुर जिला सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल

जयपुर, 28 अगस्त। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में कोटा जिला फुटबाल संघ द्वारा 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर के मध्य आयोजित की जाने वाली राजस्थान राज्य सीनियर पुरुष फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए जयपुर जिले की सीनियर पुरुष फुटबॉल के चयन हेतु एक ट्रायल आगामी 6 और 7 सितंबर 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। यह ट्रायल राजस्थान फुटबाल संघ द्वारा गठित जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के द्वारा आयोजित की जाएगी। संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार ने बताया कि ट्रायल हेतु वही पुरुष खिलाड़ी पात्र है जिसका जन्म 2009 या उससे पहले के साल में हुआ हो और जो जयपुर जिले का निवासी हो यानी कि उसके जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड में जयपुर का पता हो या उसके पास जयपुर जिले का मूल निवास प्रमाण पत्र हो।

सभी इच्छुक खिलाड़ियों को शनिवार 6 सितंबर को सुबह 7 बजे तक सवाई मानसिंह स्टेडियम के फुटबॉल ग्राउंड पर रिपोर्ट करनी है, ट्रायल 2 दिन चलेगी। 6 सितंबर को रिपोर्ट करने वाले खिलाड़ियों को खेल के आधार पर 7 सितंबर को या जरूरत पड़ी तो उसके आगे एक दिन और ट्रायल ली जाएगी।

संचालन समिति के सदस्य डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को टीमों में बांट दिया जाएगा और उन टीमों के बीच में एक जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के आधार पर जयपुर जिले की टीम के लिए संभावित अंतिम 25 फुटबॉल खिलाड़ियों का कैंप हेतु चयन किया जाएगा। 6 और 7 सितंबर को आयोजित होने वाली ट्रायल अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ द्वारा मान्यता प्राप्त योग्य कोचों द्वारा ली जाएगी।

ट्रायल में भाग लेने हेतु सभी इच्छुक खिलाड़ियों को 3 सितंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। अधिक जानकारी के लिए अब्दुल जब्बार (6376934423), मनोज शर्मा (9414441770), हितेश शर्मा (9413678580), डॉ. दिलीप सिंह चूंडावत (9314441705) एवं शेब्बी फिलिप्स (9828999467) संपर्क करे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग की, वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को राजस्व में बढ़ोतरी के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर कार्य करने के लिए निर्देश दिए।

'सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित होगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने यह भी कहा कि अनियमितता पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी

■ **मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में मानसून में क्षतिग्रस्त सड़कों का ड्रोन सर्वे कराकर 20 अक्टूबर से पहले मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 28 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़क, बायपास, आरओबी और आरयूबी जैसी जनउपयोगी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग पाए जाने और अकारण देरी पर कॉन्ट्रेक्टर के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए उनसे वसूली की जाएगी। साथ ही, अनियमितता पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर उनके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होगी।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों का ड्रोन सर्वे करवाकर 20 अक्टूबर से पहले मरम्मत कार्य पूरा करवाया जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को बेहतर सड़क निर्माण के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री की सूची संधारित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को राजस्व में बढ़ोतरी के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सड़क, बायपास आदि के लिए आवश्यक भूमि के अधिग्रहण पर उन नीतियों पर विचार करें जिसमें विभाग को भविष्य में राजस्व की बढ़ोतरी हो। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

अमेरिकी वीज़ा की अवधि घटाई जाएगी?

वाशिंगटन, 28 अगस्त। अमेरिकी प्रशासन अपने वीज़ा नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रहा है और अगर ये नियम स्वीक़त हो जाते हैं तो इससे अमेरिका में रह रहे वीजा धारकों की समयावधि घट जाएगी। इससे वहां रह रहे लोगों खासकर छात्रों को अपने देश जल्द वापस लौटना पड़ सकता है।

अमेरिकी गृह विभाग ने यह जानकारी देते हुए कहा है कि ये प्रस्तावित नियम अगर स्वीकार हो जाते हैं तो इससे वीज़ा के दुरुपयोग पर अंकुश लगेगा और शासन की इन व्यक्तियों की जांच और निगरानी करने की क्षमता बढ़ेगी। यह नियम कुछ ही तरह की वीज़ा श्रेणी पर लागू होगा और इस श्रेणी में विदेशी छात्रों को मिलने वाला वीज़ा भी शामिल है।

■ **अगर ऐसा हुआ तो वहां काम या पढ़ाई के लिए गए लोगों को जल्दी ही लौटना पड़ सकता है।**

अमेरिका के गृह विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, "बहुत लंबे समय से, पिछले प्रशासनों ने विदेशी छात्रों और अन्य वीज़ा धारकों को लगभग अनिश्चित काल तक अमेरिका में रहने की अनुमति दी है, जिससे सुरक्षा जोखिम पैदा होता है।" विदित हो कि सन 1978 से, यहां आने वाले विदेशी छात्रों को एफ श्रेणी का वीज़ा एक खास अवधि के लिए दिया जाता रहा है। अन्य वीज़ा श्रेणी से भिन्न यह वीज़ा धारकों को बिना किसी अतिरिक्त जांच-पड़ताल के अनिश्चित काल तक अमेरिका में रहने की अनुमति देता है। अब अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि विदेशी छात्रों ने अमेरिकी उदारता का लाभ उठाया है और वे ऐसे "स्थायी" छात्र बन गए हैं, जो अमेरिका में रहने के लिए उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में स्थायी रूप से खुद का नामांकन किए रहते हैं।

बिहार में घुसे तीन संदिग्धों पर 50 हजार का इनाम घोषित

तीनों पाकिस्तानी संदिग्ध नेपाल की सीमा से बिहार में घुसे हैं राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है

■ **इस घटनाक्रम के बाद राहुल की वोट अधिकार यात्रा में भी बदलाव किया गया है अब वे खुली जीप की बजाय बंदगाड़ी से यात्रा कर रहे हैं।**

मोतिहारी, 28 अगस्त। बिहार में नेपाल के रास्ते तीन संदिग्ध लोगों के घुसने के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इस संबंध में मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने आज यहां कहा है कि एजेंसियों की ओर से इनपुट जारी किया गया है और उसी इनपुट पर काम करते हुये हम लोग लगातार हाई- एलर्ट पर हैं। सीमावर्ती इलाकों में लगातार जांच की जा रही है। साथ ही पूरे जिला पुलिस को भी अलर्ट किया गया है।

उन्होंने बताया कि तीनों संदिग्ध लोगों पर 50 हजार रुपये इनाम की घोषणा की गयी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम जनता से अपील की गयी है कि अगर ये तीनों संदिग्ध कहीं दिखाई देते हैं तो नजदीकी थाने, डायल 112 या संबंधित पुलिस अधीक्षक के सरकारी मोबाइल या बेस नंबर पर फोन कर सूचना दे सकते हैं।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तीन संदिग्ध नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे हैं। इनमें हसनैन अली (रावलपिंडी निवासी), आदिल हुसैन (उमरकोट निवासी) और मोहम्मद उस्मान (बहावलपुर निवासी) के नाम शामिल हैं। पुलिस की ओर से इन तीनों संदिग्धों के नाम, तस्वीर सार्वजनिक कर दिये गये हैं।

पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी जिलों को खुफिया तंत्र को एक्टिव रखने, इनपुट जुटाने और संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने का आदेश दिया है।

वहीं मोतिहारी पुलिस ने तीनों आतंकियों पर 50 हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। बिहार में घुसे तीनों आतंकियों का पासपोर्ट भी सामने आया है। बताया जाता है कि तीनों आतंकी मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर से बिहार में घुसे हैं।

खबर है कि तीनों आतंकी अगस्त के दूसरे हफ्ते ही काठमांडू पहुंच गए थे। वहां से पिछले सप्ताह बिहार में घुसे हैं। खुफिया इनपुट के आधार पर आशंका है कि आतंकियों का मकसद बिहार में किसी बड़ी घटना को अंजाम देना था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आतंकी अलर्ट के बाद राहुल गांधी की यात्रा में बदलाव किया गया है। सीतामढ़ी में वे जिस कैंप में रुके थे वहां से सीधे जानकी मंदिर पहुंचे। यहां कई जगहों पर स्वागत मंच बनाए गए थे, लेकिन राहुल वहां नहीं रुके।

मंदिर में दर्शन के बाद राहुल गांधी का रोड शो भी था, लेकिन वो कैंसिल कर दिया गया है। राहुल गांधी अब ओपन जीप की जगह बंद गाड़ी से चल रहे हैं।

'मैंने कभी नहीं कहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार में सब कुछ आरएसएस तय करता है? ये पूर्णतः गलत बात है। ये हो ही नहीं सकता क्योंकि लक्ष्य वही है, जो हमारे देश की भलाई है। उन्होंने सरकार के साथ संघ के समन्वय पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सिर्फ मौजूदा सरकार ही नहीं, बल्कि हर सरकार के साथ हमारा अच्छा समन्वय है...कहीं कोई झगड़ा नहीं है। आगे जब उनसे पूछा गया कि भाजपा के अलावा अन्य राजनीतिक दलों का संघ साथ क्यों नहीं देता, तो जवाब में आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अच्छे काम के लिए जो हमसे सहायता मांगते हैं हम उन्हें सहायता देते हैं। हम सहायता करने जाते हैं तो जो दूर भागते हैं, उन्हें सहायता नहीं मिलती तो हम क्या करें। आपको सिर्फ एक पार्टी दिखती है जिसको हम सहायता कर रहे हैं। लेकिन कभी-कभी देश चलाने के लिए या पार्टी का कोई काम चलाने के लिए अगर वो अच्छा है तो हमारे स्वयं सेवक जाकर मदद करते हैं...हमें कोई परहेज नहीं है। सारा समाज हमारा है। हमारी तरफ से कोई रुकावट नहीं है। उधर से रुकावट है तो हम उनकी इच्छा का सम्मान करके रूक जाते हैं।

आरएसएस ने विभाजन का विरोध नहीं किया, इस सवाल का जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यह गलत जानकारी है। संघ ने विभाजन का विरोध किया था, लेकिन उस समय संघ के पास क्या ताकत थी। अखंड भारत एक सच्चाई है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के विभाजन को रोकने में संघ की भूमिका को समझना हो तो हो शेषाद्रि की पुस्तक "ट्रैजिक स्टोरी ऑफ़ पार्टीशन" पढ़नी चाहिए।

बिहार में एनडीए में सीटों के बंटवारे का फार्मूला तय

चर्चा है कि जेडीयू 102, भाजपा 101, चिराग पासवान 20, मांझी व उपेन्द्र कुशवाह 10-10 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

■ **कहा जा रहा है कि सीटों का बंटवारा तो लगभग तय हो गया है, पर कौन सी पार्टी किस सीट से लड़ेगी, इस पर चिंतन जारी है।**

पटना, 28 अगस्त। बिहार में इस साल (2025) होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर अब तक की सबसे बड़ी जानकारी सामने आई है कि एनडीए में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सेट हो गया है। सीटें भी बंट गई हैं। सबसे पहले यह जान लें कि एनडीए में पांच दल हैं। बीजेपी और जेडीयू के अलावा चिराग पासवान की पार्टी, जीतन राम मांझी की पार्टी एवं उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी शामिल है। इन्हीं पांच दलों में सीटों का बंटवारा फाइनल हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू लड़ेगी। बिहार की 243 सीटों में जेडीयू को 102 सीटें दी गई हैं। वहीं दूसरे नंबर पर बीजेपी है। भारतीय जनता पार्टी इस बार 101 सीट पर चुनाव लड़ेगी। वहीं चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) को 20 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को 10-10 सीटें दी जाएंगी। एक-दो सीटें आगे-पीछे हो सकती हैं।

हालांकि इस आंकड़े को लेकर आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की गई है। सीटों के बंटवारे को लेकर बहुत जल्द घोषणा होगी। बिहार में एनडीए गठबंधन की सीट शेयरिंग की तस्वीर अब काफी साफ हो गई है।

लेकिन कौन सी पार्टी कौन सी सीट पर लड़ेगी इसका मंथन आगे होगा। अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी दिल्ली गए थे। इस बीच अब सीटों का ये आंकड़ा आया है। जेडीयू को अधिक सीटें देकर यह बताने की कोशिश की गई है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही एनडीए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

दिनेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और इन आरोपों के चलते दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया था। यह तनाव इस हद तक पहुंचा कि दोनों देशों ने अपने-अपने देशों में तैनात राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था।

मोदी जापान और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देशों के प्रमुख से होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के निमंत्रण पर मैं 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। हम इस यात्रा के दौरान अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के अगले चरण को आकार देने पर ध्यान देंगे। यह यात्रा हमारे सभ्यतागत बंधनों और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने का भी अवसर होगी जो हमारे लोगों को परस्पर जोड़ते हैं।(पीएम ने कहा कि जापान से मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन जाऊंगा। भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है। सात साल में चीन की अपनी पहली यात्रा के दौरान पीएम दुनिया की कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ नजदीकी बढ़ाकर मेक इन इंडिया पहल के लिए समर्थन जुटाएंगे।

जयपुर महिलाओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महिलाओं के सर्वेक्षण के आधार पर, राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 प्रतिशत रखा गया है, तथा शहरों को इस मानक से काफी ऊपर, ऊपर, पर, नीचे या काफी नीचे श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।

कोहिमा और अन्य शीर्ष रैंक वाले शहर मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे से जुड़े थे।

दूसरी ओर, पटना और जयपुर जैसे शहरों का प्रदर्शन कमजोर संस्थागत प्रतिक्रिया, पितृसत्तात्मक मानदंडों और शहरी बुनियादी ढांचे में अंतराल के कारण खराब रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है, "कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर, मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं, जो अक्सर उच्च लिंग समानता, बुनियादी ढांचे, पुलिसिंग या नागरिक भागीदारी से संबंधित है, जबकि रांची, श्रीनगर, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर ने सबसे कम स्कोर किया है, जो खराब बुनियादी ढांचे, पितृसत्तात्मक मानदंडों या कमजोर संस्थागत जवाबदेही से संबंधित है।"

छत्तीसगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2000 से अधिक लोगों का अस्थायी रूप से पुनर्वासित किया गया है। शिविरों में रहने, खाने और सोने की संपूर्ण व्यवस्था की गई है।

'वैश्विक नेताओं से निजी ...

■ **इसके लिए भारत पर हर तरफ से दबाव डाला जा रहा है। कभी टैरिफ बढ़ाकर कभी एच वन-बी वीज़ा के नाम पर तो कभी ऑपरेशन सिंदूर व सीज़फायर पर दावे करके तो कभी रुस -यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताकर।**

■ **प्र.मंत्री मोदी ने भी इस दबाव को स्वीकार किया और कहा कि हम पर दबाव बढ़ सकता है, हम उसे सहन करेंगे पर हम किसानों, पशुपालकों व लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो नवैरो ने दोहराया: "मेरा मतलब मोदी की जंग है, क्योंकि शांति का रास्ता आंशिक रूप से दिल्ली से होकर गुजरता है... भारत कल ही 25 प्रतिशत की छूट पा सकता है अगर वह रूसी तेल खरीदना बंद कर दे और उनकी युद्ध मशीन को ईंधन देना बंद करे।"

उन्होंने आगे कहा: "इसमें कोई विवाद नहीं है। आप आँकड़े देखिए और फिर वे कहते हैं, 'हम रूसी तेल खरीदना बंद नहीं करेंगे।' तो इसका क्या मतलब है?"

यह पहली बार नहीं है जब नवैरो ने यूक्रेन में रूस के हमलों के लिए दिल्ली को जिम्मेदार ठहराया है। करीब 10 दिन पहले फाइनेंशियल टाइम्स में एक तीखे लेख में उन्होंने लिखा था: "रूस यूक्रेन पर हमला जारी रखे हुए है, क्योंकि उसे भारत के वित्तीय समर्थन से मदद मिल रही है, और अमेरिका (और यूरोप) के टैक्सदाता यूक्रेन की रक्षा में अरबों डॉलर खर्च करने को मजबूर हैं।"

हालाँकि कई अनुभवी विश्लेषकों का मानना है कि रूसी तेल केवल एक दिखावा है, और वास्तव में अमेरिका को जो सबसे ज्यादा परेशान कर रहा है, वह है भारत के विशाल बाज़ार तक पहुँच न मिल पाना, जो कि ऊँचे टैरिफ और विभिन्न नौकरशाही संबंधी अड़चनों के चलते संभव नहीं हो पा रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत कृषि बाज़ार को उसके उत्पादों के लिए खोले जो कि कोई भी सरकार नहीं कर सकती, क्योंकि इसका मतलब होगा भारतीय किसानों की बर्बादी।

एक वरिष्ठ राजनयिक ने जब पूछा गया कि अमेरिका भारत के पीछे क्यों पड़ा है, तो उन्होंने कहा: ये सब अर्थव्यवस्था के कारण है।"

वाइट हाउस के ट्रेज़री सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को इस बात की पुष्टि भी कर दी कि "यह केवल रूसी तेल के बारे में नहीं है।"

बेसेंट ने कहा कि भारत ने व्यापार समझौता वार्ताओं में केवल "दिखावा" किया है।

नवैरो ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "महान नेता" बताया। लेकिन उसके बाद जो उन्होंने कहा, वह इस सिद्धांत को मजबूत करता है कि वॉशिंगटन की असली चिंता भारत की व्यापारिक बाधाएँ हैं।

नवैरो ने कहा कि वे इस बात से हैरान हैं कि "भारत एक परिपक्व लोकतंत्र है जहाँ बुद्धिमान लोग शासन कर रहे हैं, लेकिन वे हमसे आँखों में आँखें डालकर कहते हैं कि 'हमारे टैरिफ दुनिया में सबसे ऊँचे नहीं हैं', जबकि सच्चाई यह है कि वे सबसे ऊँचे हैं।"

भारत पर अमेरिकी दबाव का एक और पहलू है - ट्रम्प प्रशासन की एच वन-बी वीज़ा कार्यक्रम को लेकर नाराजगी, जिसका सबसे बड़ा लाभार्थी भारत है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने बुधवार को कहा कि ट्रम्प प्रशासन एच वन-बी कार्यक्रम में बदलाव की योजना बना रहा है, जो भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच सबसे लोकप्रिय गैर-प्रवासी वीज़ा है। इसके साथ ही ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

लुटनिक ने कहा: "मैं एच वन-बी कार्यक्रम को बदलने में शामिल हूँ। हम इस कार्यक्रम को बदलने जा रहे हैं, क्योंकि यह बहुत खराब है।"

ऑपरेशन सिंदूर भी दबाव का बिन्दू है। ट्रम्प ने मंगलवार को फिर भारत के इस दावे का खंडन किया कि पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनके बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि इस झड़प में भारत ने अपने सबसे महंगे राफेल जेट खो दिए।

ट्रम्प के ये बार-बार के दावे सीधे-सीधे उनके मित्र नरेन्द्र मोदी की सरकार की उस स्थिति पर हमला हैं, जिसमें कहा गया है कि किसी विदेशी सरकार ने सैन्य अभियान रोकने का दबाव नहीं डाला।

प्रधानमंत्री ने स्वयं दबाव को स्वीकार किया। सोमवार को, जब अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ पूरी तरह लागू होने में दो दिन बाकी थे, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार "किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों पर समझौता नहीं कर सकती।"

उन्होंने यह भी जोड़ा: हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम उसे सहन करेंगे।

हाईकोर्ट ने वो कर दिखाया जो ...

■ **कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य द्वारा जनहित याचिका में 2021 की भर्ती परीक्षा रद्द करने की गुहार करते हुए, वरिष्ठ अधिवक्ता आरती सिंह ने कहा कि परीक्षा में 859 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की गई थी, और गिरफ्तारियों को देखते हुए प्रतीत होता है कि अधिकांश अभ्यर्थियों ने अनुचित व गैर कानूनी माध्यमों से परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए हो सकते हैं, परन्तु वास्तविकता में कितने अभ्यर्थियों ने गलत रास्ते अपनाए थे, इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है।**

■ **अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि आर.पी.एस.सी. द्वारा अपनाई जा रही कुप्रथाओं को देखते हुए हाईकोर्ट इन सभी मामलों पर स्वतः संज्ञान ले रहा है, जिस पर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की जाएगी।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी भर्ती परीक्षा रद्द करने के पक्ष में थे, परन्तु राज्य सरकार में वरिष्ठ अफसरों का एक गुट था जो पुरजोर तरीके से परीक्षा रद्द नहीं होने देने के पक्ष में था। राज्य सरकार में परीक्षा रद्द करने को लेकर इतनी असमंजता क्यों थी, इस पर कई गाथाऐं, उप-गाथाऐं सुनने में आती है। परन्तु न्यायाधीश समीर जैन ने एस.ओ.जी. की जांच रिपोर्ट, महाधिवक्ता द्वारा दी गई सलाह और 'केबिनेट कमेटी' द्वारा दी गई सिफारिश के बल पर 2021 की भर्ती परीक्षा को रद्द कर पुनः आयोजित करने के आदेश दिए हैं।

न्यायाधीश समीर जैन ने अपने आदेश में तत्कालीन आर.पी.एस.सी. अध्यक्ष संजय श्रोतिया समेत अन्य सदस्य, जिनमें बाबूलाल कटारा, रामूराम रायका, मंजू शर्मा, संगीता आर्या और जसवंत राठी पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा है कि इन अफसरों ने आर.पी.एस.सी. जैसी संवैधानिक संस्था, जिसे प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को चयन करना होता है, की विश्वसनीयता को छलनी कर दिया, जिससे आमजन का प्रशासन और संवैधानिक संस्थाओ पर विश्वास टूट सा गया। न्यायाधीश समीर जैन ने हिन्दी के एक मुहावरे 'घर का भेदी-लंका ढाएं' का उपयोग करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को आर.पी.एस.सी. जैसी संस्था के सम्मान को सुदृढ़ रखना था और परीक्षा प्रक्रिया की पवित्रता को बचाए रखना था, उन्हीं अफसरों ने इस संस्था और लोगों के हितों से विश्वासघात किया। न्यायाधीश समीर जैन ने कहा कि इन अफसरों ने पेपर लीक गिरोह के साथ खुलकर मिलीभगत की और व्यापक स्तर पर पेपर लीक करवाया, जिससे आमजन का आर.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित परीक्षाओं पर से विश्वास उठ सा गया।

अदालत ने अपने आदेश में इस तथ्य को रिकॉर्ड पर लिया कि एस.ओ.जी. द्वारा की गई जांच में सामने आया था कि परीक्षा (13 से 15 सितम्बर 2021) से एक महिने पहले (अगस्त के पहले हफ्ते में) ही परीक्षा का पेपर लीक हो गया। इस जांच में यह भी सामने आया था कि बाबूलाल कटारा ने सबसे पहले रामूराम रायका को पेपर सौंपा था ताकि वे अपने बच्चों, शोभा और देवेश रायका, को दे सकें। जांच में यह भी सामने आया कि बाबूलाल कटारा ने ही रामूराम रायका को सलाह दी थी कि वे आर.पी.एस.सी. चैयरमेन से मिले ताकि इंटरव्यू में उन्हें अच्छे नम्बर मिल सके। एस.ओ.जी. की जांच में यह भी सामने आया कि तत्कालीन आर.पी.एस.सी. चैयरमेन और अधिकारी परीक्षा पेपर लीक करने की साजिश में शामिल थे, और चैयरमेन के साथ-साथ तत्कालीन राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा और बाबूलाल कटारा पेपरों को फोटोकॉपी करने और कैमरे से फोटो खींचकर पेपर लीक करने की साजिश में शामिल थे। अदालत ने एस.ओ.जी. द्वारा दी गई चार्जशीट और उसमें दिए गए बयानों में आपने आदेश में अंकित किया है, जिससे स्पष्ट होता है कि बाबूलाल कटारा तथा उनके साथ कार्यरत अन्य सदस्य उनके पुत्र और अन्य अभ्यर्थियों के लिए पेपर चुराने की साजिश में लिप्त थे और अभ्यर्थियों को 'इंटरव्यू' के समय पैसे के लेन-देन के बारे में बात करते थे और यह भी तय करते थे कि किस अभ्यर्थी के कितने मार्क्स बढ़ाये जाएगें।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी अंकित किया कि कई अपराधिक गिरोह, जिनमें कालेर गिरोह और जगदीश विश्नोई गिरोह शामिल हैं, ने 10-10 लाख रुपये में पेपर खरीदे थे। एस.ओ.जी. की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इन दोनों गिरोह के बीच में पहले से कोई भी सम्पर्क या समझौता नहीं था, यानि वे केवल गहलोत सरकार के दौरान खुले आम आर.पी.एस.सी. सदस्यों से मिलकर व्यापक पेपर लीक की वारदातों को अंजाम देने के लिए साथ आए थे। अदालत ने यह भी कहा कि एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 की जांच के दौरान 100 से भी अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी है। अदालत का कहना था कि परीक्षा में 859 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की गई थी, और गिरफ्तारियों को देखते हुए प्रतीत होता है कि हर आठ में से एक अभ्यर्थी ने अनुचित व गैर कानूनी माध्यमों से परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए हो सकते हैं, परन्तु वास्तविकता में कितने अभ्यर्थियों ने गलत रास्ते अपनाए थे, इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। गौरतलब है कि 859 पदों में से करीब 800 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में चयनित होने के बाद नियुक्ति ली थी। इन 800 अभ्यर्थियों में से केवल 70 से 80 ऐसे अभ्यर्थी थे, जो किसी अन्य सरकारी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे, परन्तु उन्होंने नियुक्तियां नहीं ली थी। यानि केवल 10 प्रतिशत ऐसे चयनित अभ्यर्थी थे, जिन्होंने किसी अन्य सरकारी परीक्षा में भाग लिया था और वहां उत्तीर्ण हुए। अदालत ने इन अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए आदेश दिए हैं कि आर.पी.एस.सी. एस.आई. भर्ती परीक्षा को पुनः आयोजित करने से पूर्व इन सभी उम्मीदवारों को तैयारी करने का उपयुक्त समय दे और सभी तरह के आरक्षणों का भी फायदा दें।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आर.पी.एस.सी. के सदस्यों का अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक करने का आरोप है, जैसे कि, शिक्षक ग्रेड-2 परीक्षा-2022 में जांच के बाद खुलासा हुआ था कि, बाबूलाल कटारा, ने 60 लाख रुपये में एक अभ्यर्थी को पेपर बेचा था, इसके बाद आर.पी.एस.सी. को पेपर कैसिंल करना पड़ा था।

इसके अलावा वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा- 2022 और रेवेन्यू अधिकारी ग्रेड-2 भर्ती परीक्षा-2023 में भी एस.ओ.जी. की जांच के बाद सामने आया था कि पेपर लीक किया गया है। गौरतलब है कि रेवेन्यू अधिकारी ग्रेड-2 भर्ती परीक्षा में 1.96 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। अदालत ने कहा कि आर.पी.एस.सी. द्वारा अपनाई जा रही कुप्रथाओं को देखते हुए हाईकोर्ट इन सभी मामलों पर स्वतः संज्ञान ले रहा है, जिस पर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की जाएगी।

भारत ने ट्रंप की "टैरिफ ...

■ **पर, यह भी सच है कि, दीर्घकाल की दृष्टि से, भारत की यह सामना करने की नीति लाभकारी ही रहेगी, पर तत्कालिक रुप से आर्थिक पीड़ा जरुर होगी, क्योंकि भारत के अमेरिका को निर्यात होने वाले 45अरब डॉलर के माल पर भारी संकट आयेगा, कुछ रोजगार भी खत्म हो जायेंगे ।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांग और घटते लाभ मार्जिन के समय आई है। एसबीआई की एक रिपोर्ट चेतावनी देती है कि भारत का अमेरिका के साथ सरप्लस व्यापार अब घाटे में बदल सकता है, जिससे विकास पर और दबाव पड़ेगा। लेकिन जहाँ यह झटका वास्तविक है, वहीं सरकार की नीतिगत प्रतिक्रिया दीर्घकालिक सोच को दर्शाती है। मोदी के पुशबैक के केंद्र में व्यापारिक निर्भरता का पुनः संतुलन है। चीन के साथ चुनिंदा व्यापार मार्गों को फिर से खोलना, रूस के साथ अवसरों का विस्तार करना, और अफ्रीका, पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुँच बढ़ाना - इन प्रयासों से भारत किसी एक साझेदार पर निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहा है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि यह आत्मनिर्भरता की बात नहीं, बल्कि नीतिगत स्वतंत्रता बनाए रखने का उपाय है। अल्पकाल में, नए बाजार तुरंत नहीं बन सकते, लेकिन दीर्घकाल में, इस तरह की विविधता भारत को अमेरिका के एकतरफा व्यापार निर्णयों की अस्थिरता से सुरक्षित रख सकती है।

पुशबैक का दूसरा स्तंभ है घरेलू बाजार में विश्वास। वर्तमान में खपत भारत की जीडीपी का 61 से अधिक योगदान देती है, और सरकार को भरोसा है कि आंतरिक मांग को प्रोत्साहित कर वह बाहरी झटकों को संतुलित कर सकती है। प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर घोषित जीएसटी सुधार केवल दो स्लैब 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत इसी दिशा में एक कदम है। यद्यिप इसकी गति पर विवाद है, लेकिन यह सुधार अनुपालन को सरल बनाता है और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा दे सकता है। यह भारत के सुधार एजेंडे की निरंतरता को भी दर्शाता है, जिससे निवेशकों को यह भरोसा मिलता है कि बाहरी उथल-पुथल से आंतरिक नीतिगत प्रगति बाधित नहीं होगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण तत्व है दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता पर ध्यान। पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के नेतृत्व में दो उच्चस्तरीय समितियाँ नियामक छूट और संरचनात्मक सुधारों के खाके तैयार कर रही हैं। साथ ही, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद को विकास को मजबूत करने और जीवन स्तर सुधारने के उपाय सुझाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी अर्थशास्त्रियों को विश्वास है कि यदि मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहे और मौद्रिक नीति अनुकूल बनी रहे, तो वित्त वर्ष 26 में 6.5 प्रतिशत विकास दर हासिल की जा सकती है। ये दोनों पहलू नीति प्रतिक्रिया के दो स्तरों को दर्शाते हैं - एक जो रणनीतिक दृष्टिकोण और संरचनात्मक सुधार प्रदान करता है (गौबा के नेतृत्व वाली समितियाँ), और दूसरा जो समयबद्ध, तथ्यों पर आधारित आर्थिक सलाह देती है यानि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद। यह दिखाता है कि भारत बाहरी झटकों के जवाब में दीर्घकालिक योजना और त्वरित आर्थिक सलाह दोनों को सक्रिय रूप से जुटा रहा है।

अल्पकाल में, टैरिफ वृद्धि से नुकसान होगा। श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यातकों को दबाव का सामना करना पड़ेगा, और वैकल्पिक बाजार विकसित होने से पहले व्यापार संतुलन बिगड सकता है। फिर भी, मोदी सरकार इस अस्थिरता को एक उत्प्रेरक के रूप में इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देती है। घरेलू खपत पर दांव लगाकर, सुधारों में तेजी लाकर और वैश्विक साझेदारियों में विविधता लाकर, नई दिल्ली टैरिफ झटके को दीर्घकालिक लाभ में बदलने की रणनीति अपना रही है। हालाँकि इसका लाभ असमान रूप से मिलेगा। अल्पकालिक दर्द टालना संभव नहीं है। लेकिन दीर्घकालिक रूप से इसका लाभ एक अधिक मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था हो सकती है - जो वाशिंगटन की व्यापार नीति की अनिश्चितताओं से कम प्रभावित हो, और अपनी घरेलू मांग व विविध वैश्विक संबंधों पर अधिक आधारित हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908